खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 03 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-330

भाई-भतीजावाद

महेश बैंक चुनाव 2025 अब दोनों ही पैनलों (संस्थापक व फाउंडर) के लिए वर्चस्व/अस्तित्व की लडाई का अखाड़ा बन चुका है। साम-दाम-दंड-भेद जैसे सारे दाँव पेंच आजमाये जा रहे हैं। एक-दूसरे की पोल-खोल के खेल में सब जी-जान से लगे हुए हैं। किसी को यह चिंता नहीं है कि उनकी जोर-आजमाईश का कितना गहरा असर बैंक की सेहत पर भी पडेगा। दोनों ही यह मान कर चल रहे हैं कि अभी नहीं तो कभी नहीं।

शायद यही कारण है कि बैंक के बही-खाते तो सार्वजनिक हो ही गये, अब गोपनीय दस्तावेज भी धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। संस्थापक पैनल का दावा है कि उसके पास इस बात के पक्के सबूत है कि फाउंडर पैनल वालों ने बैंक को नीचा गिराने के लिए क्या-क्या किया?

केन्द्रीय जाँच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे से लेकर हाई कोर्ट द्वारा आरबीआई अधिकारी की नियुक्ति तक किस तरह अपने रूतबे का इस्तेमाल किया।

महेश बैंक चुनाव 2025

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गृह मंत्री अमित शाह तक पैरवी की गई। बाजाप्ता फाउंडर पैनल के पिछले चुनाव में विजयी निदेशकों के दस्तखत इन शिकायत-पत्रों में हैं। हालांकि शुभ लाभ इन दावों की पुष्टि नहीं करता। यदि इन दावों में सच्चाई हैं तो यह अंशधारकों के साथ बहुत बड़ा धोखा हैं, अक्षम्य अपराध है। संस्थापकों का कहना है बैंक की पीठ में खंजर घोंपने वाले इन अपराधियों को उनके किये कि सजा मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि पिछली बार चुने गये कैलाश नारायण जी भाँगडिया, अरुण कुमार जी भाँगडिया और भगवान जी पंसारी इस बार भी चुनाव लड़ रहे हैं।

उधर, फाउंडर समर्थकों ने रमेश कुमार बंग के परिवार को कटघरे में खड़ा करते हुए न केवल आरबीआई के नियमों की धज्जियाँ उड़ाकर करोडों के ऋण आवंटित करने का

आरोप लगाया, वहीं उनसे यह सवाल भी किया कि क्या बैंक को अपनी बपौती समझ रखा था? बताया जाता है कि श्री बंग ने अपने दो भाइयों के बेटों को करोडों के लोन दिलवाये थे। सही मायने में इस तरह के लोन परिजनों को देना अमर्यादित जरूर हो सकता है, किन्तु अक्षम्य अपराध नहीं। इस बात पर भी गौर करना अत्यंत जरूरी है कि दोनों ही भतीजों ने समय पर न केवल अपना पूरा लोन चुकता कर दिया, बल्कि बैंक को भी पूरा का पूरा ब्याज मिला। लोन रेवडियों की तरह परिवार में बांटे जाने की बात कहना कम से कम इस मामले में तो कतई उचित नहीं। सरकारी नियमों का पालन करना, वो भी बैंक जैसे वित्तीय संस्थान में अवश्यंभावी है, लेकिन जब हम अपना घर बनाते हैं या व्यापार के लिए लाइसेंस आदि लेते हैं, तब उसमें उल्लेखित नियमों का अक्षरशः पालन संभव नहीं होता। वैसे ही इस मामले को भाई-भतीजावाद ठहराना अव्वल दर्जे की मूर्खता ही है।

एसआईआर पर विपक्ष के तेवर सख्त

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

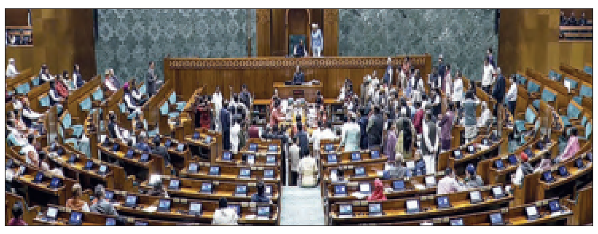

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। सोमवार से शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई थी। मंगलवार को दूसरे दिन भी जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। तमाम विपक्षी दल एसआईआर के मुद्दे को लेकर सदन में शोर करते हुए दिखाई दे रहे थे। लोकसभा में मंगलवार को बिल्कुल भी कामकाज नहीं हो सका जबकि राज्यसभा में कुछ काम जरूर हुए। लेकिन एसआईआर पर विपक्ष का शोर लगातार जारी रहा। दूसरी ओर विपक्ष के विरोध के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराने पर सहमति जताई। कार्य मंत्रणा परिषद की बैठक में तय हुआ है कि 9-10 दिसंबर को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बुधवार, 10 दिसंबर को इसका उत्तर देंगे। 8 दिसंबर को सदन में वंदे मातरम पर चर्चा होगी। चर्चा के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है

दोनों सदनों में जमकर हुआ हंगामा

और प्रधानमंत्री मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बाधित लोकसभा की बैठक मंगलवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई, वहीं सरकार ने कहा कि वह चुनाव सुधार समेत हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) में सहयोग नहीं कर रही और ऐसे कारणों से विकसित भारत बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच को पूरा करने में कठिनाई आ रही है।

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को जॉर्जिया से आए संसदीय शिष्टमंडल ने लोकसभा की कार्यवाही देखी। सदन की बैठक शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को विशिष्ट दीर्घा में जॉर्जिया के संसदीय शिष्टमंडल के उपस्थित होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ङ्घहमारे सदन की विशिष्ट दीर्घा में जॉर्जिया की संसद के चेयरमैन शाल्वा पापुआशविली के नेतृत्व में जॉर्जिया का उच्चस्तरीय संसदीय शिष्टमंडल उपस्थित है। ▶8पर

पुतिन की भारत दौरे से पहले यूरोप को चेतावनी

भारत के साथ रक्षा और व्यापार पर फोकस

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत दौरे से ठीक पहले रूस के दूसरे सबसे बड़े बैंक वीटीबी के सम्मेलन में कई अहम संकेत दिए। उन्होंने बताया कि उनकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात जल्द होने वाली है, जिसमें भारत के साथ व्यापार, आयात और रणनीतिक सहयोग पर व्यापक चर्चा होगी।

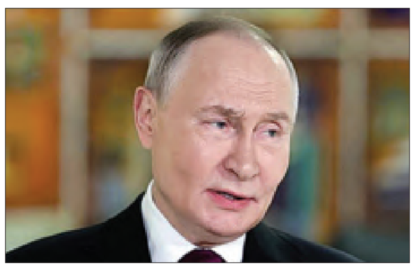

पुतिन ने कहा कि रूस अपनी स्वतंत्र आर्थिक नीति जारी रखेगा और इसका मुख्य उद्देश्य केवल देशहित होगा। उन्होंने जोर देकर बताया कि पिछले तीन वर्षों में भारत और चीन के साथ रूस के व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पुतिन ने यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए कहा, अगर यूरोप युद्ध लड़ना चाहता है, तो हम तैयार हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप के पास अब शांति की कोई योजना नहीं, बल्कि वह युद्ध को बढ़ावा दे रहा है। वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम में उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय उथल-पुथल से गुजर रही है क्योंकि कुछ देश अपने एकाधिकार वाले दबदबे का इस्तेमाल कर के दुनिया पर दबाव बना रहे हैं। उनके अनुसार, पश्चिमी देश दुनिया से मुकाबला खत्म करना चाहते हैं, लेकिन वो इसमें नाकाम रहे हैं और आगे भी नाकाम रहेंगे।

राष्ट्रपति पुतिन लगभग चार साल बाद 4-5 दिसंबर 2025 को भारत आने वाले हैं। उनकी पिछली भारत यात्रा 6 दिसंबर 2021 को 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक तनावों के चलते यह अंतराल लंबा हो गया था।

इस बार पुतिन की यात्रा को भारत-रूस संबंधों में नई गति देने वाली मानी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर घोषणा की थी कि 2035 तक भारत के पास ऐसी अभेद्य हवाई सुरक्षा ढाल होगी, जिसे कोई भी हमला भेद नहीं पाएगा।

पुतिन की यात्रा इसी दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखी जा रही है।

भारत रूस से पहले ही 5 एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीद चुका है, जिनमें से 3 की डिलीवरी हो चुकी है।

अब उम्मीद है कि दोनों देश इससे भी उन्नत एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम पर चर्चा कर सकते हैं।

अगर यह समझौता आगे बढ़ता है तो भारत का 2035 तक स्वदेशी एयर डिफेंस नेटवर्क बनाने का लक्ष्य और मजबूत होगा।

पुतिन की यात्रा से पहले रूस की संसद एक महत्वपूर्ण समझौते ▶8पर

आंध्र-तेलंगाना में सियासी तकरार कोनासीमा पर बयान से भड़के मंत्री

हैदराबाद, 02 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच राजनीतिक विवाद तब और बढ़ गया जब तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने चेतावनी दी कि पवन कल्याण की फ़िल्में राज्य में तब तक रिलीज़ नहीं होंगी जब तक वे कोनासीमा पर अपनी हालिया टिप्पणी के लिए माफ़ी नहीं मांग लेते। वेंकटरेड्डी ने एक तीखा बयान जारी करते हुए कहा कि वह सिनेमैटोग्राफी मंत्री के तौर पर बोल रहे हैं और ज़ोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण राजनीति में नए हो सकते हैं, लेकिन राज्य बनने के एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद तेलंगाना को निशाना बनाकर बयान देना अनावश्यक था।

उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि चिरंजीवी ने कभी भी भड़काऊ टिप्पणी नहीं की, लेकिन पवन कल्याण की फ़िल्में बिना माफ़ी माँगे तेलंगाना में प्रतिबंधित कर दी जाएँगी। अगर वह माफ़ी माँग लेते हैं, तो निज़ाम क्षेत्र में उनकी फ़िल्में कम से कम कुछ दिन तो चल ही सकती हैं। विवाद पवन कल्याण की कोनासीमा यात्रा के दौरान शुरू हुआ, जहां आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि क्षेत्र के नारियल के बागानों को नुकसान हो रहा है क्योंकि तेलंगाना के लोगों की बुरी नजर कोनासीमा पर पड़ गई है और ▶8पर

संचार साथी पर संग्राम!

बगावत की तैयारी में ऐप्पल, सरकारी आदेश का करेगी विरोध

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

संचार साथी ऐप को लेकर विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अब खबर है कि ऐप्पल भारत में बेचे जाने वाले सभी आईफोन में इस सरकारी साइबर सुरक्षा ऐप को प्रीलोड करने के आदेश का विरोध करने की तैयारी कर रही है। समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक सूत्रों का कहना है कि ऐप्पल यूजर्स की प्राइवेसी सुनिश्चित करने के अपने सिद्धांतों के तहत सरकार के इस निर्देश का विरोध कर सकती है।

भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय ने हाल ही में ऐप्पल , सैमसंग और दळरोळ सहित बड़े मोबाइल निर्माताओं को एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि नोटिफिकेशन की तारीख से 90 दिनों के भीतर सभी नई डिवाइसेज में संचार साथी ऐप प्रीलोड करना अनिवार्य होगा। आदेश में यह भी शामिल था कि निर्माता यह सुनिश्चित करें कि ऐप को डिसेबल नहीं किया जा सके और जो डिवाइस पहले से सप्लाई चेन में हैं, उनमें भी सॉफ़्टवेयर अपडेट के जरिए ऐप इंस्टॉल किया जाए। मामले से जुड़े सूत्रों ने संकेत दिए कि ऐप्पल की इस आदेश का पालन करने की कोई योजना नहीं है। और आईफोन निर्माता सरकारी अधिकारियों के सामने कड़ी आपत्ति दर्ज कराएगी। कंपनी के इस दलील देने की उम्मीद है कि वह दुनिया में कहीं भी ऐसे अनिवार्य आदेशों का पालन नहीं करती क्योंकि इससे उसके विशेष आईओएस ईकोसिस्टम में प्राइ-

वेसी और सुरक्षा से जुड़ी गंभीर खामियां पैदा हो सकती हैं।

इंडस्ट्री से जुड़े एक सूत्र ने आदेश के सुरक्षा प्रभावों को साफ शब्दों में बताते हुए कहा, यह सिर्फ हथौड़ा चलाने जैसा नहीं है, यह तो दो नली वाली बंदूक जैसा है, जो संभावित जोखिम की गंभीरता को दिखाता है। रिपोर्टों के अनुसार ऐप्पल अपने रुख पर कायम है। एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी यह कर ही नहीं सकती, बस बात खत्म, क्योंकि यह सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि, यह भी माना जा रहा है कि कंपनी ना तो सार्वजनिक रूप से टकराव चाहेगी और न ही कोई कानूनी कार्रवाई करने की संभावना है।

संचार साथी ऐप का मकसद चोरी हुए फोनों को ट्रैक और ब्लॉक करना, साइबर फ्रॉड पर लगाम लगाना और डुप्लीकेट या स्पूफ किए ▶8पर

संचार साथी ऐप सिंधिया बोले

वैकल्पिक है, हटा सकते हैं विपक्ष कर रहा भ्रमित

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि संचार साथी ऐप को सक्रिय करना वैकल्पिक है और केंद्र के निर्देश से गोपनीयता संबंधी चिंताएँ और राज्य की निगरानी की आशंकाएँ पैदा होने के बाद इसे कोई भी हटा सकता है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि राज्य द्वारा विकसित इस साइबर सुरक्षा ऐप में किसी भी तरह की जासूसी या कॉल निगरानी शामिल नहीं है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, सिंधिया ने ज़ोर देकर कहा कि ऐप को कभी भी हटाया जा सकता है और यह उपयोगकर्ता द्वारा सक्रिय किए जाने के बाद ही काम करता है। सिंधिया का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दूरसंचार विभाग ने निर्माताओं को दिए गए आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐप की कार्यक्षमता को अक्षम या प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यदि आप संचार साथी नहीं चाहते हैं, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

#Cyclone_Ditwah

नेताओं के खिलाफ अवैध मामलों से लड़ने को तैयार कांग्रेस : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 02 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ने को तैयार है।टीपीसीसी राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने गांधी परिवार के खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिशोध की राजनीति की कड़ी निंदा की।

रेड्डी ने कहा कि गांधी परिवार के खिलाफ नेशनल हेराल्ड अखबार मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला केवल देश भर में राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए वोट चोरी अभियान से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए दर्ज किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, गांधी परिवार ने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। गांधी परिवार ने अपनी संपत्ति से नेशनल हेराल्ड अखबार शुरू किया और देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ▶8पर

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम अब सेवा तीर्थ

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। देश भर के राज्य भवन का नाम अब लोक भवन होगा। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन के नाम से जाना जाएगा।

न्यूज एजेंसी ने सरकार के सूत्रों के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय के अफसरों ने कहा, मसार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे हैं। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक है।

इससे पहले केंद्र सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी रेस कोर्स रोड

प्रोजेक्ट	लागत
नया संसद भवन	971 करोड़ रुपए
सेंट्रल विस्टा एवेन्यू	608 करोड़ रुपए
उपराष्ट्रपति भवन	208 करोड़ रुपए
कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट	3,690 करोड़ रुपए
प्रधानमंत्री आवास	467 करोड़ रुपए

प्रोजेक्ट की कुल लागत : 20 हजार करोड़

कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दफ्तर अब 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर मसेवा तीर्थफ नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। ▶8पर

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ टीआईई बेंगलूरु द्वारा आयोजित टीवाईई कार्यक्रम में युवा उद्यमियों का शानदार प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ, लेडीज विंग, यूथ विंग, जेआईटीईएम और जेआईआईएफ द्वारा टीआईई बेंगलूरु एवं टीआईई ग्लोबल के साथ मिलकर टीवाईई टीआईई युवा उद्यमी कार्यक्रम ने छात्रों को उद्यमिता की दुनिया से जोड़ने का शानदार अवसर प्रदान किया। यह कार्यक्रम राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में आयोजित किया गया। इस मंच का उद्देश्य युवाओं को बड़ा सपना देखने और उसे पूरा करने का साहस विकसित करना है। कार्यक्रम में छात्रों को स्टार्टअप निर्माण से लेकर वास्तविक बिजनेस समस्याओं को समझने तक के व्यापक अनुभव दिए गए, जिससे उनमें नवाचार, नेतृत्व और समाधान आधारित सोच को मजबूती मिली। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, मंत्री एवं संयोजक जेआईटीईएम प्रीतेश जैन, मंत्री एवं जेआईआईएफ

संयोजक पंकज बालार, टीवाईई बेंगलूरु से लक्ष्मी का विशेष योगदान रहा। उनकी सक्रिय भागीदारी और मार्गदर्शन ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीवाईई कार्यक्रम के दौरान छात्रों को उद्यमिता से जुड़े कई महत्वपूर्ण कौशल सिखाए गए, जिनमें उद्यमिता यात्रा की शुरुआत कैसे करें, जुनून को स्केलेबल बिजनेस में बदलना, ग्राहक की समस्या को समझना और डिजाइन थिंकिंग, तेजी से प्रोटोटाइप बनाना, कौशल मूल्यांकन और टीम वर्क, स्टार्टअप गणित, लीन कैनवास मॉडल की समझ और प्रभावी प्रस्तुतीकरण कला शामिल है। इन प्रशिक्षण सत्रों ने छात्रों को एक संपूर्ण स्टार्टअप फाउंडर की तरह सोचने की क्षमता प्रदान की। इस वर्ष कार्यक्रम में 8 वर्कशॉप्स, 3 सप्ताह की वर्चुअल मेंटरिंग, पीपीटी सबमिशन और बिजनेस पिच प्रतियोगिता जैसे विभिन्न चरणों का समावेश रहा। प्रतियोगिता में कुल पांच टीमों ने अपने अभिनव आइडियाज प्रस्तुत किए। छात्रों ने समस्या की पहचान से लेकर समाधान, बिजनेस मॉडल, बाजार रणनीतियां और विस्तार की संभावनाओं तक का विस्तृत विश्लेषण जूरी के सामने रखा। जूरी सदस्यों ने प्रत्येक प्रस्तुतीकरण पर गहन चर्चा की और बच्चों को भविष्य में अपने मॉडल को और मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस वर्ष कार्यक्रम की जूरी में डॉ. अभिषेक अप्पाजी, डॉ. रिच बाला और विनीत रविंद्रन (सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज, जैन यूनिवर्सिटी) शामिल थे। प्रस्तुत किए गए प्रमुख स्टार्टअप मॉडलों में क्वाइन सेंस का एआई आधारित पर्सनल फाइनेंस असिस्टेंट, एआईवीआईएस का इमोशनल इंटेलिजेंस वाला एआई होलोग्राम, तेराकोर की सेल्फ-हीलिंग स्मार्ट रोड तकनीक और चर्मरोग का हाइपरहाइड्रोसिस के लिए त्वरित पसीना नियंत्रण समाधान शामिल थे। वहीं कवर सेफ टीम ने मल्टीलायर प्रोटेक्शन वाली स्मार्ट सीट कवर तकनीक प्रस्तुत की, जो संक्रमण और रैशेज से सुरक्षा प्रदान करती है। सभी टीमों ने अपने विचारों को मजबूत डेटा, व्यवहारिक रणनीतियों और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में चर्मरोग टीम विजेता बनी, जिसमें प्रणव, युवाल, खुश, लक्ष्य और आरुष शामिल थे। इस टीम ने हाइपरहाइड्रोसिस से पीड़ित करोड़ों लोगों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर निर्णायकों को प्रभावित किया।

प्रकृति खुशी और आनंद का भंडार: साध्वी भव्य गुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि संसार में इतने भी व्यस्त नहीं रहना है कि मुख्य सर्वर से संबंध टूट जाए। अन्यथा जीवन में गड़बड़ होगी ही। ध्यान रहे मुख्य सर्वर से संबंध हमेशा जुड़ा होना चाहिए, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क एक छोटे से डिवाइस जैसा है जो यूनिवर्सल से कनेक्ट रहने पर ठीक से कार्य करता है। सर्वर मिन्स परमात्मा, गुरु, परिवार। अपने दुखों के लिए दुनियां को दोषी नहीं मानना है, ये कर्म फल है भोगना ही पड़ेगा, बस अपने मन को परिवर्तित करना है हमारे दुखों का अंत स्वयं हो ही जायेगा। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि प्रकृति खुशी और आनंद का भंडार है।

यह दिव्य सौंदर्य का एक शाश्वत स्रोत है। यह व्यक्ति के लिए एक दोस्त, गाइड और केयरटेकर और एक हीलिंग टच है। एक बीमार शरीर या टूटा हुआ मन को प्रकृति की गोद में आने से बहुत सांत्वना, साहस और आराम महसूस होता है। यह व्यक्ति को नई ऊर्जा और जज्बात प्रदान करता है।

प्रकृति परमात्मा का स्वरूप है। ज्ञान का सही उपयोग ही विजेता को अन्य लोगों से अलग बनाता है। विहार सेवा का लाभ अर्हम ग्रुप के जीतु जैन, हितेश जैन, गौतमचंद जैन ने लिया। होसुर संघ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पूर्व विधायक आरवी देवराज का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक आरवी देवराज का सोमवार रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 3 दिसंबर को अपने 67वें जन्मदिन के अवसर पर वह चामुंडीबेट्टा, गोपालस्वामीबेट्टा और नंजनगुड के नंजुंदेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए सोमवार दोपहर मैसूरु गए थे। रात 8.30 बजे तक वह अपने दोस्तों के साथ बातें करते रहे। तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से कहा जाता है कि अस्पताल ले जाते समय जयदेव की मौत हो गई। पार्थिव शरीर को मैसूरु से बेंगलूरु लाया गया और सुबह जेसी रोड कार्यालय के पास केआर मार्केट और फिर केआर मार्केट के पास उनके घर पर अंतिम दर्शन की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, भाजपा सांसद डॉ. के. सुधाकर, कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद और अन्य ने उनके अंतिम दर्शन किए। आर. वी. देवराज 1989 और 1999 में चामराजपेट विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने गए। 1999 में, कांग्रेस सरकार सत्ता में आई और एसएम कृष्णा मुख्यमंत्री बने। उन्होंने विधान सभा के लिए चुने जाने के लिए अपना चामराजपेट निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दिया था। उन्होंने खुद चुनाव प्रचार किया और एसएम कृष्णा को 13 हजार वोटों के अंतर से हराया। निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्वितरण के बाद उन्हें चिक्कपेट निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। 2013 में, वह चिक्कपेट विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक चुने गए। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम, कर्नाटक स्लम विकास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने विधान परिषद के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उनके परिवार में उनकी पत्नी प्रेमा और बेटा युवराज हैं। कांग्रेस में प्रभावशाली नेता रहे एआरवी देवराज को एसएम कृष्णा की सरकार में ज्यादा लोकप्रियता मिली। वर्तमान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और आरवी देवराज दोनों ने खुद को एसएम कृष्णा का बायां हाथ और दाहिना हाथ बताया। देवराज के अंतिम दर्शन के दौरान उनके प्रशंसकों और समर्थकों को छाती पीटते और रोते हुए देखना हृदय विदारक था। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, देवराज का अंतिम संस्कार बुधवार कनकपुरा में सोमनहल्ली के पास एक फार्म हाउस में होगा।

राज्यपाल के निवास 'राजभवन' का नाम बदलकर 'लोकभवन' रखा जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह विभाग के निर्देशानुसार भविष्य में कर्नाटक के राजभवन का नाम बदलकर लोक भवन किया जाएगा। केंद्रीय गृह विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात समेत आठ राज्य पहले ही राजभवन को लोकभवन में बदल चुके हैं। अब कर्नाटक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत जल्द ही राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन करने का आधिकारिक आदेश जारी करेंगे। चूंकि राजभवन राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है जो कार्यपालिका का प्रमुख होता है, इसलिए नाम बदलने के लिए राज्य सरकार की सहमति या अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। राष्ट्रपति भवन के अधिकार क्षेत्र में आने के कारण केंद्रीय गृह विभाग के निर्देशों का पालन करना पड़ता है। पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु, त्रिपुरा और गुजरात राज्यों के राजभवनों के नाम पहले ही बदले जा चुके हैं। जैसा कि पहले बताया गया है, मोदी सरकार ने जनसेवा अयंगल में सरकारी बंगलों और सड़कों के नाम ही बदल दिए हैं। दिल्ली के रेसकोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याणमार्ग और पुराने संसद भवन का नाम बदलकर संविधान सदन कर दिया गया है। इसी सिलसिले में राजभवनों के नाम बदलने का फैसला किया गया है और इस संबंध में सभी राज्यों को सूचित कर दिया गया है। कर्नाटक में इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक आदेश सामने नहीं आया है। इसे कर्नाटक में लागू किए जाने की संभावना है क्योंकि यह पार्टी की प्रतिष्ठा का मामला नहीं है।

विवान मेहता ने अंडर 16 चेस टूर्नामेंट जीता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजराजेश्वरी नगर में चैंपियंस चेस एकाडमी चैलेंज में विवान मेहता और अव्युक्थ ने क्रमश: यू 16 और यू 10 का खिताब जीता। विवान मेहता सुपुत्र अर्पिता मेहता यू 16 कैटेगरी में

छह में से छह गेम जीतकर साथी खिलाड़ी अनवित भट से आगे रहे। जबकि अव्युक्थ ने भी यू 10 कैटेगरी में अपना क्लीन रिकॉर्ड बनाए रखा। विवान मेहता बी बी यू एल विधालय में नौंवी कक्षा के मेघावी विद्यार्थी हैं।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का स्वागत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विश्वनाथ सज्जनार के हुब्बल्ली आगमन पर आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके बाल्यकाल के साथी एवं प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य महेन्द्र सिंघी, श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी मठ के चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी, गौतम गोलेच्छा, गौतम भुरट, प्रकाश बाफना सहित अन्य गणमान्यों ने समारोह स्थल पर पधारने पर पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनकी अगवानी की।

पॉक्सो मामले में पूर्व सीएम येदियुरप्पा को बड़ी राहत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने एक लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस मामले में कानून के शिकंजे में फंसे बीएस येदियुरप्पा और अन्य आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने अस्थायी राहत दी है। येदियुरप्पा के वकील सिद्धार्थ लूटरा और सिद्धार्थ धावे ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की और विशेष सत्र अदालत द्वारा उनके मुवक्किल को मुकदमे में शामिल होने के लिए जारी किए गए समन पर सवाल उठाया। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका पर सुनवाई

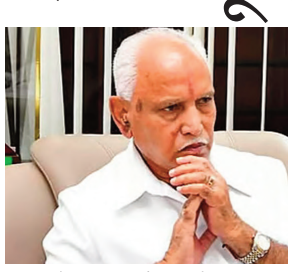

की और सीआईडी और पीड़ित लड़की को अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने सीआईडी को निर्देश दिया है कि वह हाई कोर्ट को समझाए कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्टे क्यों जारी किया है। इससे पहले येदियुरप्पा के पक्ष में दलील देने वाले वरिष्ठ वकील ने 7 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को गलत बताया है। इसलिए उन्होंने चीफ जस्टिस की बेंच से समन रद्द करने की अपील की है। येदियुरप्पा के मामले पर गुण-दोष के आधार पर विचार नहीं किया गया। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत बताया। इस प्रकार, उन्होंने यह समझाने की कोशिश की कि मामला समन रद्द करने के लिए उपयुक्त है। पिछले दौर के फैसले के कारण हाई कोर्ट ने इस पर विचार नहीं किया। उन्होंने पीठ के ध्यान में लाया कि राजनीतिक दुश्मनी के कारण उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जो 4 बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। तब मुख्य न्यायाधीश ने हस्तक्षेप किया, आप हाई कोर्ट जाकर यह बात क्यों नहीं समझाते। उन्होंने वकील से पूछा कि क्या इसका निपटारा वहां हो सकता है। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई पर रोक लगाने के लिए सीआईडी को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने पहले येदियुरप्पा, वाईएम अरुण, एम. रुद्रेशा और जी. मारिस्वामी द्वारा दायर दो अलग अलग रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें पॉक्सो अपराध के संबंध में उनके खिलाफ आरोपों पर विचार करते हुए बेंगलूरु सत्र न्यायालय द्वारा जारी समन प्रवर्तन आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी। अगर येदियुरप्पा की मौजूदगी जरूरी नहीं है तो उन्हें सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति एमआई अरुण की एकल सदस्यीय पीठ ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह इस पीठ और सक्षम अदालत के आदेशों में उल्लिखित कारकों से प्रभावित हुए बिना उसके सामने मौजूद सबूतों के आधार पर मामले का फैसला करे। ज्ञातव्य है कि एक मां (मृतक) अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग करने के लिए डॉलर्स कॉलोनी, आरएमवी द्वितीय चरण में येदियुरप्पा के आवास पर आई थी। इस मौके पर येदियुरप्पा पीड़िता की 14 साल की बेटी को अपने कमरे में ले गए और पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने शिकायत में कहा कि घटना 2 फरवरी 2024 को सुबह 11 से 11.30 बजे के बीच हुई। इसके आधार पर पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और इसे ट्रायल कोर्ट में भेज दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेवाड़ मंगरा प्रांत के भीम में स्थित जय आनंद जन परमार्थ संस्थान में साध्वी जयमाला के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, हंसराज मुणोत को सम्मानित करते हुए बाबूलाल दक, गौतम टेबा, किशन मेवाड़ा एवं संस्थान के पदाधिकारी। मुणोत ने जय आनंद जन परमार्थ संस्थान के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अपने वक्तव्य में कहा जैन धर्म चरित्र एवं संस्कारों का नाम है। अहिंसा, सेवा, परोपकार जैसे संस्कार हमें बचपन में विरासत में प्राप्त हुए। बड़े ही सौभाग्यशाली है कि हमारा जन्म जैन कुल में हुआ।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में मंगसिर पूर्णिमा के अवसर पर 4 दिसम्बर को रांका कालोनी बन्नेरघट्टा रोड स्थित निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मन्दिर पर दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर नारायण बाहेती एंड पार्टी द्वारा संगीतमय पाठ का वाचन किया जाएगा। तत्पश्चात बालाजी महाराज को अमृत भोग लगाया जाएगा। इस कार्यक्रम के लाभार्थी सतीश मित्तल परिवार है। समिति के उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि हर महीने की पूर्णिमा को मंदिर प्रांगण पर सुंदरकांड का आयोजन किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क 98801 93400 पर संपर्क किया जा सकता है।

आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में भव्य तरीके से हनुमान जयंती मनाई गई

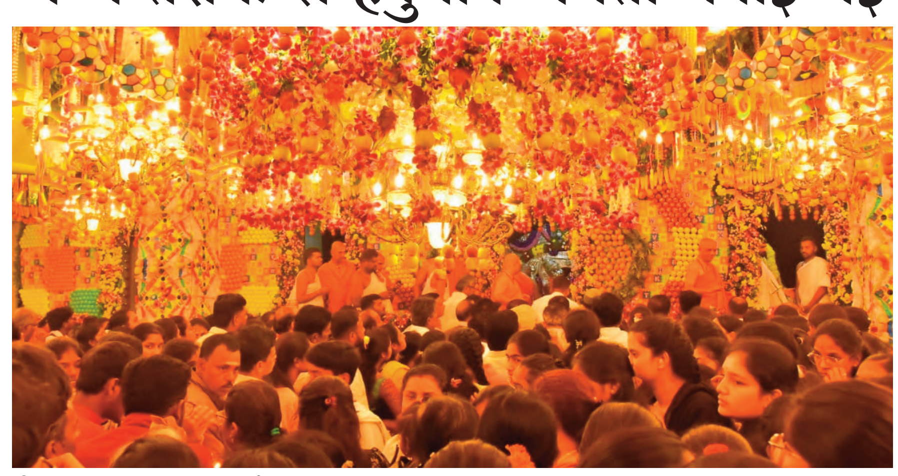

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमान जयंती के अवसर पर मंगलवार सुबह से ही श्रीराम भक्तों ने विभिन्न मंदिरों में भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। शहर के बाहरी इलाके में श्री आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के परिसर में वीरंजनेय स्वामी मंदिर में, हजारों भक्तों ने सुबह से ही भगवान के दर्शन किए। श्री आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ की ओर से मंदिर को विभिन्न फूलों से सजाया गया। इससे पहले, श्री आदिचुंचनगिरी महा संस्थान मठ के पीठासीन अधिकारी निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी ने श्री वीरंजनेय की विशेष पूजा की। हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर में सुबह पूजा, हनुमान प्रतिमा का नवग्रह पूजन, नव कलश स्थापना,

पंचामृत अभिषेक हुआ। मंदिर को विशेष फूलों से सजाया गया था। साथ ही अन्नदान प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हनुमान जयंती आंजनेयस्वामी की जयंती है, जिन्हें मारुति नंदना के नाम से भी जाना जाता है और आंजनेय अंजनी और केसरी के पुत्र हैं। हनुमान उन लोगों में से एक बन गए जिन्हें अमरता का वरदान मिला था। अंजनेय स्वामी को हनुमंत, बजरंगबली, पवन पुत्र, संकटमोचन, केसरी नंदन, अंजनी पुत्र आदि कई नामों से जाना जाता है, इसलिए भगवान हनुमान की विशेष पूजा की जाती थी। विशेष श्रृंगार किये श्री वीरान्जनेय स्वामी के दर्शन पाने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर नए यात्री पिक-अप नियम 8 दिसंबर से होंगे लागू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) के दो टर्मिनलों के सामने पिक-अप जोन में एक नई लेन पृथक्करण प्रणाली 8 दिसंबर से लागू होगी। यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने, भीड़भाड़ कम करने और बेंगलूरु हवाई अड्डे पर आगमन क्षेत्रों में सुरक्षा, अनुशासन और समग्र सुविधा में सुधार के लिए उन्नत पिक-अप उपाय पेश किए जाएंगे। भारत के तीसरे सबसे बड़े हवाई अड्डे केआईए का संचालन करने वाली बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) ने कहा कि हवाई अड्डा हर दिन लगभग 130,000 यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। हवाईअड्डे के सड़क नेटवर्क से गुजरने वाले लगभग 100,000 वाहनों की दैनिक मात्रा इसकी भूमि के किनारे की सुविधाओं, विशेष रूप से टर्मिनलों के सामने केर्बसाइड (ड्रॉप-ऑफ और पिक-अप लेन) पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है। जवाब में, बीआईएएल यात्री अनुभव को बढ़ाने, भीड़भाड़ को कम करने और उभरती जरूरतों और सुरक्षा मानकों के साथ संरेखित करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा और सुधार कर रहा है।

बीआईएएल के अनुसार, निजी कारों और कैबों द्वारा लंबे समय तक इंतजार करने से कृत्रिम भीड़ पैदा होती है, जिससे यातायात प्रवाह बाधित होता है और यात्रियों और ड्राइवरों को असुविधा होती है। इसे संबोधित करने और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, बीआईएएल अनुशासन लागू करने, अनधिकृत पार्किंग को रोकने और रुकने के समय को कम करने के लिए एक लेन पृथक्करण प्रणाली शुरू कर रहा है। इससे सड़क के किनारे भीड़ कम होने और टर्मिनलों के सामने पिक-अप जोन के दुरुपयोग को रोकने की उम्मीद है। नई लेन पृथक्करण प्रणाली के अनुसार, सभी निजी कारों (व्हाइट बोर्ड) के लिए टी1 और टी2 में निर्दिष्ट आगमन पिक-अप क्षेत्र में प्रवेश निःशुल्क होगा। हालांकि, निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक जोन के अंदर रहने या दुरुपयोग करने पर शुल्क लगेगा। बीआईएएल ने कहा हवाईअड्डा सभी उपयोगकर्ताओं को जोन के आठ मिनट (अंतरराष्ट्रीय मानकों से कहीं अधिक) मुफ्त उपयोग के लिए देगा, जिसके बाद 8-13 मिनट तक रुकने पर 150- शुल्क और 13-18 मिनट तक रुकने पर 300- शुल्क लगेगा। 18 मिनट से अधिक रुकने वाले किसी भी वाहन को निकटतम पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा और लागू जुर्माना और टोइंग शुल्क लगाया जाएगा। येलो बोर्ड टैक्सियों और इलेक्ट्रिक कैब सहित सभी वाणिज्यिक वाहनों को केवल निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्रों में यात्रियों के लिए इंतजार करना आवश्यक है। निर्बाध पिक-अप अनुभव की सुविधा के लिए, पार्किंग के पहले 10 मिनट निःशुल्क होंगे। टर्मिनल 1 पर आने वाले वाणिज्यिक वाहनों को पी4 और पी3 पार्किंग जोन की ओर जाना चाहिए, जबकि टर्मिनल 2 पर आने वाले वाहनों को पी2 पार्किंग जोन की ओर निर्देशित किया जाता है। बीआईएएल के एमडी और सीईओ हरि मरार ने कहा यात्री यातायात लगातार बढ़ रहा है, विशेष रूप से यात्रा के मौसम के दौरान, पिक-अप जोन में अनुशासन बनाए रखना आवश्यक हो जाता है, प्रवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा करने, व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करने और सिस्टम में विश्वास को मजबूत करने के तरीके के रूप में। जब यात्री और कैब ऑपरेटर निर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन करते हैं, तो इसमें शामिल सभी लोगों के लिए अनुभव तेज, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक हो जाता है। हम हवाई अड्डे के अनुभव को सहज और सुव्यवस्थित बनाने में सभी हितधारकों के समर्थन की आशा करते हैं। बीआईएएल ने कहा कि, हाल के महीनों में, केआईए ने अनधिकृत कैब, आगमन द्वार और निकास रैंप के बाहर इंतजार कर रहे वाहनों, या सड़क के किनारे पिक-अप में संलग्न होने के बढ़ते मामलों को देखा है। इन व्यवहारों के परिणामस्वरूप अक्सर भीड़ होती है, यात्रियों को असुविधा होती है और टालने योग्य देरी होती है, जबकि सुरक्षा जोखिम भी पैदा होता है और यातायात प्रवाह बाधित होता है। एक सहज और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, यात्रियों और कैब ऑपरेटरों को केवल निर्दिष्ट पिक-अप पॉइंट और एयरपोर्ट टैक्सी, उबर, ओला, क्विक राइड, ओएचएम इलेक्ट्रिक कैब और डब्ल्यूटीआई कैब जैसे अधिकृत एग्रीगेटर्स का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें कहा गया है कि किसी भी विचलन, जिसमें अनधिकृत क्षेत्रों में रुकना, लेन अवरुद्ध करना, या अनुमत प्रतीक्षा अवधि से अधिक समय तक रुकना शामिल है, जुर्माना लगाया जाएगा, जो कैब ऑपरेटरों और उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों दोनों पर लागू होगा।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने किसानों पर सुपारी आयात के प्रभाव पर संसद में चिंता जताई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने सोमवार को भूटान, म्यांमार और श्रीलंका जैसे कम विकसित देशों से बड़े पैमाने पर सुपारी के आयात के कारण भारतीय सुपारी किसानों पर पड़ने वाले गंभीर प्रभाव पर संसद में कड़ी आपत्ति जताई। शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में नियम 377 के तहत बोलते हुए, सांसद चौटा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पड़ोसी छोटे देशों से सुपारी का शुल्क मुक्त आयात कर्नाटक सहित देश भर के किसानों पर एक बड़ा झटका लगा रहा है। उन्होंने सत्र के पहले ही दिन सदन का ध्यान मुद्दे की गंभीरता की ओर दिलाया। उन्होंने बताया कि शुल्क-मुक्त कोटा-मुक्त (डीएफक्यूएफ) प्रणाली के तहत, भारत सरकार व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इन कम विकसित पड़ोसी देशों के उत्पादों पर शून्य आयात शुल्क लगाती है। हालांकि, ये देश इस लाभ का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप कम गुणवत्ता वाली और सस्ती सुपारी बड़ी मात्रा में भारत में आ रही है। उन्होंने कहा इससे घरेलू सुपारी की कीमतों में भारी गिरावट आई है और किसानों को गहरे संकट में धकेल दिया गया है। अकेले सितंबर 2023 और अगस्त 2024 के बीच, भारत ने भूटान से 57 प्रतिशत, म्यांमार से 39 प्रतिशत और श्रीलंका से 2 प्रतिशत आयात किया। भारत सुपारी उत्पादन में आत्मनिर्भर है, 2023-24 के दौरान लगभग 14 लाख टन का उत्पादन हुआ। अकेले कर्नाटक का योगदान लगभग 10 लाख टन है। उन्होंने कहा कि इतने अधिक घरेलू उत्पादन के बावजूद शून्य-शुल्क नियमों के तहत निम्न गुणवत्ता वाली सुपारी का आयात अनावश्यक और हानिकारक है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, शिवमोग्गा और चिक्कमगलूरु जैसे सुपारी उगाने वाले जिलों के किसान सबसे अधिक प्रभावित हैं। सांसद चौटा ने आगे कहा कि जबकि भारत आम तौर पर सुपारी आयात पर 100 प्रतिशत बुनियादी सीमा शुल्क लगाता है, डीएफक्यूएफ के तहत शून्य-शुल्क रियायत ने इन उत्पादों को भारतीय बाजार में स्वतंत्र रूप से प्रवेश करने की अनुमति दी है, जिससे कीमतों में गिरावट, बाजार में अस्थिरता और उन लाखों किसानों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ है जो अपनी आजीविका के लिए सुपारी की खेती पर निर्भर हैं। सांसद चौटा ने इस गंभीर मुद्दे को संसद में उठाते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को ज्ञापन भी सौंपा है। उन्होंने केंद्र से शुल्क-मुक्त आयात योजना के तहत पात्र उत्पादों की सूची से सुपारी को हटाने और कम विकसित देशों से आयात के लिए नियमित सीमा शुल्क संरचना को बहाल करने का आग्रह किया।

संस्थानों को आवारा कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने के उपाय करने का निर्देश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी सिटी नगर परिषद ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, अपनी सीमा के भीतर निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशनों और अन्य प्रतिष्ठानों को अपने परिसर में आवारा कुत्तों की उपस्थिति की पहचान करने और रिपोर्ट करने के निर्देश जारी किए हैं। नोटिस में कहा गया है कि इन संस्थानों के प्रमुखों को अपने परिसरों का निरीक्षण करना चाहिए, यदि कोई आवारा कुत्ते पाए जाते हैं तो उनकी संख्या की गणना करें और तुरंत नगर निगम आयुक्त को विवरण रिपोर्ट करें। संस्थानों को आवारा कुत्तों के उपद्रव को रोकने और उनके परिसर के भीतर उनकी गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए उचित उपाय करने का भी निर्देश दिया गया है। उन्हें आवारा कुत्तों के स्थानांतरण के संबंध में नगर पालिका के साथ समन्वय करने और उनके प्रवेश को प्रतिबंधित करने के उपायों की निगरानी के लिए एक जिम्मेदार कर्मचारी को एक नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि आवारा कुत्तों को स्थानांतरण के बाद परिसर में फिर से प्रवेश करने या रहने की अनुमति दी जाती है, तो उन्हें फिर से स्थानांतरित करने की लागत संबंधित संस्थान से वसूल की जाएगी। नगर निगम आयुक्त ने विज्ञप्ति में कहा कि नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई है कि इन निर्देशों का किसी भी उल्लंघन पर अदालत के आदेश के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री और शिवकुमार ने नाश्ते पर बैठक की

शिवकुमार और मैं हमेशा भाई बने रहेंगे, 2028 के विधानसभा चुनाव में मिलकर काम करेंगे: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की पहली छमाही पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री पद और सत्ता की साझेदारी को लेकर चल रही खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके डिप्टी डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को बेंगलूरु के सदाशिवनगर स्थित आवास पर नाश्ते पर बैठक की और एक बार फिर यह प्रदर्शित करने की कोशिश की कि वे एकजुट हैं और उनके बीच कोई मतभेद नहीं है। बैठक के बाद, सिद्धरामैया ने कहा मैं और डी.के. शिवकुमार हमेशा भाई बने रहेंगे। हम एक ही पार्टी में हैं, एक विचारधारा का पालन करते हैं और 2028 के विधान सभा चुनावों में एक साथ काम करेंगे। इससे पहले शिवकुमार ने सिद्धरामैया के साथ नाश्ते की बैठक को 'भाइयों के बीच' का मामला करार दिया, और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार के भीतर कोई गुटबाजी नहीं है।

दोनों नेता चार दिन से भी कम समय में दूसरी नाश्ता बैठक के लिए मिले। बेलगावी में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र और 1 दिसंबर से शुरू हुए संसद सत्र से पहले, पार्टी आलाकमान द्वारा दोनों नेताओं को अपने मतभेदों को सुलझाने का निर्देश दिए जाने के बाद, शिवकुमार 29 नवंबर को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री के आवास पर नाश्ते की बैठक के लिए गए थे। 29 नवंबर की तरह मंगलवार की बैठक के बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और दोहराया कि वे कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा आलाकमान और राहुल गांधी जो भी कहेंगे, हम उसे सुनेंगे। दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा अभी तक कोई संपर्क नहीं है। अगर वे हमें बुलाएंगे तो हम जरूर जाएंगे। शिवकुमार कब मुख्यमंत्री बनेंगे, इस सवाल के जवाब में सिद्धरामैया ने कहा, जब आलाकमान कोई निर्णय लेता है। हालांकि, माना जाता है कि मुख्यमंत्री की उपमुख्यमंत्री के आवास की यात्रा ने शिवकुमार को कर्नाटक की राजनीति के केंद्र में ला दिया है। शिवकुमार धीरे-धीरे सिद्धरामैया के उत्तराधिकारी के रूप में उभर रहे हैं, हालांकि इस पद के लिए कुछ आकांक्षी हैं। शिवकुमार और उनके भाई, पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कुनिगल विधायक एच.डी. रंगनाथ भी नाश्ते के लिए उनके साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नाश्ते में नाटी कोली (देशी चिकन का एक साइड डिश) परोसा था। सिद्धरामैया ने कहा कि वह बुधवार को मेंगलूरु में एक समारोह में एआईसीसी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल से मिलेंगे। दरअसल वेणुगोपाल के फोन के बाद दोनों नेताओं ने 29 नवंबर को मुख्यमंत्री के आवास पर नाश्ते पर बैठक की। नाश्ते के बाद 45 मिनट की चर्चा के दौरान, दोनों नेताओं ने विपक्षी भाजपा और जद (एस) द्वारा पेश किए जाने वाले प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव का मुकाबला करने के लिए सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की। सिद्धरामैया ने कहा मैं और शिवकुमार 8 दिसंबर को एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लेकर कर्नाटक के सभी सांसदों से मुलाकात करने और उन्हें राज्य के मुद्दों के बारे में जानकारी देने के लिए दिल्ली जाएंगे। शिवकुमार ने कहा हमने सरकार, पार्टी और विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कैबिनेट फेरबदल पर फैसला आलाकमान को लेना है। सोशल मीडिया पर शिवकुमार ने कहा अपने आवास पर नाश्ते के लिए मुख्यमंत्री की मेजबानी की क्योंकि हम कांग्रेस के दृष्टिकोण के तहत सुशासन और हमारे राज्य के निरंतर विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि आलाकमान द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र की समाप्ति के बाद दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाने की उम्मीद है, जो 19 दिसंबर को समाप्त होने की उम्मीद है। तब तक बेलगावी में राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र भी समाप्त हो जाएगा। उम्मीद है कि कांग्रेस के शीर्ष नेता राज्य कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन सहित कई मुद्दों पर दोनों नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

गृह मंत्री परमेश्वर ने एक और डिनर पार्टी के दिए संकेत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि फिलहाल मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार नाश्ता कर रहे हैं। अगर हमें बुलाया जाएगा तो हम जाएंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो मैं खुद दोनों को अलग से डिनर पार्टी के लिए आमंत्रित करने पर विचार करूंगा। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीएम और डीसीएम के लंच को लेकर मिले सुझावों पर वह गंभीरता से विचार करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार हमेशा सहज रहते हैं। अब खुशी की बात ये है कि माहौल साफ है। कोई भी हस्तांतरण पर बहस नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने बेवजह अफवाह फैलायी है।

कुछ समर्थकों द्वारा डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर चंदा देने समेत विभिन्न गतिविधियां करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि एक दूसरे की आकांक्षाएं अलग-अलग हैं। बेलगावी के सुवर्णसौधा में 2024 में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान हुए दंगों की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.आर.बन्नीकट्टी का गठन किया गया था। बन्नीकट्टी की अध्यक्षता वाले एकल सदस्यीय आयोग ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

परमेश्वर का रोना दलितों के प्रति कांग्रेस के असली रंग को उजागर करता है: नरेंद्र रंगप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र रंगप्पा ने मंगलवार को कहा कि बीजेपी ने हमेशा कहा है कि दलितों के प्रति कांग्रेस का रवैया और दृष्टिकोण निष्ठाहीन और नकली है, जिसकी पुष्टि किसी और ने नहीं बल्कि गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने की है। यहां जारी एक बयान में, डॉ. नरेंद्र रंगप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की नाश्ते की बैठकों पर डॉ. परमेश्वर का रोना बयान केवल वे दोनों खा रहे हैं, हमारे पास कुछ भी नहीं है, वास्तव में दलितों के प्रति कांग्रेस के असली रंग को उजागर करता है।

भाजपा प्रवक्ता ने जोर देकर कहा, बेशक, गृह मंत्री नाश्ते पर नहीं बोल रहे थे, लेकिन वास्तव में उनका मतलब और निहितार्थ यह था कि कांग्रेस में दलितों को एक कच्चा सौदा मिला है। डॉ. नरेंद्र रंगप्पा ने कुछ समय पहले मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिए गए इसी तरह के 'रोने वाले' बयान को भी याद किया जब उन्होंने कहा था यह हम हैं जो दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन दूसरे लोग फल लेते हैं और चले जाते हैं। खड़गे और डॉ. परमेश्वर दोनों द्वारा दिए गए बयान कुछ और नहीं बल्कि सबसे पुरानी पार्टी पर दलितों के प्रति उसकी निष्ठाहीन और नकली चिंता का आरोप है।

डॉ. नरेंद्र रंगप्पा ने कहा बीजेपी ने कई बार यह उजागर किया है कि कैसे कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को दो चुनावों में हराकर धोखा दिया, जबकि बाबा साहब को निर्विरोध संसद में लाया जाना चाहिए था। इसी तरह कांग्रेस ने बाबू जगजीवन राम के साथ भी दुर्व्यवहार किया था। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वह दलितों के प्रति कांग्रेस के असली रंग और कठोर वास्तविकता को सामने लाने के लिए डॉ. परमेश्वर को बधाई देना चाहेंगे।

कुमारस्वामी ने हड़ताल पर बैठी आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को बुलाया दिल्ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांड्या में प्रदर्शन कर रहे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से नई दिल्ली से फोन पर बात की और उन्हें बातचीत के लिए नई दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। केंद्रीय मंत्री ने जिलाधिकारी कुमार के माध्यम से राज्य आंगनबाडी कर्मचारी संघ की पदाधिकारी श्रीकुमारी से फोन पर बात की और कहा आपको ठंड के मौसम में सड़क पर नहीं बैठना चाहिए। आपकी संस्था के दस प्रमुख प्रतिनिधि नई दिल्ली आ सकते हैं। मैं स्वयं संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक की व्यवस्था करूंगा।

मैं आपके साथ बैठक में भाग लूंगा। उन्होंने उनसे धरना समाप्त कर दिल्ली आने का अनुरोध किया। मैं आपके उड़ान खर्च और

दिल्ली में आवास का ख्याल रखूंगा। माताओं को ठंड में बाहर नहीं निकलना चाहिए। कृपया चर्चा में आएं। मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीकुमारी ने कहा कि वह इस बारे में एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा करेंगी और उन्हें जानकारी देंगी। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मांड्या जिला कलेक्टर कुमार भी मौजूद थे।

बिहार में बीजेपी के नेता प्रेम कुमार सर्वसम्मति से स्पीकर निर्वाचित

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के नए स्पीकर प्रेम कुमार बने हैं। बीजेपी के नेता और गया सदर के विधायक प्रेम कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष निर्वाचन के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को आसन तक पहुंचाया। फिर बधाई देने के लिए नीतीश कुमार ने खास तौर पर लाल फूलों का गुलदस्ता मंगाया और प्रेम कुमार के कंधे पर हाथ रखकर फोटो भी खिंचवाया। इससे पहले प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने उनके सर्वसम्मति से निर्वाचित होने की घोषणा की। बिहार

के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सर्वसम्मति से प्रेम कुमार को विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई और शुभकामना दी है। उन्होंने कहा कि प्रेम कुमार लंबे समय से इस विधानसभा के सदस्य हैं। वे काफी अनुभवी हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों से खड़ा होकर शुभकामना देने का भी आग्रह किया।

बिहार विधानसभा में डॉ. प्रेम कुमार को सभी सदस्यों ने खड़े होकर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रेम कुमार को बधाई और शुभकामना दी। सभी ने उनके अनुभव की चर्चा की और सदन को इसका लाभ मिलने की आशा व्यक्त की।

मध्यप्रदेश में नगरपालिका और परिषद के अध्यक्ष को सीधे जनता चुनेगी

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा में नगरपालिका संशोधन विधेयक 2025 पारित हो गया। इस संशोधन के बाद अब राज्य में नगरपालिका और परिषद के अध्यक्षों के चुनाव डायरेक्ट होंगे, यानी जनता सीधे इनका चुनाव करेगी। राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा में सर्वसम्मति से यह संशोधन विधेयक पारित हो गया। कोरोना महामारी के चलते चुनाव प्रक्रिया में बदलाव किया गया था, जिससे नगर पालिका और परिषद के चुनाव इनडायरेक्ट प्रणाली से हो रहे थे, इसके बहुत अच्छे परिणाम नहीं आए, खरीद फरोख्त भी हुई

और जो अध्यक्ष बना वह पूरे समय ब्लैकमेल होता रहा, जिससे शहर का जो विकास होना चाहिए था, जिस तरह का विकास होना चाहिए था, वैसा नहीं हो पा रहा था। उन्होंने बताया कि नगर पालिका और नगर परिषद की स्थितियों को लेकर सभी दल के लोगों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से शिकायत की। उनकी मांग थी कि यह चुनाव सीधे होना चाहिए, इसलिए सबकी सहमति से यह संशोधन बिल लाया गया और अब नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम चुनाव साथ में होंगे।

इसमें रिकॉल के लिए भी संशोधन किया है।उन्होंने कहा कि अगर अध्यक्ष वापस बुलाना चाहते हैं, वह जनता की अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं करता तो तीन चौथाई पार्षद अविश्वास प्रस्ताव लाकर वह प्रस्ताव कलेक्टर को देंगे और फिर वह प्रस्ताव राज्य शासन तक आएगा और राज्य शासन सही पाएगा तो निर्वाचन आयोग को भेजेगा।

भारत में घुसपैठियों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, सीजीआई ने कहा,'क्या हम उनके लिए रेड कार्पेट बिछाएं?

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को घुसपैठियों के मुद्दे पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि घुसपैठिए घुसेंगे और फिर अधिकार मांगेंगे। क्या घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएं? मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक हैबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मई महीने में दिल्ली पुलिस ने कुछ रोहिंग्या व्यक्तियों को हिरासत में लिया, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा। साथ ही याचिका में मांग की गई कि यदि उनको उनके देश लौटाना हो, तो यह प्रक्रिया कानून के अनुसार ही होनी चाहिए। याचिकाकर्ता चाहते थे कि केंद्र सरकार इन रोहिंग्या के हिरासत और निष्कासन से जुड़ी जानकारी साझा करे। केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, उत्तर भारत की तरफ हमारी बहुत संवेदनशील सीमा है, और उम्मीद है कि आप सभी जानते हैं कि देश के अंदर क्या स्थिति चल रही है।

उन्होंने कहा, आप चाहते हैं कि उनके लिए लाल कारपेट बिछा दिया जाए? वे सुरंग के

रास्ते प्रवेश करें और फिर भोजन, आश्रय, बच्चों की शिक्षा जैसे अधिकार मांगें?

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम कानून को इस तरह खींचना चाहते हैं? क्या हमारे गरीब बच्चे इन सुविधाओं के हकदार नहीं हैं? ऐसे मामलों में हैबियस कॉर्पस की मांग करना बहुत कल्पनात्मक है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 16 दिसंबर को दोबारा सुनवाई के लिए आएं। इसके साथ ही कोर्ट ने नोटिस भी जारी करने से भी इनकार कर दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या को शरणार्थी कहे जाने पर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या घुसपैठियों को शरणार्थी का दर्जा दिया जा सकता है? उन्होंने पूछा, क्या कोई अगर घुसपैठ करके देश में आता है तो उसे भारत में रहने का अधिकार दिया जा सकता है?

याचिकाकर्ता की वकील ने कहा कि वे न तो रोहिंग्याओं के लिए विशेष अधिकार मांग रही हैं और न ही किसी को वापस बुलाने की मांग है। याचिका का एकमात्र उद्देश्य है कि सरकार अपने ही बनाए निर्वासन प्रक्रिया का पालन करे।

उनका कहना था कि अदालत पहले ही सलीमुल्लाह मामले (2020) में कह चुकी है कि रोहिंग्याओं को सिर्फ वहीं वापस भेजा जा सकता है, जब प्रक्रिया कानून के अनुसार हो।

बता दें कि इसी साल सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी से जुड़े एक अन्य मामले में कहा था कि भारत दुनिया की धर्मशाला नहीं बन सकता, जहां हर तरफ से शरणार्थियों को स्वीकार किया जाए। इसके अलावा, मई में अदालत ने एक और याचिका में यह टिप्पणी भी की थी कि रोहिंग्याओं को समुद्र में फेंकने की कहानी एक सुलेख कथा जैसी लगती है।

बिहार चुनाव में प्रबंधन समिति ने परिश्रम से जीत की आधारशिला रखी : दिलीप जायसवाल

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें चुनाव प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को सम्मानित किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने सभी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और तारीफ की। भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रबंधन समिति का प्रबंधन उल्लेखनीय रहा। प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपने परिश्रम से जीत की आधारशिला रखी।

उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम से यह साबित हुआ कि भाजपा और एनडीए का हर कार्यकर्ता अपने समर्पित भाव से चुनाव मैदान में उतरा और एनडीए को प्रचंड बहुमत दिलाया। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भाजपा आज प्रदेश में विधायकों की संख्या के मामले में सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

इस मौके पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए का प्रचंड जनादेश कार्यकर्ताओं की निरंतर मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान ही भाजपा की पहचान है। भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि पार्टी का बूथ कार्यकर्ता ही पार्टी के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इनका उत्साह और निष्ठा विकसित बिहार की हमारी सामूहिक यात्रा को और बल देती है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हम सब मिलकर बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का परिश्रम और प्रतिबद्धता ही भाजपा की रीढ़ है और यही हमारी निरंतर जीत का आधार भी है।

असम के Nellie Violence पर कांग्रेस ने दबा दी थी तिवारी आयोग की रिपोर्ट, 41 साल बाद खुला नरसंहार का असली सच

गुवाहाटी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। असम में एक के बाद एक सरकारों ने राज्य के भूमि और पहचान संकट को चार दशकों तक पनपने दिया। उन्होंने उस रिपोर्ट को दबाए रखा जिसमें इसे एक टाइम बम बताया गया था जिसके कारण 1983 में नेल्ली नरसंहार और अन्य उपद्रव हुए। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जनवरी-अप्रैल 1983 में उस समय के विदेशी-विरोधी आंदोलन के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए एक आयोग बनाया था। इस त्रिभुवन प्रसाद तिवारी आयोग ने अवैध आव्रजन पर अंकुश लगाने, भूमि हस्तांतरण को विनियमित करने, घुसपैठियों को बेदखल करने, असमिया पहचान को परिभाषित करने और उसकी सुरक्षा के संबंध में कई सिफारिशें कीं।

एजीपी सरकार के पहले मंत्रिमंडल ने 1987 में विधानसभा में यह रिपोर्ट पेश की थी, लेकिन इसकी विषयवस्तु का कभी खुलासा नहीं किया गया। यहां तक कि इसके कार्यान्वयन पर भी चर्चा नहीं की गई। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस सप्ताह, इस रिपोर्ट पर हस्ताक्षर, मुहर और वितरण के 41 साल बाद, इसे सार्वजनिक किया।

1983 के दंगों को सांप्रदायिक बताने वाले दशकों पुराने आख्यानों के विपरीत, तिवारी रिपोर्ट कहती है कि ऐसी कोई भी व्याख्या एक बहुत ही सतही दृष्टिकोण

होगी। इसमें यह भी बताया गया है कि इस मूर्खतापूर्ण हिंसा का खामियाजा समाज के सभी वर्गों को भुगतना पड़ा। पीड़ित किसी एक धार्मिक, जातीय या भाषाई समूह तक सीमित नहीं थे।पूर्व न्यायाधीश लिखते हैं कि कई समझदार गवाहों ने इस ऐतिहासिक पहलू पर गौर किया है और इन दंगों की व्याख्या आर्थिक हितों के टकराव के रूप में की है। कई मामलों में, ये भूमि विवादों से उत्पन्न हुए। उन्होंने अप्रवासियों की भूमि पर अवैध कब्जे को असमिया लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानियों में से एक बताया। रिपोर्ट में कहा गया है, कि भूमि अवैध अप्रवासियों के लिए मुख्य आकर्षण रही है। इस बात पर ज़ोर देने की कोशिश की गई है कि मूल निवासियों के अतिक्रमण का डर काल्पनिक नहीं था।रिपोर्ट में जनगणना के आंकड़े और ज़िम्मेदार गवाहों की गवाही का हवाला दिया गया है। इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रशासक और जनगणना आयुक्त शामिल हैं। कहा गया है कि ब्रिटिश प्रशासक को न तो अहंकार था न ही कोई पूर्वाग्रह। न ही इस मामले में उनका कोई व्यक्तिगत या सामूहिक हित था। तिवारी ने 1984 की रिपोर्ट में लिखा है कि 1979 में अतिक्रमण हटाना बंद हो गया।रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि घुसपैठियों का पता लगाना और अतिक्रमणकारियों को हटाना अविभाज्य रूप से जुड़े हुए हैं। सुझाव दिया कि दोनों कार्यों को मजिस्ट्रेटों के नेतृत्व में एक मल्टी टास्क फोर्स बनाकर किया जाना चाहिए। इसे सशस्त्र पुलिस के समर्थन से किया जाना चाहिए, न कि यह कार्य कनिष्ठ अधिकारियों पर छोड़ दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अचल संपत्ति गैर-असमिया लोगों के हाथों में हस्तांतरित नहीं की जानी चाहिए। राज्य के बाहर से आने वाले भारतीय नागरिकों पर भी उचित प्रतिबंध लगाने की सिफ़ारिश की गई है।कहा गया है कि इस उद्देश्य के लिए असमिया कौन है, यह परिभाषित करते समय, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर या असम में निवास की न्यूनतम अवधि या/और ऐसी अन्य शर्तों, जो उचित लगें, का संदर्भ लिया जा सकता है। अप्रवासियों के संदर्भ में, रिपोर्ट दो श्रेणियों में अंतर करती है। एक पूर्ववर्ती पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उत्पीड़न से बचने वाले शरणार्थी, और वे जो मुख्य रूप से भूमि और आर्थिक अवसरों की तलाश में पलायन कर गए।रिपोर्ट में कहा गया है कि जो लोग उत्पीड़न के शिकार हुए हैं, वे सभी सहानुभूति और समर्थन के पात्र हैं, जो कि राष्ट्रीय नीति का एक अभिन्न अंग रहा है। उनमें से कुछ को पहले ही भारतीय नागरिक के रूप में स्वीकार किया जा चुका है और उन्हें नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। शेष को भारत का नागरिक माना जाना चाहिए। बांग्लादेश से आए प्रवासियों के बीच यह अंतर वैसा ही है जैसा बाद में सीएए में रेखांकित किया गया था।

2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव अपने दम पर अकेले लड़ेगी भाजपा : अश्विनी शर्मा

चंडीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने अभी से ही अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने मंगलवार को कहा कि पार्टी 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव अपने दम पर अकेले लड़ेगी। अश्विनी शर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था ठप हो गई है। उन्होंने कहा कि 2022 में पंजाब में सरकार बनाने के बाद जिस तरह आम आदमी पार्टी ने नगर निगम और नगर परिषद चुनावों में अपने मेयर और अध्यक्ष बनाने के लिए सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल किया, अब उसी तरह जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनाव जीतना चाहती है।

उन्होंने चंडीगढ़ में राज्य चुनाव समिति की बैठक से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार अपने बेतुके बयानों से लोगों का ध्यान भटका रही है।अश्विनी शर्मा ने कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को 2027 के विधानसभा चुनावों के नतीजों का पहले ही अंदाजा हो गया है, इसीलिए घबराहट में वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए बेबुनियाद बयान दे रही है।उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या सरकार राज्य में कानून व्यवस्था को कंट्रोल कर पाई है? क्या ड्रग्स माफिया और गैंगस्टर खत्म हो गए हैं? और क्या किसानों, मजदूरों और महिलाओं से किए गए वादे पूरे हुए हैं?शर्मा ने कहा कि आप सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों को मुआवजा देने में विफल रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के राज से देश में जो माहौल बना है, उससे पंजाब के लोगों में उम्मीद और भरोसे की भावना पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाबी ड्रग्स का खात्मा, गैंगस्टरों का खात्मा, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और हरियाणा की तरह फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी चाहते हैं।शर्मा ने आरोप लगाया कि उन्होंने पठानकोट से फाजिल्का तक गैर-कानूनी माइनिंग का पर्दाफाश किया था, लेकिन उसके बावजूद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने न तो कोई एक्शन लिया और न ही पब्लिक में कोई सफाई दी।उन्होंने आगे कहा, इससे साफ पता चलता है कि आप सरकार के लिए प्राथमिकता पंजाब नहीं, बल्कि अरविंद केजरीवाल को खुश करना है।

कफ सिरप कांड की कहानी : अमित की गिरफ्तारी के बाद सामने आया यूपी कनेक्शन

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत के बाद यूपी में छापेमारी शुरू हुई। यूपी में अब तक तीन गिरफ्तारी हो चुकी हैं। बता दें कि यूपी में जो कफ सिरप पकड़ा गया, उसमें कोडीन की मात्रा अधिक पाई गई। इसलिए उसे कोडीन मिक्स कफ सिरप कहा गया। जो अक्सर नशे के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस दौरान कई बड़े नाम भी सामने आए हैं। आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल।

इनकी तिकड़ी को इस सिंडिकेट का असली संचालक माना जा रहा है। इनकी पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उनकी तमाम फोटो और वीडियो एजेंसियों के लिए जांच का विषय बनती जा रही हैं। फर्जी फर्मों के जरिए वाराणसी का दवा व्यापारी इस पूरे सिंडिकेट का किंगपिन बताया जा रहा है। कोडीन मिक्स कफ सिरप की सप्लाई के सिंडिकेट को शुभम जायसवाल फर्जी फर्मों के जरिए चला रहा था। गाजियाबाद, वाराणसी में गोदाम बनाकर इस कफ सिरप की सप्लाई यूपी से झारखंड, पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश और बिहार से नेपाल तक की जा रही थी। अब एसटीएफ अमित सिंह टाटा, विभोर राणा, विशाल सिंह के साथ आलोक सिंह को भी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

देश के तमाम राज्यों और बांग्लादेश आदि देशों में नशीले कफ सिरप की तस्करी के बारे में तथ्य जुटाएगी। आखिर कफ सिरप कांड में यूपी की एंट्री कैसे हो गई? कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं? किन के नाम सामने आ सकते हैं? इस पर ईडी और एसटीफ की जांच कहां तक पहुंची है।

ईडी के निशाने पर खासकर मुख्य आरोपियों में शामिल शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, विभोर राणा, विशाल सिंह, भोला जायसवाल, आसिफ, वसीम, सौरभ त्यागी समेत 50 से ज्यादा आरोपी हैं, जिनके खिलाफ वाराणसी, जौनपुर, सोनभद्र, गाजियाबाद, लखनऊ, भदोही, चंदौली, सुल्तानपुर, गाजीपुर आदि जिलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। इन सभी की फर्मों के जरिए हुए लेन-देन का ब्योरा जुटाया जा रहा है।ईडी के अधिकारी इस मामले में पूर्वांचल के दो बाहुबलियों और राजनेताओं की कुंडली भी खंगाल रहे हैं, जो शुभम जायसवाल को संरक्षण दे रहे थे। इनमें एक बाहुबली को शुभम द्वारा प्रोटेक्शन मनी भी देने के सुराग मिले हैं। पूर्व सांसद रह चुके इस बाहुबली की कंपनियों के जरिए हुए लेन-देन का पता भी लगाया जा रहा है।

इसका जिम्मा ईडी की प्रयागराज यूनिट को सौंपा गया है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के उन अधिकारियों का नाम भी पता लगाए जा रहे हैं, जिन्होंने इन फर्मों को लाइसेंस दिया था। इनमें एक सहायक आयुक्त की भूमिका की गहनता से जांच हो रही है।

वहीं दूसरी ओर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट इस प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी आरोपियों का गैंग चार्ट तैयार कर रही है, जिसके बाद उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। सभी आरोपियों की संपत्तियों को चिन्हित कर उन्हें जब्त किया जाएगा। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि एसआईटी तेजी से इस मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद उसे शासन भेजा जाएगा।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अब तक छह जिलों में 11 फर्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इन फर्मों की जांच में तमाम अनियमितताएं मिलने के बाद बीएनएस और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराए गए हैं। इसमें जौनपुर की चार फर्में वान्या इंटरप्राइजेज, आकाश मेडिकल स्टोर, मनीष मेडिकल स्टोर और शिवम मेडिकल स्टोर शामिल हैं। इसके अलावा भदोही, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, प्रयागराज और बहराइच की फर्में भी शामिल हैं। बता दें कि विभाग द्वारा अब तक नौ जिलों में 98 एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी हैं।अमित सिंह टाटा ने पूछताछ में कबूला कि शुभम ने धनबाद में देव कृपा मेडिकल एजेंसी और वाराणसी में श्री मेडिकल नाम से फर्जी फर्में बनवाईं।

योगी कैबिनेट मीटिंग में 20 प्रस्तावों पर लगी मुहर

कानपुर और बरेली की पेयजल व्यवस्था सुधारने की योजना मंजूर

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कैबिनेट के समक्ष 20 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें से विकास और संगठनात्मक सुधारों से जुड़े 19 प्रस्तावों को कैबिनेट ने मंजूर किया है। इनमें अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन केंद्र बनाने, प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए कारोबारियों को बड़ी राहत देने, तथा खेल, पेयजल और दिव्यांगजन कल्याण से संबंधित अहम निर्णय शामिल हैं।इनमें राज्य में प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्थापना और पर्यटन क्षेत्र के लिए नई नियमावली के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र डीडीआरसी खोलने को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं। कुछ समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था।

सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी नैदानिक सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया मजबूत होगी। कैबिनेट ने शहरी पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन-अमृत 2.0 के तहत बरेली और कानपुर नगर निगम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और नेटवर्क विस्तार के लिए 582.74 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। दोनों योजनाएं शहरों की बड़ी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होंगी।बरेली नगर निगम में पेयजल प्रणाली को नए सिरे से विकसित करने के लिए फेज-1 पुनर्गठन परियोजना को व्यय वित्त समिति से 26,595.46 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 8,530.96 लाख, राज्य सरकार का 14,504.95 लाख रुपये और नगर निगम का अंश 2,559.55 लाख शामिल है। परियोजना के पूरा होने पर बरेली में लगभग 92 फीसदी आबादी, यानी करीब 9 लाख लोग, नियमित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से कवर हो जाएंगे। कानपुर नगर निगम क्षेत्र के ईस्ट और साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट में 100 फीसदी आबादी तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन विस्तार परियोजना को 31,678.88 लाख की मंजूरी मिली है। इसमें भारत सरकार का योगदान 7,610.32 लाख, राज्य सरकार का 18,264.77 लाख और नगर निगम का हिस्सा 4,566.19 लाख है। परियोजना से कानपुर शहर के 33 वार्डों को सीधा लाभ मिलेगा और ईस्ट-साउथ जोन की पूरी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। जलजनित रोगों में भी कमी आने की उम्मीद है।

19 वर्षीय वेदमूर्ति ने 2,000 मंत्रों और वैदिक श्लोकों का किया शुद्ध उच्चारण, पीएम मोदी ने की सराहना

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक अद्भुत आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन हुआ, जब महाराष्ट्र के 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को दंडाक्रमा पारायण पूरा करने पर सम्मानित किया गया। यह पारायण शुक्ल यजुर्वेद (मध्यांदीनी शाखा) के लगभग 2,000 मंत्रों का एक अत्यंत जटिल और कठिन उच्चारण है, जिसे उन्होंने 50 दिनों तक बिना किसी रुकावट के लगातार पूरा किया। इसे वैदिक परंपरा में लगभग 200 वर्षों के बाद पहली बार शुद्ध शास्त्रीय शैली में किया गया माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 19 साल के वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने जो किया है, उसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी! भारतीय संस्कृति से प्यार करने वाले हर इंसान को उन पर गर्व है कि उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2000 मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में पूरा किया। इसमें कई वैदिक श्लोक और पवित्र शब्द शामिल हैं जिनका बिना किसी गलती के उच्चारण किया गया। वह हमारी गुरु परंपरा के सबसे अच्छे उदाहरण हैं।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में आगे लिखा, काशी से सांसद होने के नाते, मुझे बहुत खुशी है कि यह अनोखा काम इस पवित्र शहर में हुआ। उनके परिवार, कई संतों, ऋषियों, विद्वानों और पूरे भारत के संगठनों को मेरा प्रणाम जिन्होंने उनका साथ दिया।

इस उपलब्धि के सम्मान में देवव्रत महेश रेखे को 5 लाख रुपए मूल्य की स्वर्ण कंगन और 1,11,116 रुपए से सम्मानित किया गया। यह सम्मान दक्षिणामनया श्री शृंगेरी शारदा पीठम के जगद्गुरु शंकराचार्यों के आशीर्वाद के साथ प्रदान किया गया।सम्मान समारोह के दौरान एक भव्य जुलूस निकाला गया, जो रथ यात्रा क्रॉसिंग से महमूर्गंज तक गया। जुलूस में 500 से अधिक वेद छात्र, पारंपरिक संगीतकार और शंखध्वनि की गूंज ने पूरे नगर को एक विशाल वैदिक उत्सव में बदल दिया। राहगीरों और श्रद्धालुओं ने सड़कों पर खड़े होकर फूलों की बारिश की।

लखनऊ पुलिस कमिश्नर ने चार थानों के इंस्पेक्टरों का कार्यक्षेत्र बदला

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से बड़ी खबर सामने आई है। पुलिस कमिश्नर ने शहर के चार वरिष्ठ थानों के निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य थानों में बेहतर प्रबंधन और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाना बताया गया है। कपिल गौतम को बिजनौर थाना का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले प्रभारी मॉनीटरिंग सेल/पीआरओ पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात थे। कपिल गौतम की नियुक्ति से बिजनौर थाने में नई ऊर्जा और बेहतर प्रशासन की उम्मीद की जा रही है। वहीं, शिवशंकर महादेवन को बिजनौर थाने से हटाकर उत्तरी जोन में स्थानांतरित किया गया है। शिवशंकर महादेवन ने अपने कार्यकाल में कई मामलों में सक्रिय भूमिका निभाई थी और अब उनकी जिम्मेदारी उत्तरी जोन की निगरानी और प्रशासनिक कार्यों में होगी।

ब्रजेश कुमार त्रिपाठी को गोसाईगंज थाने से हटाकर मोहनलाल गंज थाना प्रभारी बनाया गया है। ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने पहले गोसाईगंज थाने में उत्कृष्ट कार्य किया था और उनकी नई तैनाती से मोहनलाल गंज थाने में भी बेहतर प्रशासन और जनता की समस्याओं के समाधान में तेजी आने की उम्मीद है।

इसके अलावा, दिलेश कुमार सिंह को मोहनलाल गंज थाने से हटाकर गोसाईगंज का थाना प्रभारी बनाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इन बदलावों का उद्देश्य थानों के कामकाज को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। इसके तहत प्रत्येक थाना अपने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की शिकायतों के समाधान में तेजी लाएगा।

इन बदलावों के साथ पुलिस प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि नए अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वाह करेंगे और नागरिकों को बेहतर सुरक्षा और सेवा प्रदान करेंगे।

यह कदम लखनऊ पुलिस की कार्यकुशलता और जिम्मेदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पहले 9 नवंबर को उत्तर प्रदेश में 23 एडिशनल एसपी के तबादले किए गए थे। हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक रहे नृपेंद्र को वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया था।

मेरठ में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का योग केंद्र – डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में लिए अहम फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में स्थित रामायण संग्रहालय में भगवान के विभिन्न स्वरूपों को दिखाने की पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा चुकी है, जिसमें यह तय किया गया है कि संग्रहालय में किस-किस में रूपों में भगवान राम को हमें दिखाना है। कैबिनेट बैठक में 20 से अधिक प्रस्ताव पारित हुए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मेरठ में बड़ा योग केंद्र भी बनेगा। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का योग केंद्र बनेगा। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में बुनियादी विकास पर भी जोर दिया जाएगा। इसमें हम तय करेंगे कि बुनियादी विकास से संबंधित किसी भी काम में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हमारा मानना है कि राज्य का उच्चस्तम स्तर पर विकास तब तक संभव नहीं हो सकेगा, जब तक की बुनियादी विकास पर जोर नहीं दिया जाता। डिप्टी सीएम ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को जनता के बीच में जाकर अपने कुकर्मों के बारे में बताना चाहिए। उन्हें यह बताना चाहिए कि किस तरह से इस पार्टी ने हमेशा से ही अपने शासनकाल में जनता के हितों पर पर कुठाराघात किया।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में सवाल किए जाने पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से दिग्भ्रमित हो चुकी है, जिसे यह पता ही नहीं है कि उसे क्या करना है। आज की तारीख में कांग्रेस की विश्वसनीयता पूरी तरह से खत्म हो चुकी है।उन्होंने कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस को देश के सामने आकर यह बताना चाहिए कि किस तरह से इस पार्टी ने लोगों के ऊपर अत्याचार किए। देश की जनता आज भी सिख दंगों को नहीं भूली है। कांग्रेस के शासनकाल में किस तरह से सिख समुदाय के लोगों को कत्लेआम किया गया। कांग्रेस को देश की जनता के सामने जाकर सिख समुदाय पर हुए अत्याचार को लेकर माफी मांगनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने कहा कि आज की तारीख में केंद्र की मोदी सरकार देश की जनता के हितों के लिए काम कर रही है, जो लोग मुख्यधारा से बाहर हैं, उन्हें वापस लाने की कोशिश कर रही है, ताकि उनके जीवन में भी विकास का संचार हो सके। अभी हाल ही में बिहार में भी हमारी सरकार का गठन हुआ है। बिहार में भी हमारी सरकार विकास पर जोर दे रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी व्यक्ति विकास से वंचित न रहे। हमने बिहार में महिलाओं को सशक्त करने का काम किया। उन्हें आर्थिक मोर्चे पर मजबूत बनाने का प्रयास किया। हमने यह सुनिश्चित किया है कि बिहार में कोई भी महिला विकास से संबंधित काम को लेकर वंचित नहीं रहे। अब विकास के संबंध में पूरी रूपरेखा हम समग्र देश को लेकर तैयार कर रहे हैं, जिसे धरातल पर उतारने का प्रयास करेंगे।

वहीं, उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भी भाजपा की जीत होने जा रही है। यह जीत हम जनता के आशीर्वाद से प्राप्त करेंगे, क्योंकि हमारी सरकार ने अपने शासनकाल में हमेशा से ही जनता के हितों को प्राथमिकता दी है। ऐसी स्थिति में हमें पूरा विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा ही जीत का झंडा लहराने जा रही है।

उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश चुनाव में सपा की सरकार नहीं बनेगी। अगर यूपी में सपा की सरकार आ गई है, तो फिर से गुंडाराज का सिलसिला शुरू हो जाएगा। यह लोग राज्य में विकास से संबंधित काम नहीं होने देंगे। यह लोग आज की तारीख में विकास के दुश्मन हैं, सिर्फ अपने ही लोगों का भला करते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने भी कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में दो दर्जन से ज्यादा प्रस्ताव पारित हुए हैं। इन सभी प्रस्तावों का मुख्य मकसद सिर्फ प्रदेश के विकास की गति को तेज करना है। हमारा एकमात्र ध्येय सिर्फ प्रदेश में विकास से संबंधित हो रहे कामों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना है।

साथ ही, कैबिनेट बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में भी जानकारी दी गई। इसमें यह बताया गया है कि अब तक इस सूची में कितने अवैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

वहीं, पश्चिम बंगाल में मस्जिद विवाद पर संजय निषाद ने कहा कि यह देश संविधान के आधार पर चलता है। ऐसी स्थिति में बेवजह किसी भी मुद्दे को तूल देना किसी भी मायने में उचित नहीं है।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ने घुसपैठियों के बारे में सख्त रुख अख्तियार करते हुए कहा कि इन लोगों का देश के अंदर कोई स्थान नहीं है। ऐसे लोगों को चिन्हित करके इनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश: काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में तमिलनाडु से आए छात्रों का रेलवे स्टेशन पर हुआ स्वागत

वाराणसी, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण के तहत तमिलनाडु से आए छात्रों का जत्था मंगलवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंचा। ट्रेन बनारस रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो प्रशासन की तरफ से स्वागत किया गया। डमरू और ढोल-नगाड़े की ध्वनियों के बीच पुष्प वर्षा के साथ छात्रों का अभिवादन किया गया। कुल 216 छात्रों का यह दल कन्याकुमारी से अपनी यात्रा शुरू कर वाराणसी पहुंचा है। यात्रा के दौरान इन छात्रों ने काशी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का अवलोकन किया। आज इन छात्रों का प्रमुख कार्यक्रम काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन रहेगा। इसके बाद शाम को नमो घाट पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी इनकी भागीदारी होगी, जहां वे तमिल और काशी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आनंद लेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य काशी और तमिल संस्कृति के ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करना है। दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संवाद बढ़ाने और आपसी समझ को गहरा करने के लिए यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।काशी तमिल संगमम का यह संस्करण छात्रों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की विविधता को भी प्रस्तुत करता है।उद्घाटन से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस कार्यक्रम के लिए अपनी खुशी जाहिर की।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, मैं आज बाबा विश्वनाथ के निवास, पवित्र शहर वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' के चौथे संस्करण का गवाह बनूंगा, जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत की एक जीवंत अभिव्यक्ति है।उन्होंने कहा, 'लेट्स लर्न तमिल' थीम के साथ शुरू होने वाला यह बड़ा कार्यक्रम एक बार फिर उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृति और परंपराओं को एक धागे में पिरोने का जरिया बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज का 'न्यू इंडिया' वैदिक और सांस्कृतिक चेतना के शिखर पर है।अधिकारियों ने कहा कि चौथा संस्करण 2 दिसंबर को वाराणसी में शुरू होगा और समापन समारोह रामेश्वरम में होगा, जो भारतीय उपमहाद्वीप के पवित्र उत्तरी और दक्षिणी छोर को प्रतीकात्मक रूप से जोड़ता है।

इसमें उत्तरी राज्यों के विद्यार्थियों को जोड़ने पर खास फोकस है। वाराणसी और तमिलनाडु दोनों के कलाकार इसमें शामिल होंगे, जिसमें भारतीय ज्ञान और इसकी भाषाई विरासत में तमिल के योगदान का अन्वेषण किया जाएगा।इस साल के कार्यक्रम में लोक संगीत, पारंपरिक खाने के मेले और मंदिर-विरासत के टूर भी होंगे, जिन्हें हिस्सा लेने वालों को तमिल और काशी की संस्कृतियों की जीवंत परंपराओं से रूबरू कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

हर मण्डल में खुलेगा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र : कश्यप

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केवल 37 जनपदों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 11 ही मण्डल मुख्यालयों पर संचालित हैं। प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय : जयवीर

लखनऊ,02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक ने प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को नई गति देने वाले तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। बैठक में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन के प्रस्ताव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी और बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीनों प्रस्तावों पर कैबिनेट की सहमति को प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। कैबिनेट ने अयोध्या में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय निर्णय का मार्ग प्रशस्त किया है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम में एक बड़े सांस्कृतिक संग्रहालय की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे सरकार ने मंजूरी दी।मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के अनुपालन में ग्राम मांझा जमधरा, तहसील सदर, जनपद अयोध्या की नजूल भूमि पर टाटा ग्रुप के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन हेतु एक त्रिपक्षीय एमओयू 3 सितम्बर 2024 को हस्ताक्षरित किया गया। मात्र1 रुपए वार्षिक धनराशि पर 90 वर्षों के लिए आवंटित 25 एकड़ भूमि के साथ 52.102 एकड़ का निःशुल्क हस्तांतरण पर्यटन विभाग के पक्ष में प्रस्तावित है। टाटा समूह द्वारा बनाए जाने वाले विश्व स्तरीय संग्रहालय का उद्देश्य प्राचीन मंदिर वास्तुकला शैलियों का विकास, सिद्धांतों, क्षेत्रीय शैलियों और साहित्य कलात्मक और ऐतिहासिक रुचियों के वस्तुओं आदि का व्यापक प्रदर्शन करना है। यह संग्रहालय अयोध्या आने वालों के लिए सुखद अनुभूति प्रदान करेगा। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या आज विश्वस्तरीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में तेजी से विकसित हो रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 2 से 4 लाख यात्रियों का अयोध्या धाम आना इस बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट संकेत है। राम मंदिर देशी-विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। ऐसे में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन आगंतुकों के लिए एक विशेष उपहार होगा। यह परियोजना न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी, बल्कि आधुनिक विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास और आर्थिक प्रगति का एक नया मॉडल भी प्रस्तुत करेगी। मंदिर संग्रहालय के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा व अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा : हर्ष फायरिंग केस में तीसरा आरोपी निक्की गिरफ्तार, पिता की लाइसेंसी पिस्टल की थी इस्तेमाल

ग्रेटर नोएडा,02 दिसंबर (एजेंसियां)। गौतमबुद्धनगर के थाना जारचा पुलिस ने शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीसरे वांछित आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। 30 नवंबर की रात ग्राम नगला चमरू में बारात चढ़त के दौरान हुई हर्ष फायरिंग की घटना के बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी सिलसिले में पहले दो आरोपियों अभिषेक और इशू को 1 दिसंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं मंगलवार को तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने मामले में एक और अहम खुलासा किया है।

जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी निक्की पुत्र अमर सिंह निवासी ग्राम सिरोरा सलेमपुर, थाना टीला मोड़, जनपद गाजियाबाद को थाना जारचा पुलिस ने 2 दिसंबर को सैथली गांव के बाहर नहर के पास से दबोच लिया।

पूछताछ में सामने आया कि निक्की ने घटना के दौरान न सिर्फ खुद फायरिंग की, बल्कि फायरिंग के लिए अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल को छिपाकर शादी समारोह में लाया था।

यही पिस्टल बाद में उसने अपने साथी अभिषेक को भी दी, जिसने भी उससे गोली चलाई।

इस लापरवाही और अवैध उपयोग के कारण समारोह में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी और कई लोग दहशत में आ गए थे।

गौरतलब है कि हर्ष फायरिंग कानूनन प्रतिबंधित है और इस तरह की घटनाएं कई बार जानलेवा साबित हुई हैं। पुलिस के अनुसार, कानून व्यवस्था के प्रति लापरवाही और समाज में भय का माहौल पैदा करने वाले ऐसे कृत्यों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की गैरकानूनी और खतरनाक गतिविधि न कर सके। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज है।

पुलिस का कहना है कि घटना में इस्तेमाल पिस्टल और अन्य साक्ष्यों के संबंध में आगे की जांच जारी है तथा मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

टिप्स

हमेशा जवान बने रहना चाहते हैं तो यह रहे कुछ आसान नुस्खे

दुनिया में कौन ऐसा शख्स होगा जोकि हमेशा जवान नहीं बने रहना चाहता हो। लेकिन जवान रहने की चाहत रखना ही काफी नहीं है इसके लिए आपको काफी कुछ करना भी होता है जिससे बढ़ती उम्र का असर शरीर पर दिखता नहीं है। वृद्धावस्था वैसे तो एक सत्य है लेकिन इसे अपने पर हावी नहीं होने देंगे तो सदैव जवान बने रहेंगे। मन से जवान अगर आप हैं तो तन से भी कैसे जवान बने रह सकते हैं इसके लिए हम कुछ उपाय यहाँ आपको बता रहे हैं-

» पपीते के टुकड़े को प्रतिदिन चेहरे पर रगड़ने से चेहरे की झाइयां गायब हो जाएंगी और धूल कण भी साफ हो जाएंगे।

» प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। जैसे कि राजमा में काफी प्रोटीन होता है और इससे कोलेस्ट्राल का स्तर भी कम होता है। राजमा दिल की बीमारियों का खतरा भी कम करता है। इसमें फाइबर और पोटैशियम भरपूर मात्रा में है।

» खुद को तनाव से दूर रखें यदि किसी चीज को लेकर चिंता में हैं तो मनोरंजक कार्यक्रम देखें या मित्रों से मिलें ताकि मन बहले। इसके अलावा मेडिटेशन का भी सहारा ले सकते हैं।

» नींद पूरी लें और ज्यादा सोने से बचें। आठ घंटे की नींद दिन भर में शरीर के लिए पर्याप्त है।

» पानी खूब पीना चाहिए लेकिन यह याद रखें कि खाना खाने के बीच में या एकदम बाद पानी नहीं पिएं।

» अलसी रोजना सुबह खाएं। यह शरीर को जवान रखने के लिए रामबाण के समान है।

» मखनफल को एवोकैडो भी कहा जाता है। विटामिन ई से भरपूर यह फल त्वचा को सुरक्षा प्रदान करता है और उसे जवां बनाए रखता है।

» ब्रोकली विटामिन सी का प्रमुख स्रोत है। यह भी काफी फायदेमंद है।

» डार्क चाकलेट खाने से शरीर में जहां फैट कम होता है वहीं त्वचा और बालों की सुंदरता भी बढ़ती है।

» ब्ल्यूबेरी का सेवन करें। इसमें मौजूद खास तरह के मिनरल्स आपको जवां बनाए रखने में मददगार साबित होंगे।

» जिम जाएं, योग करें या फिर घर पर ही थोड़ी-बहुत एक्सरसाइज करें लेकिन कुछ ना कुछ करें जरूर ताकि शरीर फिट रह सके। यदि शरीर फिट है तभी ज्यादा समय तक जवां दिखेंगे।

» विटामिन सी वाले खाद्य पदार्थों मसलन- आंवला, संतरा, पपीता, नींबू, टमाटर आदि का सेवन भी लाभकारी है।

» रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर रख दें और सुबह इस पानी को पी लें इससे पेट भी साफ रहेगा और त्वचा पर चमक भी आयेगी।

» मछली का तेल भी काफी फायदेमंद है। इसका नियमित सेवन करेंगे तो शरीर में नई ताकत आ जायेगी।

» गेहूँ का ज्वारा खाने से भी त्वचा चमकदार होती है और झुर्रियां गायब होती हैं।

» मूँग दाल को रात में भिगो कर रख दें और सुबह इसे चबा चबाकर खाएं, फिर देखें कुछ ही दिनों में कैसे चमत्कार होता है।

10 टिप्सः डायटिंग की जरूरत नहीं, यूं आसानी से घटाएं वजन

अगर कोई आपसे पूछे कि वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए? तो जवाब होगा सुबह रनिंग करो, जिम जाओ या डायटिंग करो। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे तरीके, जिनसे आप बिना कुछ किए अपना वजन कम कर सकते हैं। जी हां, वह भी खा-पीकर, हंसकर, सोकर और मस्ती करके...

दूध पीने से कम होता है वजन

स्टडीज में देखा गया है कि दूध पीने वाले लोगों का मेटाबॉलिज्म सही रहता है। वजन कम करने के लिए जरूरी है कि आप उस गाय का दूध पिएं, जो घास खाती हो। ऐसी गायों के दूध में एक खास तरह का ऐसिड होता है, जो शरीर में जमा फैट को बर्न करने की रफ्तार बढ़ा देता है।

भरपूर नींद लीजिए, पतले होइए

यह बात भी एकदम सही है। जब हम सोते हैं तो शरीर रिपेयर मोड में रहता है। जो लोग पूरी नींद नहीं लेते हैं उनकी बॉडी का सिस्टम ही डिस्टर्ब हो जाता है। हॉरमोन्स भी डिसबैलंस्ड हो जाते हैं, जिसका नतीजा मोटापे के रूप में देखने को मिलता है। तो रात को फोन पर बातें बंद, ऑफिस का काम ऑफिस में निपटाइए और सीरियल भी अगली सुबह देख लीजिए। भरपूर नींद लीजिए और शरीर के सिस्टम को फिट रखिए।

हंस-हंसकर कम कीजिए वजन

पुरानी कहावत है कि हंसना एक दवा है। हंसने से न सिर्फ नर्व्स रिलैक्स होती हैं, बल्कि इम्यून सिस्टम भी इम्प्रुव होता है। यही नहीं, इससे कैलरीज भी बर्न होती हैं। ठहाका लगाकर हंसने के दौरान हार्ट बीट बढ़ती है, ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और पेट के मसल्स टोन होते हैं। अगर आप दिन में 5 बार भी खुलकर हंसते हैं तो साल में 4.4 पाउंड वजन कम कर सकते हैं। ख्याल रखिए, वजन कम करना है तो एक-एक ग्राम मायने रखता है।

ग्रीन टी से बर्न कीजिए फैट

ग्रीन टी पीने से मेटाबॉलिक सिस्टम ठीक हो जाता है। इससे एक हफ्ते में आप 400 कैलरीज तक बर्न कर सकते हैं। यही नहीं, ग्रीन टी में ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स भी होते हैं, जो कई तरह से फायदेमंद होते हैं।

ब्रेकफस्ट को नजरअंदाज न करें

ब्रेकफस्ट यानी सुबह का नाश्ता हमारे पूरे दिन के खाने का सबसे अहम हिस्सा होता है। हेल्दी ब्रेकफस्ट हमें अपने दिन की बेहतरीन शुरुआत करने में मदद करता है ताकि पूरे दिन हमें काम करने की एनर्जी मिले। भले ही आप ऑफिस के लिए लेट क्यों न हो रहे हैं लेकिन ब्रेकफस्ट को नजरअंदाज न करें। सोकर उठने के 1 घंटे के अंदर ब्रेकफस्ट करने की आदत डालें। ऐसा करने से आपका मेटाबॉलिज्म बना रहेगा और वजन भी कम होगा।

अपने खाने पर ध्यान दें

बहुत से लोगों को टीवी देखते हुए खाना खाने की आदत होती है। घरवालों के बार-बार समझाने के बावजूद हम यह गलती करते हैं और हमें इस बात का ध्यान नहीं रहता कि हमने कितना खाना खा लिया। लिहाजा खाना खाते वक्त अपने खाने पर ध्यान दें कि आप अपने मुंह में कितना खाना डाल रहे हैं।

8 बजे से पहले डिनर

वजन घटाना है तो सबसे अहम बात है कि आपको रात में 8 बजे तक अपना डिनर कर लेना चाहिए ताकि आप प्री-डिनर स्नैक करने से बच जाएं। साथ ही डिनर के तुरंत बाद ब्रश करें और ग्रीन टी का सेवन करें। ऐसा करने से अगर आपके दिमाग में खाने का कोई ख्याल आ भी रहा होगा तो वह गायब हो जाएगा।

पानी ज्यादा पिएं

हमें हर दिन 8 ग्लास पानी पीना चाहिए। इस बारे में तो हम सबने सुना है लेकिन हम से बहुत कम ही लोग ऐसे हैं जो इस बात को फॉलो करते हैं। साथ ही जो लोग फॉलो करते भी हैं उन्हें भी नहीं पता कि पानी पीने का सही समय क्या है। खाने के बीच में पानी पीने से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है जिससे शरीर में पोषक तत्वों का अब्जॉर्शन कम हो जाता है। शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए खाने से 15 मिनट पहले या 15 मिनट बाद ही पानी पिएं।

खाने से पहले फल खाएं

अगर आप भी घर बैठे-बैठे वजन घटाने के सपने देख रहे हैं तो शरीर को डीटॉक्सिफाई करने का बेहतरीन तरीका है फलों का सेवन। जब भी आप कोई हेवी मील करने जाएं उससे 30 मिनट पहले फल खा लें। साथ ही अगर आप चाहें तो खाली पेट भी फल खा सकते हैं। इन्हें पचाना आसाना होता है और यह शरीर को भरपूर ऊर्जा प्रदान करते हैं जिससे वजन भी कम होता है।

सेक्स कीजिए, मोटापा भगाइए

यह बात एकदम सही है। आधे घंटे के सेक्स सेशन में 150 से 200 कैलरीज बर्न होती हैं। लेकिन यह बात इस चीज पर निर्भर करती है कि आप किस अंदाज में सेक्स करते हैं। मिशनरी पोजिशन के अलावा दूसरी ऐथलेटिक सेक्स पोजिशंस अपनायी जाएं तो सेक्स, कार्डियो और टोनिंग, दोनों एक्सर्साइज का काम करता है। सेक्स के दौरान हार्टबीट तेज होती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और फैट बर्न होती है।

सावधानी

इन टिप्स की मदद से दूर करें बच्चों में इंटरनेट की लत

आज कल की लाइफस्टाइल में टेक्नोलॉजी हर उम्र के लोगों के जीवन का एक जरूरी हिस्सा बन चुका है. इंटरनेट का प्रभाव हर उम्र के लोगों पर देखा जा सकता है. लेकिन इसका सबसे बुरा असर बच्चों पर पड़ रहा है. टेक्नोलॉजी जहां साइंस का दिया हुआ वरदान है, वहीं इसका ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके दिमाग पर भी काफी बुरा असर डालता है.

इंटरनेट की वजह से बच्चे आउटडोर गेम्स से दूर हो गए हैं. जिस कारण वो मोटापे के साथ कई तरह की बीमारियों के शिकार होते जा रहें हैं.

अगर आपका बच्चा भी अपना ज्यादातर समय इंटरनेट पर ही गुजारता है, तो आप इन बातों को अपनाकर अपने बच्चे को इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करने से रोक सकते हैं.

1. आपका बच्चा इंटरनेट पर क्या देख रहा है. इसकी पूरी जानकारी रखना आपकी जिम्मेदारी है. साथ ही यह ध्यान रखें कि आपका बच्चा किस तरह के वीडियो गेम्स खेलता है, टीवी पर किस तरह की फिल्में या प्रोग्राम देखता है.
2. अपने बच्चे से इस बात पर जरूर चर्चा करें कि वीडियो गेम्स, फिल्म और टीवी प्रोग्राम में उन्हें क्या पसंद आया और क्या नहीं, और उससे उन्होंने क्या सीखा.
3. अपने बच्चों को ऐसे काम करने पर जोर दें, जो उनके लिए फायदेमंद हों. उन्हें पेड़ पौधे लगाना सिखाएं उनके लाभों के बारे में बताएं.
4. जितना हो सके अपने बच्चों को आउटडोर गेम्स में बिजी रखें. उनको खेलों से जुड़ी सभी जानकारी दें और खेल-कूद में उनकी ज्यादा से ज्यादा रुचि पैदा करें.
5. अपने बच्चों को ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने ना दें. उनके इंटरनेट इस्तेमाल करने का एक समय निश्चित करें.
6. अपने बच्चों के बेड रुम में कभी भी टीवी, लैपटॉप, या मोबाइल फोन ना रखें.
7. अकसर माता-पिता अपने बच्चों के प्यार में इतने खो जाते हैं कि वो उनकी हर डिमांड को बिना सोचें समझे पूरी करने लगते हैं. आपका यह व्यवहार आपके बच्चे पर बहुत गलत असर डालता है, इसलिए ऐसा करने से बचें.

सक्सेस मंत्र : हमेशा खुश रहें और अपनी सोच पॉजिटिव बनाकर रखें

अमेरिका में जब एक कैदी को फांसी की सजा सुनाई गई तो वहां के कुछ वैज्ञानिकों ने सोचा कि क्यों न इस कैदी पर कुछ प्रयोग किया जाए। तब कैदी को बताया गया कि हम तुम्हें फांसी देकर नहीं लेकिन जहरीला कोबरा सांप डसाकर मारेंगे।

उसके सामने बड़ा सा जहरीला सांप ले आने के बाद कैदी की आंखे बंद करके कुर्सी से बांधा गया और उसको सांप नहीं बल्कि दो सेफ्टी पिन्स चुभाई गई। कैदी की कुछ सेकेन्ड में ही मौत हो गई, पोस्टमार्टम के बाद पाया गया कि कैदी के शरीर में सांप के जहर के समान ही जहर है।

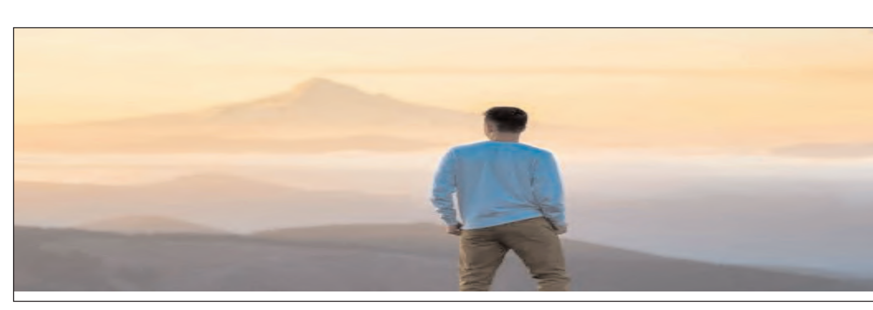

अब ये जहर कहां से आया जिसने उस कैदी की जान ले ली, वो जहर उसके खुद शरीर ने ही सदमे से उत्पन्न हुआ था। हमारे हर संकल्प से पॉजिटीव एवं निगेटीव एनर्जी उत्पन्न होती है और वो हमारे शरीर में उस अनुसार हॉर्मोन्स उत्पन्न करती है। 75 प्रतिशत बीमारियों का मूल कारण नकारात्मक सोंच से उत्पन्न ऊर्जा ही है ।

अपनी सोच सदैव सकारात्मक रखें और खुश रहें।

तीन रंगों की धरती लद्दाख में देखने के लिए बहुत कुछ है

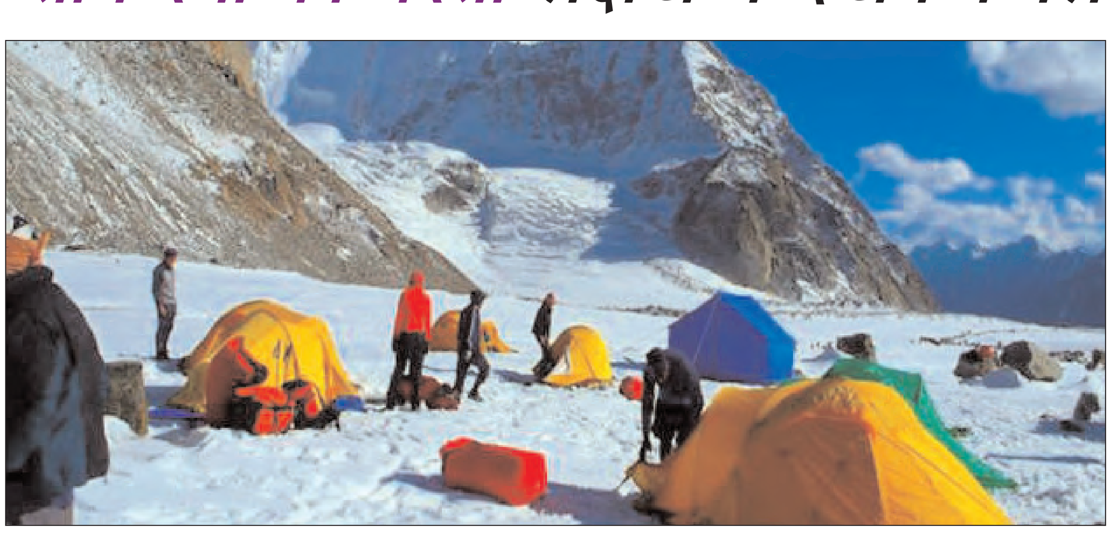

तीनों रंगों की धरती लद्दाख अपने आप में अनेकों रहस्यों को समेटे हुए है। आकाश से इस पर अगर एक नजर दौड़ाई जाए तो मिट्टी रंग की जमीन में सफेद चादर बर्फ की देख आनंदित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। जबकि घाटी में सफेद बर्फ से ढंके इन पहाड़ों की परछाईयां भी भयानक और खूबसूरत काली जमीन को प्रस्तुत करती हैं। और ज्यों ज्यों आदमी धरती की ओर लौटता है तो उसे यह धरती और भी खूबसूरत नजर आने लगती है जहां फूलों की घाटियों के साथ-साथ लामाओं की कतारें देख लगता है जैसे आदमी किसी परिलोक में आ गया हो।

लद्दाख आरंभ से ही इतिहास के पृष्ठों में रहस्यों से भरी भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। कहा जाता है कि एक चीनी यात्री फा-हेयन द्वारा 399 एडी में इस प्रदेश की यात्रा करने से पहले तक यह धरती रहस्यों की धरती थी और इसे दर्रों की भूमि के रूप में भी जाना जाता है तभी इसका नाम 'ला' और 'द्दागस' के मिश्रण से लद्दाख प?ा है जो समुद्रतल से 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित और करीब 97000 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला होने के कारण राज्य का सबसे बड़ा प्रदेश है।

जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ साथ लद्दाख विशिष्टताओं के कारण देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। अनेक जातियों, संस्कृतियों व भाषाओं का संगम बना यह प्रदेश एक खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। जो एक ओर पाकिस्तान तो दूसरी ओर चीन से घिरा हुआ है। लद्दाख के पर्वत पर्वतारोहण करने वालों के मध्य काफी लोकप्रिय हैं।

कब जाएं: हमेशा बर्फ से ढके रहने के कारण लद्दाख के अधिकतर भाग कई कई महीने समस्त विश्व से कटे रहते हैं लेकिन फिर भी मई से लेकर नवम्बर तक का मौसम इस क्षेत्र में जाने का सबसे अच्छा समय है।

कैसे जाएं: वायुमार्ग- जम्मू, चंडीगढ़, दिल्ली, श्रीनगर से लेह के लिए इंडियन एयरलाइंस की सीधी उड़ानें हैं।

लेह शहर में आपको टैक्सी, जीपें तथा जोंगा को किराए पर लेना पड़ता है। यह स्थानीय ट्रांसपोर्ट तथा बाहरी क्षेत्रों में जाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

रेल मार्ग: सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन जम्मू है जो 690 किमी दूर है। और जम्मू रेलवे स्टेशन देश के प्रत्येक भाग से रेल द्वारा जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग: लेह तक पहुंचने के लिए जम्मू-श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग है जिसमें सबसे ऊंचा दर्रा 13479 फुट की ऊंचाई पर फोतुला है। लेह से श्रीनगर 434 किमी, करगिल 230 किमी तथा जम्मू 690 किमी दूर है।

क्या देखें: लेह अपने बौद्ध मंदिरों तथा मठों के लिए प्रसिद्ध है। जो पूरे लेह में स्थान स्थान पर कुकुरमुतों की तरह दिखते हैं। असल में यह बौद्ध मंदिर पुराने धार्मिक दस्तावेजों तथा चित्रों को सुरक्षित रखने के स्थान हैं। जो आज भी अपनी ओर सबको आकर्षित करते हैं।

लेह महल: इस महल का निर्माण सिगें नामग्यान ने 16वीं शताब्दी में करवाया था। यह महल शहर के बीचों बीच खड़ा हर आने जाने वाले को अपनी ओर आकर्षित करता तो है ही साथ ही में अपनी कला और भगवान बुद्ध के जीवन को जीवंत रूप से चित्रित करती पेंटिंग्स इसकी खासियत हैं।

नामग्याल तेस्मो: लेह शहर जो एक घाटी में स्थित है इसके कारण और खूबसूरत नजर आता है जो कस्बे तथा लेह महल पर अपना प्रभाव छोड़ता है। यह पवित्र राजा का प्रभाव भी दिखाता है। इस मठ में भगवान बुद्ध की एकमूर्ति, दीवार की पेंटिंग्स, पुराने दस्तावेज तथा अन्य एतिहासिक और धार्मिक वस्तुएं रखी गई हैं।

लेह मस्जिद: इसका निर्माण 17वीं सदी में देलदन नामग्याल ने किया था जो अपनी मुस्लिम मां के प्रति एक श्रद्धांजलि थी। तुर्क और इरानी कलाकृति को अपने आप में समेटने वाली यह मस्जिद आज भी मुख्य बाजार में यथावत अपने स्थान पर है।

स्टाक पैलेस म्यूजियम: लेह कस्बे से 17 किमी दूर स्टाक में स्थित इस संग्रहालय में कीमती पत्थर, थंका (लद्दाखी चित्र), पुराने सिक्के, शाही मुकुट तथा अन्य शाही वस्तुएं रखी गई हैं। यह संग्रहालय सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है।

गोम्पा तेस्मो: लेह महल के पास ही स्थित यह गोम्पा भगवान बुद्ध की डबल स्टोरी मूर्ति के लिए जाना जाता है जिसमें भगवान बुद्ध को बैठी हुई मुद्रा में दिखाया गया है। यह भी शाही मठ है। इसके अतिरिक्त लेह के आसपास आलचरी गोम्पा, चोगमलसार, हेमिस गोम्पा, लामायारू, लीकिर गोम्पा, फियांग गोम्पा, शंकर गोम्पा, शे मठ तथा महल, स्पीतुक मठ, स्तकना बौद्ध मंदिर, थिकसे मठ तथा हेमिस नेशनल पार्क भी देखने योग्य हैं जिनको देखने के लिए ही लोग इस कस्बे में आते हैं जो लेह कस्बे से 2 किमी से 60 किमी की दूरी तक हैं।

हेमिस उत्सव: यह जून में मनाया जाता है। यह प्रत्येक वर्ष गुरु पद्मसंभवा, जिनके प्रति लोगों का मानना है कि उन्होंने स्थानीय लोगों को बचाने के लिए दुष्टों से युद्ध किया था, की याद में मनाया जाता है। इस उत्सव की सबसे खास बात मुखौटा नृत्य है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से कई लाख लोग आते हैं।

लोसर: यह प्रति वर्ष बौद्ध वर्ष के ग्यारहवें महीने में मनाया जाता है। यह 15वीं सदी से मनाया जाता है। इसको मनाने के पीछे यही सोच होती है कि युद्ध से पूर्व इसे इसलिए मनाया जाता था क्योंकि न जाने कोई युद्ध में जीवित बचेगा भी या नहीं।

लद्दाख उत्सव: यह प्रत्येक वर्ष अगस्त में मनाया जाता है और इसका आयोजन पर्यटन विभाग की ओर से किया जाता है। इसके दौरान विभिन्न बौद्ध मठों में होने वाले धार्मिक उत्सवों का आनंद पर्यटक उठाते हैं।

करगिल: लद्दाख क्षेत्र का सबसे बड़ा और दूसरा कस्बा करगिल है जो श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच आता है जहां पर दरास, सुरू घाटी, रंगदुम, मुलबेक, जंस्कार, करशा, बुरदान, फुगताल, जोंगखुल आदि स्थान देखने योग्य हैं जो अपनी खूबसूती के लिए प्रसिद्ध हैं। हैं तो यह रहे कुछ आसान नुस्खे

हेल्दी लाइफस्टाइल चाहिए तो अपनाएं नेचरोपथी

सर्दी के मौसम अक्सर लोग गर्म कपड़े पहनने और सावधानियां बरतने के बाद भी मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी, गला खराब, बुखार आदि का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह नेचरोपथी के जरिए अगर आप पोषण से भरपूर डायट खाएं और बैलेंस्ड लाइफस्टाइल जिएं तो सर्दी के मौसम का भी खुलकर आनंद लिया जा सकता है....

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ऑर्गैनिक शहद

ऑर्गैनिक शहद प्रकृति का अमृत है जिसका न सिर्फ स्वाद हमें पसंद आता है बल्कि इसमें विटमिन्स, मिनरल्स और ऐंटिऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं जिससे हमारी इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है और हम सर्दी के मौसम में होने वाली ऐलर्जी से बच जाते हैं।

रक्त साफ करने के लिए सेब का सिरका

सर्दी के मौसम में ऐपल साइडर विनिगर यानी सेब का सिरका भी बेहद फायदेमंद है और यह हेल्थ के साथ ही आपकी ब्यूटी को भी बरकरार रखता है। अगर आपको साइनस की समस्या है तो सेब का सिरका इस समस्या से राहत दिला सकता है। साथ ही ठंड के मौसम में रूखों बालों से परेशान हैं तो सुबह-सुबह पानी के साथ सेब के सिरके का सेवन करें।

ड्राई स्किन के लिए नारियल का तेल

सर्दी के मौसम में एक और सामान्य समस्या है ड्राई स्किन की जो ठंडी हवा चलने की वजह से कई बार पपड़ीदार हो जाती है। ड्राई स्किन का सबसे बेहतर इलाज है नारियल का तेल। ऐंटि-माइक्रोबायल प्रॉपर्टीज से भरपूर नारियल का तेल स्किन को मॉइश्चराइज्ड रखने के साथ ही त्वचा की नमी भी बनाए रखता है जिससे स्किन ड्राई नहीं होती।

शरीर को गर्म रखने के लिए खाएं घी

सर्दी के मौसम में अपनी डायट में ऑर्गैनिक घी को भी शामिल करें। घी, हमारे शरीर को गर्म रखने के साथ ही स्किन की ड्राईनेस की समस्या को भी दूर करकता है।

सर्दी-जुखाम से बचाती है तुलसी की चाय

ठंड के मौसम में अस्थमा के मरीजों की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे लोगों को तुलसी की चाय का सेवन करना चाहिए। तुलसी में मौजूद ऐंटि-बैक्टीरियल गुण अस्थमा से बचाते हैं। साथ ही तुलसी की चाय कलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर हार्ट प्रॉब्लम से भी बचाती है। साथ ही विटमिन, से भरपूर तुलसी, आंखों की रोशनी के लिए भी फायदेमंद है

संपादकीय

'वंदे मातरम' पर रोक क्यों?

संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो गया है। 19 दिसंबर तक जितनी भी बैठकें होंगी, उनमें हंगामा होता रहेगा, नारेबाजी भी की जाएगी, लेकिन संसदीय सौहार्द और सह-अस्तित्व दिखाई नहीं देगा। अब इस स्थिति पर चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह हमारी संसदीय संस्कृति बन चुकी है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), उसके दबाव और तनाव, उसमें निहित राजनीति, बीएलओ की आत्महत्याओं के सच पर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय और मानवीय मुद्दा बन गया है। चुनाव आयोग की हड़बड़ियों और तानाशाह रवैये पर भी संसद के भीतर बहस होनी चाहिए। फिर प्रधानमंत्री या गृहमंत्री बहस में उठाए गए सवालों के जवाब दें। एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर विमर्श बेमानी भी है, क्योंकि सरकार ही स्पष्ट नहीं है कि देश में कितने घुसपैठिए हैं, कहां-कहां हैं, कौन घुसपैठिए हैं? सरकार के पास या तो कोई ठोस डाटा ही नहीं है अथवा वह देश को बताने में हिचक रही है? हमें इस संसद सत्र के संदर्भ में सबसे आपत्तिजनक, असंसदीय और असंवैधानिक यह लगता है कि राज्यसभा ने 'वंदे मातरम्' और 'जयहिंद' सरीखे शब्दों, नारों पर परामर्श जारी किया है। परोक्ष रूप से सांसद सदन के भीतर ये नारे न बोलें। इनके साथ बचाव की मुद्रा के लिए 'थैंक्स', 'थैंक यू' आदि शब्दों पर भी परोक्ष रोक लगाई गई है। संसद के भीतर ऐसी पाबंदीनुमा व्यवस्था की नौबत ही क्यों आई? राज्यसभा सचिवालय का स्पष्टीकरण है कि ऐसा सदन की मर्यादा और गंभीरता के मद्देनजर करना पड़ा। दरअसल यह संवैधानिक उल्लंघन है, क्योंकि 1950 में संविधान सभा ने 'वंदे मातरम्' को 'राष्ट्र-गीत' के तौर पर स्वीकार किया था। आज भी मंत्रिमंडल का शपथ-ग्रहण हो अथवा संसद सत्र की कार्यवाही समाप्त होती है, तो सदन में 'वंदे मातरम्' का गायन बजाया जाता है। यह दीगर है कि सपा के कुछ इस्लामी मानसिकता के सांसद 'वंदे मातरम्' के दौरान ही बहिर्गमन कर जाते हैं। बेशक उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। दरअसल 'वंदे मातरम्' और 'जयहिंद' महज नारे ही नहीं हैं, बल्कि हमारी आजादी की लड़ाई, क्रांतियों, कुर्बानियों के उद्घोष भी हैं। कमोबेश इन उद्घोषों ने ऐसी 'स्वदेशी प्रेरणा' फूंकी थी कि मदनलाल ढींगरा जैसे क्रांतिवीर 'वंदे मातरम्' गाते-गाते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। तिलक और गोखले सरीखे राष्ट्र-नायकों ने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष किया और आजादी के संघर्ष में कूद पड़े। बेशक बंगाल के प्रख्यात लेखक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवंबर, 1875 को इस गीत का सृजन किया, जो तत्कालीन 'बंग दर्शन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। 1882 में बंकिम ने 'आनंद मठ' उपन्यास में इसे संकलित किया। परम आदरणीय गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने 1896 में, कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन के दौरान, इस गीत को गाया। उसके बाद पूरे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत क्रांतिवीरों, सेनानियों के लिए उत्प्रेरक बना रहा। उन्हें संघर्ष का साहस दिया, मातृभूमि की चांदनी रात, फूलों की सुगंध, मलयज वायु और उस भारत माता की रक्षा का दायित्व याद दिलाता रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'वंदे मातरम्' के कुल छह छंदों में से चार को काट देने पर आपत्ति जताई है और सवाल उठाया है। हालांकि यह काटा-छांटी 1937 में की गई थी, जब भारत गुलाम देश था। तब ब्रिटिश दरबार में कांग्रेस की कितनी सुनी जाती थी, यह देश अच्छी तरह जानता है। तर्क दिए गए कि हटाए गए छंदों में देवी दुर्गा, देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती के गुणगान थे, लिहाजा धर्मनिरपेक्षवादियों को आपत्ति थी। शायद संविधान सभा में भी वह आपत्ति काम कर गई, लिहाजा सिर्फ दो छंदों को ही 'राष्ट्र-गीत' के तौर पर मान्यता दी गई। दरअसल बुनियादी सवाल यह है कि क्या संसद के भीतर 'राष्ट्र-गीत' को बोलने पर पाबंदी-सी थोपी जा सकती है? और यदि आप 'वंदे मातरम्' संसद के बाहर नहीं गाएंगे, तो पाकिस्तान चले जाने की धमकी दी जाएगी! यदि 'वंदे मातरम्' कहेंगे, तो 'मुर्दा कौम' करार दिए जाओगे! यह कैसा देश है? कब तक हिंदू-मुसलमान में विभाजित रहेगा यह देश? वंदे मातरम् पर रोक किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

चुनाव आयोग की हड़बड़ियों और तानाशाह रवैये पर भी संसद के भीतर बहस होनी चाहिए। फिर प्रधानमंत्री या गृहमंत्री बहस में उठाए गए सवालों के जवाब दें। एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर विमर्श बेमानी भी है, क्योंकि सरकार ही स्पष्ट नहीं है कि देश में कितने घुसपैठिए हैं, कहां-कहां हैं, कौन घुसपैठिए हैं? सरकार के पास या तो कोई ठोस डाटा ही नहीं है अथवा वह देश को बताने में हिचक रही है? हमें इस संसद सत्र के संदर्भ में सबसे आपत्तिजनक, असंसदीय और असंवैधानिक यह लगता है कि राज्यसभा ने 'वंदे मातरम्' और 'जयहिंद' सरीखे शब्दों, नारों पर परामर्श जारी किया है। परोक्ष रूप से सांसद सदन के भीतर ये नारे न बोलें। इनके साथ बचाव की मुद्रा के लिए 'थैंक्स', 'थैंक यू' आदि शब्दों पर भी परोक्ष रोक लगाई गई है। संसद के भीतर ऐसी पाबंदीनुमा व्यवस्था की नौबत ही क्यों आई? राज्यसभा सचिवालय का स्पष्टीकरण है कि ऐसा सदन की मर्यादा और गंभीरता के मद्देनजर करना पड़ा। दरअसल यह संवैधानिक उल्लंघन है, क्योंकि 1950 में संविधान सभा ने 'वंदे मातरम्' को 'राष्ट्र-गीत' के तौर पर स्वीकार किया था। आज भी मंत्रिमंडल का शपथ-ग्रहण हो अथवा संसद सत्र की कार्यवाही समाप्त होती है, तो सदन में 'वंदे मातरम्' का गायन बजाया जाता है।

विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं

सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है। सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

देश दुनिया से

लाल किला विस्फोट से उठे कुछ सवाल और सबक

नई दिल्ली में हुए कार विस्फोट को कुछ अर्सा बीत चुका है। काफी वक्त बीत चुका और जांच ने रफ़्तार एवं दिशा पकड़ ली है। हमले संबंधी अलग-अलग थ्योरियों को समझाने और खुलासे करने के लिए इतना समय पर्याप्त है। लाल किले के गेट के पास हुआ विस्फोट दहलाने वाला और धृष्टता रोंगटे खड़े करने वाली थी। जो बात एकदम दिमाग में आती है वह यह है कि योजनाएं लंबे समय से बन रही होंगी; प्रोफेशनल्स (अधिकतर डॉक्टर) को इसे अंजाम देने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया गया, और इसमें काफी समय लगता है। उच्च-स्तरीय विस्फोटक बनाने के लिए सामग्री इकट्ठा की गई, आसानी से उपलब्ध कैमिकल से बम बनाने का बढ़िया प्रशिक्षण दिया गया (यह फिल्मों में दिखाए जाने वाले काम जितना आसान नहीं, बल्कि इसके लिए बहुत कौशल चाहिए)। टार्गेट चुने गए, रेकी की गई और एक साथ कई इलाकों में बड़े पैमाने के हमले करने के लिए इस जाल के सब धागों के साथ सामंजस्य स्थापित किया गया। ऐसा लगता है कि इस बार हमारी पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह बेखबर थीं और एक बहुत खतरनाक दुश्मन संगठन के मंसूबों और गतिविधियों को पकड़ नहीं पाईं। यह सिर्फ जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की कारगुजारी रही, जिसने भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट पकड़ा, जिससे आगे चलकर आतंकवादियों के एक जटिल और बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ और दिल्ली एवं अन्य जगहों पर तबाही मचाने की उनकी नापाक योजना का पता चल सका। ऐसा लगता है कि ये आतंकवादी तुर्की और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे थे। गतिविधियों का केंद्र फरीदाबाद स्थित अल फलाह मेडिकल कॉलेज लगता है, और कथित तौर पर इसका उद्गम स्थल कश्मीर है। कतिपय कारणों से, प्रशासन में बैठे लोग जम्मू-कश्मीर से स्थानीय आतंकवादियों का सफाया कर दिए जाने का दावा करते रहते हैं। जाहिर है, इस हमले से उनके दावे की कलई खुल गई और इस सिलसिले में आयेदिन जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, इत्यादि में नए खुलासे, नई धरपकड़ एवं गिरफ्तारियां हो रही हैं। जाहिर है, पकड़े गए लोगों से पूछताछ ही इन हिरासतों और बरामदगी का आधार है। मुझे इस बात की चिंता है कि प्रथम विचार से लेकर लोगों को प्रशिक्षित करने तक, सामग्री खरीदना, टार्गेट चुनना और लोगों एवं सामान की तैनाती, यह एक मुश्किल और समय लेने वाला काम है, जिसे अत्यंत गुपचुप तरीके से अंजाम दिया गया। ज़्यादातर काम पूरे हो चुके थे और आखिरी दांव चलने को था, लेकिन हम बहुत बड़ी तबाही देखने से बच गए... यह हमारी खुशनसीबी रही। हालांकि, यहां गौरतलब कि शुरुआती कामयाबी जम्मू-कश्मीर पुलिस के यत्नों से मिली, जिसने फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा ढूंढ़ निकाला। बढ़िया पुलिस कारगुजारी यही होती है। अगला स्वाभाविक प्रश्न जो साफ तौर पर उठता है वह यह कि : इस किस्म के कितने आतंकी समूह अभी भी सक्रिय हैं? उनकी संरचना और संभावित निशाने क्या हैं? इन कुकृत्यों के असली गुनहगार कौन हैं? उम्मीद है, ये प्रश्न हमारे देश के संबंधित अधिकारियों और संगठनों को चौबीसों घंटे काम करते रहने के लिए प्रेरित करेंगे, क्योंकि दूसरा कोई विकल्प समझ में नहीं आता। आज, जब स्थितियां और भी ज़्यादा नाजुक हैं, तो ऐसे और हमले होने की आशंका हो सकती है। हमें न सिर्फ अंदरूनी तौर पर पैदा हुए आतंकियों पर नज़र रखनी है, बल्कि अपने पड़ोसियों पर भी निगाह रखनी होगी। पाकिस्तानी हमेशा से सक्रिय रहे हैं, और अमेरिकी मदद से उनकी दुम ऊपर को उठी लगती है; हमें याद रखना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर और कुछ दूसरे राज्यों में भी, सतह के ऊपर और भूमिगत रहकर काम करने वाला उनका नेटवर्क हमेशा से रहा है। अखबार उत्तर भारत के राज्यों में हो रही विस्फोटक सामग्री की बरामदगी की खबरों से भरे पड़े हैं। इसमें बांग्लादेश से साथ बनी नई दुश्मनी और उसके साथ हमारी काफी नाजुक और खुली सीमा को जोड़ दें... तो समस्या कई गुना बढ़ जाती है। अब हमें उत्तर-पूर्व में भी अवश्य सावधान रहना होगा। मीडिया में जो नया और हैरान करने वाला फैक्टर सामने आया है, वह है तुर्की की भागीदारी। वह जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थक रहा है, लेकिन यह पहली बार है जब वह आरोप लगा है कि आतंकवादी अपने हैंडलरों से मिलने तुर्की गए थे... इस पर ध्यानपूर्वक नज़र रखने की ज़रूरत है। मैंने जानबूझकर चीनी फैक्टर के बारे में बात करने से परहेज किया है क्योंकि हिमालय की तरह वे पड़ताल से परे और रहस्यमयी हैं, लेकिन निश्चित रूप से यह बात हमारे लिए फायदेमंद नहीं। तो, कुल मिलाकर, जांच अब तक अच्छे नतीजे दे रही है और एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। समय रहते फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी होने से हम एक बड़ी त्रासदी से बच गए हैं। हालांकि, अंदरूनी तौर पर साफ-साफ बोलना होगा, और अपनी कमियों को स्वीकार करना चाहिए। यह केवल उच्चतम राजनीतिक एवं पेशेवर स्तर पर की गई दखल से ही संभव है। देश की सुरक्षा से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं और इसे सुरक्षित रखने के लिए समय पर और बेहतरीन पुलिस कारगुजारी व खुफिया जानकारी से बेहतर कोई तरीका नहीं है। हमारे जैसे जटिल एवं विशाल मुल्क को हमेशा अंदरूनी और बाहरी, दोनों तरफ से, चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इनका सामना राजनयिक और सैन्य, दोनों तरह से मज़बूत बनने से हो पाएगा, क्योंकि सबसे बढ़िया जीत वो होती है जिसके लिए लड़ाई की ज़रूरत न पड़े। सन त्ज़ू ने कहा था : 'अगर आप दुश्मन को जानते हैं और खुद को भी जानते हैं, तो आपको सौ लड़ाइयों के नतीजे से डरने की ज़रूरत नहीं है। अगर आप खुद को जानते हैं लेकिन दुश्मन को नहीं, तो हर जीत के साथ आपको हार भी मिलेगी। अगर आप न तो दुश्मन को जानते हैं और न ही खुद को, तो आप हर लड़ाई में हार जाएंगे'। इस ताकत का केंद्रबिंदु थाना स्तर की बढ़िया पुलिस कारगुजारी और खुफिया जानकारी है, जो हम इकट्ठा कर सकते हैं, यानी कार्रवाई करने को प्राप्त पक्की खुफिया जानकारी। अंदरूनी तौर पर, हमें अपने पुलिस थानों के विशाल नेटवर्क को और मज़बूत करना होगा क्योंकि वे हमारे सुरक्षा तंत्र की धुरी हैं। हमने पंजाब और जम्मू-कश्मीर में देखा है कि आतंकवाद का सबसे अच्छा जवाब एक सक्रिय और प्रेरित पुलिस बल है, क्योंकि वे धरतीपुत्र होते हैं और उन्हें अपने इलाके की भूमिगत गतिविधियों और कारकुनों का बखूबी पता होता है। जरूरत उन्हें प्रेरित करने की है, न कि उन्हें नीचा दिखाने की - यही एक अच्छे नेतृत्व की निशानी है। यदि कड़ी पूछताछ के विदेशी लड़ाके हैं, तो भी उनकी शिनाख्त स्थानीय और पुलिस आसानी से कर लेते हैं, क्योंकि वे अपने इलाके के चप्पे-चप्पे को और स्थानीय लोगों को पहचानते हैं। इसके लिए पुलिस और राजनीतिक नेतृत्व, दोनों के बीच तालमेल बनाने की ज़रूरत है। राष्ट्रीय सुरक्षा की ज़रूरतें सबसे महत्वपूर्ण हैं, और यह आवश्यकता सभी दलों को इस स्थिति का सामना करने के तरीकों पर राष्ट्रीय सहमति कायम करने लायक बनाए।

आप का नजरिया

अब मिशन रिपीट की आंख

कांग्रेस के मिशन रिपीट की शर्त से बंधे पार्टी अध्यक्ष विनय कुमार ने अपनी मंजूषा का पहला परिचय दिया है। तीन साल बाद सत्तारूढ़ दल में इतनी हिम्मत कि अब बात मिशन रिपीट के होठों पर आ गई। यानी सीधे भाजपा के सामने विनय कुमार कांग्रेस की एकजुटता, समर्पण, संकल्प और इरादों का गुंबद खड़ा करना चाह रहे हैं। यह छोटा वक्तव्य नहीं और कांग्रेस बोल रही है, तो इसके अर्थ भाजपा के पन्ना प्रमुख तक पढ़े जाएंगे। देखा यह भी जाएगा कि हिमाचल कांग्रेस में ऐसी कौनसी शक्ति पराक्रम करेगी, जो हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार के चुनावों में संभव नहीं हुआ। बड़ा अंतर यह भी है कि हिमाचल हिंदुत्ववादी धाराओं से अछूत रहा है और जब बाबरी विध्वंस की गाज में शांता कुमार सरकार गिरी थी, तो फिर इसी मुद्दे पर जनता ने लौटाई नहीं थी, लेकिन अब प्रदेश की मानसिकता को बदलने का प्रयास बढ़ गया है। अब हिमाचल में भी मस्जिद के विवाद, कानून व्यवस्था की परिक्रमा करने लगे हैं। आश्चर्य यह कि अपने मॉर्निंग वाक के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अगर बच्चों से बतियाते आदाब और अदब पर अनौपचारिक मंथन करते हैं, तो विपक्ष की चर्चा राधे-राधे पर पहुंच जाती है। एक तथाकथित कथावाचक अपनी जमात टटोलता हुआ मुद्दे का सिरा पकड़ लेता है, तो टीवी के हुजूरिया चैनल वैमनस्य की दूरबीन से यह खोजने में लग जाते हैं कि हिमाचल के मुख्यमंत्री ने बच्चों के राधे-राधे को गलत पकड़ लिया। बहरहाल, चिट्टे के खिलाफ रैली में सरकार ने सनातन का मंत्रोच्चारण करके अपनी स्थिति स्पष्ट की, लेकिन भाजपा के प्रचार तंत्र के पांव रोकना कांग्रेस की सत्ता और सत्ता के बीच पार्टी के लिए इतना भी आसान नहीं। ऐसे में मिशन रिपीट का सियासी कारखाना खोलना पड़ेगा। मिशन रिपीट के बुर्ज लांघने पड़ेंगे या इस कवायद के संदर्भ बदलने होंगे। पार्टी और सरकार के बीच सामंजस्य की भाषा, परस्पर सहयोग, भाजपा से आगे निकलने की वचनबद्धता और सुशासन की बागडोर दिखानी पड़ेगी। चुनावी प्रचार में अक्सर पार्टियां ज्यादा बोलती हैं, लेकिन सरकारें हाथी के दांत पहन लेती हैं। बेशक सुक्खू सरकार ने आते ही ओपीएस के झंडे बुलंद किए, लेकिन कर्मचारी रेलगाड़ी फायदों की पटरी पर चुनाव आते-आते बैलगाड़ी बन जाती है। कांग्रेस पार्टी और सरकार को अपने राजनीतिक खर्च का नया संतुलन बनाना पड़ेगा, क्योंकि पिछले दशकों में 'मिशन रिपीट' पूरे प्रदेश के गले की फांस बन गया है। बजट की सारी मशालें या तो कर्मचारी वर्ग को रोशनी दिखाते हुए जल जाती हैं या विकास के मॉडल में राज्य का बजट ही जाया हो जाता है। बेशक सुक्खू सरकार ने अभिनव प्रयोगों की ढाल पर कुछ कड़वे और कारगर फैसले लिए, लेकिन गारंटियों के चुंबक ने कुछ कीलें चिपका ली हैं। गारंटियों का ब्रह्मास्त्र अभी बाकी है और यह चुनाव की अग्निपरीक्षा का एक संकेत है, जिसे सरकार बड़ी बारीकी से पेश कर सकती है। जाहिर है पार्टी की एकता का सबसे बड़ा सबूत सरकार की नीतियों-कार्यक्रमों का व्यापक व प्रभावशाली ढंग से प्रचार करना है। यहां सीधी टक्कर केंद्र बनाम हिमाचल है, तो यह बताना पड़ेगा कि आपदा राहत के मुखौटे कितने फरेबी हैं। यह पार्टी की जनांदोलन क्षमता व संघर्ष की तासीर से ही संभव होगा। प्रदेश हित के मुद्दे, आत्मनिर्भरता के प्रयासों में केंद्र की रुकावटों का जिक्र जलाधिकारों तक होगा, शानन विद्युत परियोजना के अधिकार पर हिमाचल से हो रहे भेदभाव पर कांग्रेस को अपनी पारी जमानी होगी। धर्मशाला में चार दिसंबर की विरोध यात्रा में भाजपा की तैयारियों व ताकत का अगर जवाब विनय कुमार की कांग्रेस दे पाए, तो प्रदेश से सरकार से सही-सही मुलाकात मंडी की जनसभा में होगी। सत्तापक्ष ने फिलहाल शीतकालीन सत्र के दौरान फ्लोर व आउटडोर प्रबंधन में भाजपा को चकमा जरूर दिया है।

तीन साल बाद सत्तारूढ़ दल में इतनी हिम्मत कि अब बात मिशन रिपीट के होठों पर आ गई। यानी सीधे भाजपा के सामने विनय कुमार कांग्रेस की एकजुटता, समर्पण, संकल्प और इरादों का गुंबद खड़ा करना चाह रहे हैं। यह छोटा वक्तव्य नहीं और कांग्रेस बोल रही है, तो इसके अर्थ भाजपा के पन्ना प्रमुख तक पढ़े जाएंगे। देखा यह भी जाएगा कि हिमाचल कांग्रेस में ऐसी कौनसी शक्ति पराक्रम करेगी, जो हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार के चुनावों में संभव नहीं हुआ। बड़ा अंतर यह भी है कि हिमाचल हिंदुत्ववादी धाराओं से अछूत रहा है और जब बाबरी विध्वंस की गाज में शांता कुमार सरकार गिरी थी, तो फिर इसी मुद्दे पर जनता ने लौटाई नहीं थी, लेकिन अब प्रदेश की मानसिकता को बदलने का प्रयास बढ़ गया है। अब हिमाचल में भी मस्जिद के विवाद, कानून व्यवस्था की परिक्रमा करने लगे हैं। आश्चर्य यह कि अपने मॉर्निंग वाक के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अगर बच्चों से बतियाते आदाब और अदब पर अनौपचारिक मंथन करते हैं, तो विपक्ष की चर्चा राधे-राधे पर पहुंच जाती है। एक तथाकथित कथावाचक अपनी जमात टटोलता हुआ मुद्दे का सिरा पकड़ लेता है, तो टीवी के हुजूरिया चैनल वैमनस्य की दूरबीन से यह खोजने में लग जाते हैं कि हिमाचल के मुख्यमंत्री ने बच्चों के राधे-राधे को गलत पकड़ लिया। बहरहाल, चिट्टे के खिलाफ रैली में सरकार ने सनातन का मंत्रोच्चारण करके अपनी स्थिति स्पष्ट की, लेकिन भाजपा के प्रचार तंत्र के पांव रोकना कांग्रेस की सत्ता और सत्ता के बीच पार्टी के लिए इतना भी आसान नहीं।

कुछ अलग

संतों की शरण

एक गांव में एक ठाकुर थे। उनके कुटुम्ब में कोई आदमी नहीं बचा, केवल एक लडक़ा रह गया। वह एक ठाकुर के घर काम करने लग गया। रोजाना सुबह वह बछड़े चराने जाता था और लौटकर आता तो रोटी खा लेता था। ऐसे समय बीतता गया। एक दिन दोपहर के समय वह बछड़े चराकर आया तो ठाकुर की नौकरानी ने उसको ठंडी रोटी खाने के लिए दे दी। उसने कहा कि थोड़ी-सी छाछ या राबड़ी मिल जाए तो ठीक है। नौकरानी ने कहा कि जा-जा, तेरे लिए बनायी है राबड़ी! जा, ऐसे ही खा ले, नहीं तो तेरी मरजी! उस लडक़े के मन में गुस्सा आया कि मैं धूप में बछड़े चराकर आया हूं, भूखा हूं, पर मेरे को बाजरे की रूखी रोटी दे दी, राबड़ी मांगी तो तिरस्कार कर दिया! वह भूखा ही वहां से चला गया। गांव के पास में एक शहर था। उस शहर में संतों की एक मण्डली आयी हुई थी। वह लडक़ा वहां चला गया। सन्तों ने उसको भोजन कराया और पूछा कि तेरे परिवार में कौन है? उसने कहा कि कोई नहीं है तो सन्तों ने कहा कि तू साधु बन जा। लडक़ा साधु बन गया। फिर वह पढने के लिए काशी चला गया। वहां पढक़र वह विद्वान् हो गया। फिर समय पाकर वह मण्डलेश्वर (महन्त) बन गया। मण्डलेश्वर बनने के बाद एक दिन उनको उसी शहर में आने का निमन्त्रण मिला। वे अपनी मण्डली को लेकर वहां आए। जिनके यहां वे बचपन में काम करते थे, वे ठाकुर बूढ़े हो गए थे। ठाकुर उनके पास गए, उनका सत्संग किया और प्रार्थना की कि महाराज! एक बार हमारी कुटिया में पधारो, जिससे हमारी कुटिया पवित्र हो जाए! मण्डलेश्वर जी ने उनका निमन्त्रण स्वीकार कर लिया।

दृष्टि कोण

जंगलों की आग को कैसे नियंत्रित करें

जंगल धरती के फेफड़े हैं। जिंदा रहने के लिए तीन सबसे पहली जरूरतों- सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पानी और भोजन उपलब्ध करवाने में जंगलों की मुख्य भूमिका है। जंगलों में पेड़ कार्बनडाईआक्साइड खाकर शुद्ध ऑक्सीजन छोड़ कर हमारे लिए प्राण वायु का प्रबंध करते हैं, बारिश लाने से लेकर बारिश के पानी को अपनी जड़ों में समेट कर मिट्टी के अन्दर भूजल भंडारण करते हैं। मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने में पत्तियों की खाद देकर योगदान करते हैं। जंगली कंद मूल फल देकर वैकल्पिक भोजन व्यवस्था करते हैं। और जलवायु नियंत्रण करके पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखते हैं। अर्थात जंगलों के बिना मनुष्य जाति का जिन्दा रहना संभव नहीं है, हालांकि मनुष्य के न रहने पर भी जंगल की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं होगा, बल्कि जंगल और अच्छा पनपेगा क्योंकि इस समय जंगलों के विनाश में मनुष्य समाज की ही भूमिका सबसे ज्यादा है। जंगलों में आग लगने के कारण मुख्यतः निम्न हैं : कृषि-बागवानी का अंधाधुंध प्रसार, व्यापारिक स्वार्थ, जंगल और घासनी में टकराव, घास के क्षेत्र बनाए रखने के लिए आग से वृक्षों के उगने को रोकना पुराना तरीका रहा है, और एकल प्रजाति के चीड़ आदि रोपण। चीड़ की पत्तियां ज्वलनशील होती हैं जिनमें बिरोजे के अंश होते हैं, इसलिए जल्दी आग पकड़ लेती हैं। इसलिए मिश्रित प्रजातियों के मिश्रित वन तैयार किए जाने चाहिए जो आजीविका के भी बेहतर आधार हो सकते हैं। साथ ही उनमें आग लगने की संभावना भी कम रहती है। जंगलों में अनुपयोगी विदेशी खरपतवार उन्मूलन करके घास उत्पादन को बढ़ाना चाहिए ताकि चारागाह विस्तार की जरूरत ही कम हो जाए। ऐसे निहित स्वार्थों पर सख्त रोक लगनी चाहिए जो आग लगा कर पेड़ सूख जाने पर व्यापार के लिए पेड़ प्राप्त करने के चक्कर में रहते हैं। वन आधारित आजीविका में वृद्धि के प्रयास करने चाहिए जिससे स्थानीय लोग स्वयं आग न लगाने और न लगने देने में सक्रिय हो सकते हैं। स्थानीय समाज को वनों में आग नियंत्रण के लिए भागीदार बनाए जाने की

जरूरत है, जिसके लिए सामाजिक वानिकी, और ग्राम वन विकास का काम किया जाना चाहिए। लोग जुड़ेंगे तो वनों का महत्व भी समझेंगे। वर्तमान वन अधिकार कानून इस दिशा में बढने के लिए पर्याप्त कानूनी आधार प्रदान करता है, किन्तु सरकारें और वन विभाग इस कानून के क्रियान्वयन में आनाकानी वाला रुख ही अपनाए हुए हैं। इस कानून को योजनाबद्ध तरीके से लागू करने की जरूरत है। विशेषकर सामुदायिक अधिकारों और वन संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े प्रावधानों को बेझिझक लागू किया जाना चाहिए। वनों की आग को नियंत्रित करने के तरीके भी अभी तक पिछली शताब्दी वाले ही बने हुए हैं। झाडियों से पीट कर आग बुझाने का जमाना लद चुका है। आज का आदमी तकनीकी सहायता के बिना काम करने का आदी नहीं रहा है, न ही वह पहले जैसा कठिन श्रम करने का आदी रहा है। इसलिए आधुनिक उपकरण और मशीनी सहयोग प्रदान करना जरूरी है। गत वर्षों में जिसके अभाव में वनों में आग बुझाते हुए कई वन कर्मियों की दुखद मौत भी हो चुकी है। वर्तमान में सादे और उन्नत दोनों तरह के उपकरण आग बुझाने वाले वन सेवकों और उनके स्थानीय सहयोगियों को दिए जाने चाहिए, जिसमें आग को पीट कर बुझाने के लिए एक टिकाऊ झाड़ू, झागदार स्प्रे, और स्प्रे करने के लिए उच्च दबाव वाला पंप, झाग बनाने के लिए पानी में डिटर्जेंट मिलाया जाता है। इससे थोड़े पानी से ज्यादा प्रभाव हो सकता है। दस्ताने, अग्निरोधी बूट, फस्ट एड बॉक्स, और आग बुझाने वाले कार्बन डाईआक्साइड वाले सुधरे यंत्र दिए जाने चाहिए।

महज तीन साल की उम्र में मासूम को मजबूर किया शादी के लिए

टेक्सास, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

एक धार्मिक पंथ में मात्र तीन साल की मासूम सेरेना केली को क्रूर प्रथा के नाम पर अपने दादा से शादी के लिए मजबूर किया गया। इस मासूम का जन्म 'चिल्ड्रन ऑफ गॉड' नामक कुख्यात पंथ में हुआ था। यह पंथ अपने यौन शोषण, दुर्व्यवहार और विचित्र नियमों के लिए कुख्यात था, जहां बच्चों का बचपन बुरी तरह से कुचला जाता था। पंथ के सिद्धांतों और संस्थापक की अंधेरगर्दी का सबसे भयानक उदाहरण तब सामने आया जब सेरेना केली को महज तीन साल की छोटी उम्र में सफेद कपड़े पहनाकर पंथ के संस्थापक और उपदेशक, डेविड बर्ग से शादी करने के लिए मजबूर किया गया। यह क्रूर विवाह तब हुआ, जब बर्ग (जो खुद को पंथ के सदस्यों का दादा जी कहलवाता था) की उम्र सेरेना से 65 साल ज्यादा थी। सेरेना ने खुद इस चौंकाने वाली कहानी को शेयर किया।

बता दें कि सेरेना का जन्म डेविड बर्ग के ही घर में हुआ था, क्योंकि बर्ग ने पहले ही उसकी बड़ी बहन को अपनी चुनी हुई संतान के रूप में ले लिया था। जब बर्ग को पता चला कि सेरेना की मां फिर से गर्भवती है, तो उसने फैसला किया कि वह सेरेना को भी अपने संरक्षण में लेगा। बर्ग अपने अनुयायियों को बताता था कि ईश्वर ही प्रेम है और प्रेम की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए, चाहे वह उम्र या रिश्ते की परवाह किए बिना हो। ऐसे में सेरेना के गर्भ में होने के दौरान ही बर्ग ने उसे अपने साथ लेने और उसके बचपन को पंथ के प्रकाशनों में दर्ज करने का निर्णय लिया था। ये प्रकाशन दुनिया भर में अनुयायियों को भेजे जाते थे, ताकि यह दिखाया जा सके कि जब किसी बच्चे का पालन-पोषण 'सही तरीके' से किया जाता है, तो क्या हासिल किया जा सकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सेरेना ने बताया, 'बर्ग का मानना था कि बच्चों को उनकी बहुत कम उम्र में ही यौन रूप से जागृत किया जाना चाहिए।' यही कारण था कि जब सेरेना केवल तीन साल की थी, तो उसकी मां ने उसे बर्ग की पत्नी बनने के लिए सौंप दिया। सेरेना ने समझाया, 'उसने मुझे एक अंगूठी दी और हमारी पूरी औपचारिक रस्म हुई। पंथ में इसे एक बहुत बड़ा सम्मान माना जाता था। हर कोई इसे लेकर बहुत उत्साहित था।' सेरेना उन पलों को याद करते हुए बताती हैं, 'मैं मुश्किल से तीन साल की थी और मुझे गुड़िया दी गई। मुझे याद है कि वह मेरे लिए बहुत खास था, क्योंकि पंथ में हमें कभी ज्यादा खिलौने नहीं मिलते थे।' जैसे-जैसे सेरेना बड़ी होती गई, वह गंदे माहौल से घिरी रहीं। लोग बिना कपड़ों के होते थे। उसने 'अनफिल्टर्ड स्टोरीज' को बताया कि यह सब डेविड बर्ग की 'रणनीति' का हिस्सा था, जिसके माध्यम से वह बच्चों को अपने गलत इरादों के लिए तैयार करता था। सेरेना ने कहा कि छोटी सी उम्र में ही गलत तरीके से छुआ जाता था। लेकिन कोई कुछ नहीं कहता, सबको लगता था कि सेरेना को पंथ के लीडर के लिए ही बनाया गया है। हालांकि, इन तमाम एक्सपीरिएंस के बाद सेरेना कई देशों में पंथ के काम से गईं, जिसमें अमेरिका, जापान से लेकर ब्राजील तक शामिल थे। 1989 में 6 साल की उम्र में जब वो ब्राजील गईं, उसके बाद वो पंथ प्रधान से नहीं मिलीं। वहीं, पांच साल बाद ही बर्ग की मौत हो गई। इसके बाद वो कई सालों तक दूसरे देशों में जाती रहीं। फिर 18 साल की उम्र में वो अपनी मां के साथ अमेरिका चली गईं और पंथ से दूर हो गईं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में पीटीआई का विरोध प्रदर्शन, धारा 144 लागू

इस्लामाबाद। पिछली कुछ समय से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता चरम पर बनी हुई है। इसी बीच पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई प्रमुख इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच इस्लामाबाद हाईकोर्ट और अदियाला जेल के बाहर बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि चार सप्ताह से न तो इमरान खान से कोई संपर्क हो पा रहा है, न ही उनकी परिवार से मुलाकात की अनुमति दी जा रही है। इसी तनावपूर्ण माहौल के बीच इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 1 से 3 दिसंबर तक धारा 144 लागू की गई है। प्रशासन के मुताबिक भीड़ और उपद्रव के खतरे को देखते हुए यह कदम सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जरूरी है। पीटीआई नेता असद कैसर ने बताया कि विपक्षी सांसद आईएचसी के बाहर इकट्ठा होकर अदियाला जेल की ओर मार्च करेंगे। पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अदालत के आदेश लागू नहीं किए जा रहे और जेल प्रशासन जानबूझकर मुलाकातों में बाधा डाल रहा है। उधर जेल प्रशासन का कहना है कि इमरान खान पूरी तरह सुरक्षित हैं और स्वास्थ्य संबंधी सभी अफवाहें निराधार हैं। यहां बताते चलें कि अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान पर कई मामले दर्ज हैं और वहीं दूसरी तरफ पीटीआई, सरकार से उनके हालात पर स्पष्ट बयान की मांग कर रही है। ऐसे हालात में लगातार बढ़ते तनाव और अफवाहों ने आसिम मुनीर के नेतृत्व में सेना और सरकार पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

शेख हसीना को अब किस मामले में अदालत ने ठहराया दोषी, क्या है प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं का मामला

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को एक बार फिर विशेष अदालत ने कानूनी झटका दे दिया है। अदालत ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में उन्हें दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। यहां बताते चलें कि जमीन घोटाला मामले में विशेष अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी करार दिया है। शेख हसीना, शेख रेहाना (हसीना की बहन), तुलिप रिजवाना सिद्दीक (शेख रेहाना की बेटी व ब्रिटिश सांसद)। ये तीनों राजुक (राजुक) द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में दोषी ठहराए गए है। क्या है पूरा मामला मामला पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट से जुड़ा है, जो ढाका के पास राजुक द्वारा विकसित एक बड़ा आवासीय प्रोजेक्ट है। इस मामले में आरोप था कि हसीना और उनके परिवार ने अपने प्रभाव का उपयोग करके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट में प्लॉट अवैध तरीके से हासिल किए। मामला कई सालों से जांच में था, और हाल ही में गवाही व दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद अदालत ने इस मामले में फैसला सुनाया। राजधानी ढाका की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया और तीनों आरोपियों को दोषी मना। अदालत ने कारावास की सजा सुनाई, इसकी अवधि को लेकर आधिकारिक बयान आना बाकी है। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। उनके खिलाफ विभिन्न आर्थिक और प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले चल रहे हैं।

कपड़े उतारकर लेटिए, ढक्कन बंद करिए आप कपड़ों की तरह हो जाएंगे साफ

टोक्यो । सर्दियों में ठंड की वजह से नहाने में आलस आता है। ठंड में रजाई में दबे रहने का मन करता है, लेकिन अब ठंड में नहाने से डर नहीं लगेगा, क्योंकि एक बार फिर जापान ने साबित कर दिया है कि वह हर समस्या का हल निकाल लेते हैं। अब जापान ने इंसान को नहलाने वाली वॉशिंग मशीन तैयार की है, जिसे देखकर आप तुरंत कपड़े उतारकर इसके अंदर लेटना पसंद करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ऐसी मशीन है कि इसमें नहाने से आप खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस अनोखी मशीन का नाम 'ह्यूमन वॉशिंग मशीन' है। इसमें व्यक्ति लेटता है, ढक्कन बंद करता है और फिर मशीन उसे कपड़ों की तरह साफ-सुथरा कर देती है, बिना स्पिन के। साथ में मनपसंद म्यूजिक भी सुन सकते हैं। यह मशीन इस साल ओसाका में हुए वर्ल्ड एक्सपो में डिस्प्ले की गई थी। 6 महीने तक चले इस एक्सपो में 2.7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने इस देखा। बता दें जापान की एक कंपनी ने इंसान को नहलाने वाली वॉशिंग मशीन तैयार की है। कंपनी की प्रवक्ता ने बताया कि इसका प्रोटोटाइप 1970 में भी ओसाका एक्सपो में दिखाया गया था। उस समय कंपनी के मौजूदा प्रेसिडेंट सिर्फ 10 साल के थे। उसी मशीन को देखकर उन्होंने सपना देखा था कि एक दिन वे इसे और बेहतर बनाएंगे। अब 55 साल बाद उनका सपना पूरा हुआ ।

मुनीर के सीडीएफ बनाने को लेकर पाकिस्तानी सेना में घमासान, गुस्से में विदेश चले गए शहबाज

इस्लामाबाद, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान इन दिनों अपने इतिहास के सबसे गंभीर संवैधानिक और संस्थागत संकट से जूझ रहा है। मौजूदा सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का तीन साल का मूल कार्यकाल 29 नवंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अब तक उन्हें देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएफ) के रूप में नियुक्त करने वाली अधिसूचना पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। इसके लिए वे जानबूझकर विदेश में डेरा डाले हुए हैं।

सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ और भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य तिलक देवाशेर ने बताया कि जैसे ही 29 नवंबर की तारीख नजदीक आई, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले बहरीन और फिर लंदन चले गए। उनका इरादा साफ है – वे आसिम मुनीर को पांच साल का विस्तार देने वाली अधिसूचना पर हस्ताक्षर करने से बचना चाहते हैं। यह रणनीति इतनी स्पष्ट है कि पाकिस्तानी राजनीतिक हलकों में इसे खुली बगावत की तरह देखा जा रहा है। अधिसूचना नहीं जारी होने से पाकिस्तान में अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। तकनीकी रूप से 29 नवंबर के बाद देश के पास कोई वैधानिक सेना प्रमुख नहीं है। सबसे गंभीर बात यह है कि न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी भी फिलहाल बिना प्रमुख के है, क्योंकि नया 'स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड' ढांचा भी इसी अधिसूचना से जुड़ा हुआ था। एक परमाणु हथियार संपन्न देश के लिए यह स्थिति न सिर्फ विचित्र, बल्कि बेहद खतरनाक है।

2024 में पारित पाकिस्तान आर्मी एक्ट संशोधन के अनुसार अब सेना प्रमुख का कार्यकाल सीडीएफ के बराबर यानी पांच साल होगा। लेकिन कानूनी विशेषज्ञ इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या इसके लिए नई अधिसूचना अनिवार्य है या पुराना संशोधन अपने आप लागू हो गया। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि संशोधन में शामिल 'डीम्ड क्लॉज' के कारण आसिम मुनीर का कार्यकाल अपने आप पांच साल का हो गया है और उन्हें दो साल का स्वत: विस्तार मिल चुका है। वहीं दूसरी राय यह है कि बिना प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर वाली नई अधिसूचना के यह प्रावधान लागू नहीं हो सकता। यह विवाद अब अदालत तक जाने की संभावना रखता है।

सूत्रों के मुताबिक, सेना मुख्यालय रावलपिंडी में इन दिनों असामान्य हलचल है। कई वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल नए सेना प्रमुख बनने या नवसृजित दो चार-सितारा पदों पर नियुक्ति की दौड़ में सक्रिय हो गए हैं। यदि अधिसूचना जल्द जारी नहीं हुई तो सेना के अंदर खुला सत्ता संघर्ष शुरू होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की लंबी विदेश यात्रा ने इस संकट को और गहरा दिया है। तिलक देवाशेर ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति ज्यादा दिन नहीं चल सकती। एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बिना सेना प्रमुख और न्यूक्लियर कमांड चेन के नहीं चलाया जा सकता। सरकार की चुप्पी और अधिसूचना पर स्पष्ट बयानबाजी न होने से अटकलें तेज हो गई हैं। हर गुजरता दिन पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य ढांचे में अस्थिरता को बढ़ा रहा है। फिलहाल पूरे देश की नजर इस बात पर टिकी है कि प्रधानमंत्री लंदन से कब लौटते हैं और आसिम मुनीर का भविष्य तय करने के लिए अधिसूचना पर हस्ताक्षर करते हैं या नहीं।

ताबूत के अंदर से जीवित निकली थाइलैंड की एक महिला

बैंकॉक। थाईलैंड में 65 वर्षीय महिला चोनथिरोत को परिवार ने मृत मानकर ताबूत में रख दिया था। इतना ही नहीं, अंतिम संस्कार की पूरी तैयारी हो चुकी थी, ठीक उसी वक्त ताबूत के अंदर से अचानक खट-खट की आवाज आने लगी। थाईलैंड के उत्तरी इलाके फित्सानुलोक में रहने वाली चोनथिरोत दो साल से बिस्तर पर बीमार थीं। 23 नवंबर की सुबह परिवार ने देखा कि उनकी सांसें चल नहीं रहीं। स्थानीय परंपरा के अनुसार डॉक्टर और अधिकारियों को बुलाया गया, जिन्होंने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके छोटे भाई ने आधिकारिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर भी कर दिए। परिवार ने समझ लिया कि उनकी बहन शांति से दुनिया छोड़ चुकी हैं। गरीबी के कारण परिवार ने उन्हें एक ऐसे मंदिर में अंतिम संस्कार के लिए ले जाने का फैसला किया, जहां गरीबों के लिए मुफ्त संस्कार किया जाता है। इसके लिए उन्होंने करीब चार घंटे की लंबी यात्रा तय की। ताबूत को एक पिकअप ट्रक में रखा गया था। लेकिन जैसे ही ट्रक मंदिर पहुंचा और ताबूत को उतारा गया, तभी एक कर्मचारी को अंदर से हल्की-सी ठक-ठक की आवाज सुनाई दी। सभी हैरान रह गए। कर्मचारी ने तुरंत कपड़ा हटाकर ताबूत का ढक्कन खोला तो देखा कि चोनथिरोत धीमी सांसें ले रही थीं और हल्का-हल्का सिर हिला रही थीं। यह पल वहां मौजूद हर व्यक्ति के लिए किसी जीवित चमत्कार से कम नहीं था। कर्मचारी ने कहा, 'ऐसा दृश्य मैंने पहले कभी नहीं देखा... वह सचमुच जीवित थीं।' तुरंत एम्बुलेंस बुलाई गई और उन्हें बैंकॉक के बंग याई अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भारतीय-अमेरिकी साइंटिस्ट के सम्मान में मस्क ने बेटे का नाम रखा शेखर

वाशिंगटन, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पॉडकास्ट में टेस्ला मालिक ने खोला राज- पार्टनर शिवॉन भारतीय मूल से जुड़ी हैं

जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट में एलन मस्क ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलासा किया जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस भारतीय मूल से जुड़ी हैं और उनके एक बेटे का मिडिल नेम 'शेखर' रखा है, जो नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर को सम्मान देने के लिए चुना गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पॉडकास्ट में एलन मस्क ने सहज अंदाज में कहा कि बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि शिवॉन जिलिस आधी भारतीय हैं। उन्होंने बताया कि उनके एक बेटे का पूरा नाम चंद्रशेखर के सम्मान में रखा गया है। कामथ ने तुरंत हैरानी जताई कि उन्हें शिवॉन की भारतीय जड़ों के बारे में पता ही नहीं था। मस्क ने बताया कि शिवॉन को बचपन में ही गोद ले लिया गया था। उनके पिता संभवत: किसी विश्वविद्यालय में पढ़ने आए विदेशी छात्र थे। शिवॉन कनाडा में पली-बढ़ीं और आगे चलकर येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में पढ़ाई की। आज वह मस्क की ब्रेन-टेक कंपनी न्यूरालिंक में ऑपरेशन्स और स्पेशल प्रोजेक्ट्स की निदेशक हैं। इससे पहले वह ओपनएआई और टेस्ला दोनों के साथ अहम भूमिकाओं में काम कर चुकी हैं। एलन मस्क और शिवॉन के चार बच्चे हैं। जुड़वां स्ट्राइडर और अजूर, बेटी आर्केडिया और बेटा सेल्डन लिकरगस। मस्क ने कहा कि परिवार और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना चुनौती जरूर है, लेकिन दोनों साथ मिलकर इसे संभालते हैं। यह नाम भारतीय-अमेरिकी साइंटिस्ट सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के सम्मान में चुना गया। वही चंद्रशेखर जिन्हें तारों की संरचना पर ऐतिहासिक रिसर्च के लिए 1983 का नोबेल पुरस्कार मिला था। मस्क विज्ञान और वैज्ञानिकों को लेकर गहरा सम्मान रखते हैं और चंद्रशेखर का प्रभाव उनकी सोच पर साफ दिखता है। मस्क ने कहा कि अमेरिका ने दशकों तक भारतीय प्रतिभा से असाधारण लाभ उठाया है।

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में दो नावें अमेजन नदी में डूबी, 12 की मौत

लीमा। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में अमेजन नदी के पास सोमवार को अचानक भूस्खलन होने दो नावें आपस में टकराने के बाद डूब गईं। इस हादसे में कम से कम तीन बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। यह हादसा नदी के तटीय उकायाली क्षेत्र में हुआ। ग्राउंड न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से संचालित एक समाचार एजेंसी ने कहा कि पेरू के पुलिस विभाग ने इसकी पुष्टि की है। इन दो यात्री नावों में चिकित्सक और कई आदिवासी परिवार सवार थे। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग लापता हैं। पेरू के राष्ट्रीय आपात केंद्र ने कहा कि राहत और बचाव अभियान में हेलिकॉप्टर को शामिल किया है।

पाकिस्तान में नवंबर में आतंकी हमले बढ़े जवाबी कार्रवाई में 292 लोग मारे गए-रिपोर्ट

इस्लामाबाद, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान को साल का गुजर चुका महीना नवंबर गहरे जख्म दे गया। इस माह सारे देश में आतंकी हमले बढ़े। हमलावरों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई 292 लोग मारे गए। इस्लामाबाद के थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज़ (पीआईसीएसएस) ने मासिक रिपोर्ट में आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।

डान अखबार ने अपनी रिपोर्ट में पीआईसीएसएस के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। विश्लेषण के अनुसार, नवंबर में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। इस दौरान आम लोगों की मौत में 80 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी और सुरक्षा बलों के नुकसान में 65 फीसद की कमी देखी गई।

थिंक टैंक ने अपनी नवीनतम मासिक रिपोर्ट में कहा कि नवंबर में देश भर में सरकार विरोधी हिंसा और सुरक्षा बलों के जवाबी कदमों में 292 लोग मारे गए और 164 घायल हुए।

पीआईसीएसएस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पुराने हमलों से सबक लेते हुए नवंबर में अधिक सोच-समझकर कार्रवाई की। इससे उसके नुकसान में भारी कमी आई। अक्टूबर में सुरक्षा बलों के 72 जवान और अधिकारी मारे गए थे। नवंबर में यह संख्या घटकर 25 हो गई यानी लगभग 65 फीसद की कमी आई। हालांकि, आम लोगों की मौतें 80 फीसद बढ़ गईं। अक्टूबर में 30 लोगों की मौत हुई थी। नवंबर में यह संख्या बढ़कर 54 हो गईं।

थिंक टैंक ने दावा किया कि नवंबर में मारे गए कुल 292 में लोगों से 206 आतंकवादी हैं। इस दौरान आतंकवाद ने सरकार समर्थक शांति समितियों के सात सदस्यों की भी जान ले ली। घायलों में 83 सुरक्षा बल के जवान, 67 आम लोग, 10 विद्रोही और चार शांति समितियों के सदस्य शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में नवंबर में 97 आतंकी हमले हुए। अक्टूबर यह संख्या 89 थी। नवंबर में खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा अशांत रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में चार आत्मघाती बम धमाके हुए। अक्टूबर में सिर्फ एक आत्मघाती बम धमाका हुआ था। ।इन हमलों में 31 लोग मारे गए। इस साल के 11 महीनों में 24 आत्मघाती हमले हुए। थिंक टैंक के अनुसार, कुल मिलाकर, 2025 के पहले 11 महीने बहुत ज्यादा खूनी रहे हैं। जनवरी और नवंबर 2025 के बीच लड़ाई में कुल 3,144 लोगों की जान गई। इसमें लोगों के आपसी लड़ाई-झगड़े भी शामिल हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा वेंटिलेटर पर, सरकार ने वीवीआईपी घोषित किया

ढाका, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। अस्सी वर्षीय खालिदा को राजधानी के एवरकेयर अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया है। देश की अंतरिम सरकार ने उनके स्वास्थ्य की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें वीवीआईपी (अति-अति महत्वपूर्ण व्यक्ति) घोषित किया है।

उन्हें विशेष सुरक्षा बल प्रदान किया गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक संदेश में खालिदा जिया के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। इस बीच ऐसे संकेत मिले हैं कि लंदन में रह रहे उनके बेटे तारिक रहमान ने स्वदेश लौटने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने सोमवार को कहा कि कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जल्द ही देश लौट आएंगे। उन्होंने यह जानकारी रात को गुलशन में खालिदा जिया के ऑफिस में हुई बैठक के बाद पत्रकारों को दी।

इस बीच भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने बेगम खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर गहरी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'मैं बेगम खालिदा जिया की सेहत के बारे में जानकर बहुत परेशान हूं। हमारी सच्ची दुआएं और शुभकामनाएं उनके जल्दी ठीक होने के लिए हैं। भारत हर तरह से मदद करने के लिए तैयार है, जिस तरह से हम कर सकते हैं।' भारतीय प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया है जब खालिदा ज़िया का एडवांस्ड मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सरकार ने रात को एक अधिसूचना जारी की है। इस पर मुख्य सलाहकार के कार्यालय में महानिदेशक (प्रशासन) मोहम्मद अब्दुल वदूद चौधरी ने राष्ट्रपति के निर्देश के बाद आदेश पर हस्ताक्षर किए। अधिसूचना के अनुसार, खालिदा जिया को विशेष सुरक्षा बल अधिनियम 2021 के सेक्शन 2(ए) के तहत वीवीआईपी घोषित किया गया है। यह फैसला तुरंत लागू हो गया है। इस कदम के बाद खालिदा को एसएसएफ (विशेष सुरक्षा बल) प्रदान करने का रास्ता साफ हो गया। यह दर्जा देश के मुखिया (राष्ट्रपति) और सरकार के मुखिया (प्रधानमंत्री या मुख्य सलाहकार) को दिया जाता है। प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी के उपाध्यक्ष अहमद आजम खान ने कहा है कि खालिदा ज़िया की हालत बहुत नाजुक हो गई है। रविवार रात से उनकी हालत में कोई सुधार नहीं। कल दोपहर 1:45 बजे एवरकेयर अस्पताल के सामने आजम खान ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह अभी ऐसी हालत में नहीं पहुंची हैं कि कुछ और कहा जा सके। हमारे पास दुआओं के अलावा मांगने के लिए कुछ नहीं है।

16 साल की उम्र मे डब्ल्यूपीएल डेब्यू करने जा रही दीया यादव ,घरेलु क्रिकेट में है शानदार रिकार्ड

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

16 साल की क्रिकेटर दीया यादव इस बार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेगी। हाल में हुई नीलामी में दीया को दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख रुपये में खरीदा था। इसी के साथ ही दीया डब्ल्यूपीएल में अनुबंध हासिल करने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी भी बनी हैं। दीय अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में दिल्ली के साथ जुड़ी हैं। हरियाणा और नॉर्थ जोन की आक्रामक सलामी बल्लेबाज दीया को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण इस लीग में खेलने का अवसर मिला है।

दीया ने पहली बार साल 2023 में अंडर 15 विमेंस वन डे ट्रॉफी के दौरान अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। तब उन्होंने 578 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 96.33 का रहा है। दीया के नाम तीन शतक और एक दोहरा शतक भी है। इस युवा क्रिकेटर ने पिछले साल जनवरी में हरियाणा की अंडर 23 और सीनियर टीमों से खेला था। मिल इसक बाद से ही वह लगातार आगे निकलती गयी हैं। वह सला 2025-26 के घरेलू सत्र में हरियाणा के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतरी।

दीया ने सबसे पहले सीनियर विमेंस टी20 ट्रॉफी में अपनी स्टेट टीम हरियाणा की ओर से खेलते हुए आठ पारियों में 59.60 की औसत से कुल 298 रन बनाए। दीया का स्ट्राइक रेट 127.89 रनों का रहा है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से उत्तरी क्षेत्र को र्थ बेहतर शुरुअता का अवसर मिला। उत्तरी क्षेत्र को फाइनल में पहुंचाने में दीया की मुख्य भूमिका रही झदीया के 16 साल में यहां तक पहुंचने के कारण उनकी 14 साल के वैभव सूर्यवंशी से हो वैभव ने पिछले सत्र में आईपीएल में 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वहीं दीया 16 की उम्र में डेब्यू कर वैभव की तरह प्रभावित कर सकती हैं। दीया ने अब तक घरेलू क्रिकेट में लिस्ट ए के 11 मैचों में 143 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का रहा जबकि 19 टी20 पारियों में दीया ने 590 रन बनाए हैं जिसमें 67 रन उनका हाईएस्ट स्कोर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को 2026 फीफा वर्ल्ड कप फाइनल ड्रॉ में होंगे शामिल: व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका। व्हाइट हाउस ने सोमवार को पुष्टि की कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह के अंत में वॉशिंगटन में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप फाइनल ड्रॉ में शिरकत करेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका वर्ष 2026 के फीफा विश्व कप की मेज़बानी कनाडा और मेक्सिको के साथ मिलकर करेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया को बताया, 'शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप कैनेडी सेंटर में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप फाइनल ड्रॉ में शामिल होंगे।' ट्रंप ने फीफा विश्व कप को अपने दूसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं में शामिल किया है और इसे अगले वर्ष अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ का एक प्रमुख आकर्षण बताया है। हालांकि यह विशाल खेल आयोजन भी उन राजनीतिक हलचलों से अछूता नहीं रहा है, जो ट्रंप की कड़े रुख वाली नीतियों के कारण सामने आई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप पहले भी कुछ अमेरिकी मेज़बान शहरों से मैचों को स्थानांतरित करने की संभावना जता चुके हैं, खासकर उन क्षेत्रों से जिन्हें वे अपराध और अवैध प्रवासन से प्रभावित डेमोक्रेट-शासित इलाके बताते हैं।

एइताना बोनमाती टूटी एड़ी की सर्जरी कराएंगी: बार्सिलोना

बार्सिलोना, स्पेन। महिला बैलन डी'ओर विजेता एइताना बोनमाती अपने टूटे टखने (एड़ी) की सर्जरी कराएंगी। उनके क्लब बार्सिलोना ने इसकी पुष्टि की। बोनमाती को रविवार को स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के साथ प्रशिक्षण सत्र के दौरान यह गंभीर चोट लगी। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'सोमवार को किए गए टेस्ट में पुष्टि हुई कि उनके बाएं टखने की फिबुला हड्डी में फ्रैक्चर है।' रविवार को कैटलन मीडिया ने संकेत दिया था कि यदि बोनमाती को सर्जरी की आवश्यकता पड़ती है, तो वह तीन महीने से अधिक समय तक मैदान से दूर रह सकती हैं। इस चोट के कारण वह मंगलवार को जर्मनी के खिलाफ होने वाले महिला नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में नहीं खेल पाएंगी। इसके अलावा आने वाले हफ्तों में क्लब के कई मैचों से भी बाहर रहेंगी। बोनमाती ने शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ खेले गए नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण के 0-0 से ड्रॉ मुकाबले में स्पेन की ओर से शुरुआती एकादश में जगह बनाई थी। चोट के चलते वह दिसंबर में बेनफिका और पेरिस एफसी के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच, जनवरी में होने वाला स्पेनिश सुपर कप और कई लीगा एफ मुकाबले भी मिस करेंगी।

विनीसियस को 2026 वर्ल्ड कप टीम में जगह पाने के लिए पूरी फिटनेस जरूरी: एंचेलोटी

नई दिल्ली। ब्राज़ील के मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने स्पष्ट कर दिया है कि विनीसियस जूनियर को 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह पाने के लिए पूरी तरह फिट होना होगा। एंचेलोटी ने दोहराया कि वे केवल 100 प्रतिशत मैच-फिट खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल करेंगे। अक्टूबर में एंचेलोटी ने नेमार को भी इसी तरह की चेतावनी दी थी कि सैंटोस फॉरवर्ड को टीम में वापसी के लिए पूरी फिटनेस के साथ लौटना होगा। ब्राज़ीलियाई स्पोर्ट्स प्रोग्राम ईस्पोर्ट्स रिकॉर्ड को दिए इंटरव्यू में इटालियन कोच ने कहा कि उनके लिए सभी खिलाड़ियों के लिए मानक समान हैं। एंचेलोटी ने कहा, 'टीम में कई उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं और मुझे उन्हीं को चुनना है जो 100 प्रतिशत फिट हों। यह सिर्फ नेमार की बात नहीं है; यह विनीसियस पर भी लागू होता है। अगर विनीसियस 90 प्रतिशत फिट हैं, तो मैं उस खिलाड़ी को चुनूंगा जो 100 प्रतिशत फिट होगा, क्योंकि हमारे पास खासकर आक्रमण में बेहद प्रतिस्पर्धी विकल्प हैं।' विनीसियस जूनियर ने जून में पराग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत में ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल दागा था, जिससे टीम ने 2026 विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का किया।

आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ आधारमूल्य वाले 45 खिलाड़ियों में केवल दो भारतीय शामिल

विदेशी खिलाड़ियों में ग्रीन, स्मिथ पर रहेंगी नजरें

मुम्बई, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए इसी माह 15 दिसंबर को होने वाली मिनी निलामी के लिए दो करोड़ रुपये आधारमूल्य वाले 45 खिलाड़ियों की सूची जारी की गयी है। इसमें केवल दो भारतीय खिलाड़ियों रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर को शामिल किया गया है। इसमें पिछली बार अनसोल्ड रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी शामिल किया गया है। वहीं पिछली बार फिट नहीं होने के कारण बाहर रहे उनके ही हमवततन ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को भी शामिल किया गया है। ऐसे में 15 दिसंबर को होने वाले इस मिनी निलामी में इन दोनो पर सबकी नजरें रहेंगी।

इस बार कुल 45 खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये का आधारमूल्य रखा है। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार कुल 1,355 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। वहीं लीग की 10 टीमों के पास 237.55 करोड़ की संयुक्त रकम और 77 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी स्लॉट शामिल हैं।

दो करोड़ रुपया आधारमूल्य वाले खिलाड़ी

भारत: रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर

ऑस्ट्रेलिया: सीन एबॉट, एश्टन एगर, कूपर कॉनॉली, जेक फ्रेज़र-मैगर्क, कैमरन ग्रीन, जॉश इंग्लिस, स्टीव स्मिथ

इंग्लैंड: गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, टॉम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन, टायमल मिल्स, जैमी स्मिथ

न्यूज़ीलैंड: फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, कायल जैमीसन, ऐडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूक, रचिन रविंद्र

दक्षिण् अफ्रीका: जेराल्ड कोत्ज़े, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्खिया, राइली रूसो, तबरेज़ शम्सी, डेविड वीज़े

श्रीलंका: वानिंदु हसरंगा, मथीशा पाथिराना, महीश थीक्षाना

वेस्टइंडीज़: जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ

बांग्लादेश: मुस्तफिजुर रहमान

वहीं नीलामी में बांग्लदेश के शाकिब अल हसन भी उतरेंगे। शाकिब ने 1 करोड़ रुपये आधार मूल्य रखा है।

सबसे अधिक और सबसे कम अधार मूल्य वाली टीम - इस बार नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पास सबसे अधिक 64.30 करोड़ रुपये हैं क्योंकि उसने सबसे कम खिलाड़ियों को रिटेन किया है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास 43.40 करोड़ रुपये हैं। मुंबई इंडियंस के पास केवल 1 विदेशी स्लॉट और केवल 2.75 करोड़ रुपये हैं क्योंकि उसने अधिकतर खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल ओर रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली । भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी। गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था। राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 ऑक्शन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने मंगलवार को घोषणा की कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के ऑक्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। मैक्सवेल को आईपीएल 2025 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में सिर्फ 78 रन बनाए और चार विकेट हासिल किए। बीच सीजन में उनकी मध्य उंगली में फ्रैक्चर होने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

2012 में आईपीएल डेब्यू करने वाले मैक्सवेल का सर्वश्रेष्ठ सीजन 2014 रहा था, जब उन्होंने 542 रन बनाए थे। इसके बाद 2017 में 310 रन, 2021 में 513 रन, 2022 में 301 रन और 2023 में 400 रन उनके नाम रहे।

इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आईपीएल में बिताए गए कई यादगार सीजन के बाद, मैंने इस साल ऑक्शन में अपना नाम न डालने का फैसला किया है। यह एक बड़ा निर्णय है, जिसे मैंने लीग से मिली अपार खुशी और अनुभवों को याद करते हुए लिया है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आईपीएल ने मुझे एक खिलाड़ी और इंसान दोनों रूप में निखारा है। मुझे विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के साथ खेलने, अद्भुत फ्रेंचाइज़ियों का हिस्सा बनने और जुनूनी भारतीय फैंस के सामने प्रदर्शन करने का मौका मिला। ये यादें, ये चुनौतियाँ और भारत की ऊर्जा हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। वर्षों तक मिले समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। उम्मीद है, जल्द ही मुलाकात होगी।

कोहली की खेल के प्रति प्रतिबद्धता के कायल हुए स्टेन

रांची। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज रहे डेल स्टेन ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी खेल के प्रति प्रतिबद्धता अटूट है। स्टेन के अनुसार इसका अंदाजा इसी से होता है कि 38 की उम्र में विराट बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि इस उम्र में अधिकतर खिलाड़ी खेल छोड़ देते हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले ही एकदिवसीय में शतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने बल्लेबाजी से कोहली ने दिखाया कि एकदिवसीय प्रारुप में अब भी कोई बल्लेबाज उनकी बराबारी नहीं कर सकता। 38 की उम्र में भी खेल को लेकर रहते हैं जुनूनी स्टेन ने कहा, 'जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर को छोड़ना भी पसंद नहीं है। वहीं कोहली पहले की तरह ही भारत के लिए खेलने को लेकर उत्साहित हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए उसकी भाव भंगिमा से देख सकते हैं। वह बेहद फिट हैं और मानसिक रूप से भी युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक एकदिवसीय खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभवी हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है।

पांड्या बड़ौदा के खिलाफ घरेलू टूर्नामेंट से वापसी करेंगे

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से खेल से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब शीघ्र ही खेलते हुए दिखेगे। माना जा रहा है कि पांड्या अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में बड़ौदा की ओर से उतरेंगे। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने भी इस बात की पुष्टि की है। पंड्या को श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप सुपर फोर मुकाबले के दौरान चोट लगी थी और तभी से ही वह खेल से दूर हैं।

इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए थे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी 50 ओवर सीरीज के लिए भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। हालांकि उन्हें खेलने के लिए हरी झंडी मिल गयी है। वह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से भी रिलीज हो गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीए) के एक अधिकारी ने कहा, क्रिकेट से लंबे समय तक दूर रहने के बाद पंड्या बड़ौदा की ओर से अगले कुछ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच खेलकर फिटनेस हासिल करेंगे। बड़ौदा को बाद गुरुवार और शनिवार को गुजरात और हरियाणा से खेलना है। हार्दिक अपने भाई क्रुणाल पांड्या की कप्तानी वाली टीम में शामिल होंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चयन की दौड़ में शामिल रहेंगे। प्रज्ञान ओझा, जो चयन समिति का हिस्सा हैं वह मैदान पर पांड्या के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। प्रज्ञान की रिपोर्ट के आधार पर ही चयन समिति पांड्या को टीम में शामिल करने का फैसला करेगी। ऐसे में 9 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में पंड्या खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन 2026 में लॉन्च करेगा यूरो टी20 क्लब चैंपियंस ट्रॉफी

इस्तांबुल, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन (ईसीए) यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन वर्ष 2026 से यूरोपियन चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत करने जा रहा है। यह एक टी20आई प्रतियोगिता होगी जिसमें पूरे महाद्वीप के राष्ट्रीय क्लब चैंपियंस हिस्सा लेंगे।

पिछले सप्ताह इस्तांबुल में हुई वार्षिक बैठक के दौरान ईसीए ने सदस्य देशों से 31 जनवरी 2026 तक टूर्नामेंट की मेजबानी के प्रस्ताव भेजने को कहा है। अंतिम निर्णय फरवरी में लिया जाएगा।

टी10 प्रारूप पर भी नजर

ईसीए ने वैश्विक स्तर पर टी10 क्रिकेट के बढ़ते व्यावसायिक संभावनाओं को भी स्वीकार किया। संस्था ने कहा कि 2026 में टी10 इवेंट्स की शुरुआत की व्यवहार्यता पर विचार किया जाएगा ताकि सदस्य संघों को वित्तीय मजबूती प्रदान की जा सके। इस संबंध में मार्केटिंग और प्रतियोगिता आयोग की सिफारिशें 2026 में कार्यकारी समिति को प्रस्तुत की जाएंगी।

नई कार्यकारिणी का चयन

13 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित कांग्रेस में शासन से लेकर प्रतियोगिता योजनाओं तक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। चुनावों में रोमानिया के गैब्रिएल मारिन ईसीए के नए अध्यक्ष चुने गए, जबकि नॉर्वे के यूसुफ गिलानी पहले उपाध्यक्ष बने। इसके अलावा गुरुमूर्ति पलानी (फ्रांस), मोहम्मद बिलाल ज़लमानी (ऑस्ट्रिया) और इंडिका थिलन परेरा (माल्टा) को उपाध्यक्ष बनाया गया।

ईसीए के एसोसिएशन आर्टिकल 7 के अनुसार बोर्ड को 11 सदस्यों तक विस्तारित किया गया। नए बोर्ड सदस्यों में निकोलस फोर्नाराकिस (ग्रीस), निकोलाय कोलेव (बुल्गारिया), अब्दुल शाकूर (रोमानिया), नाहित साहिन (तुर्किये), सारा गोमरसॉल (जर्सी) और लुका ब्रूनो मलास्पिना (इटली) शामिल हैं।

तीन वर्ष की प्रतियोगिता संरचना तैयार

ईसीए ने अगले चार वर्षों के लिए आंतरिक शासन संरचना को अंतिम रूप दिया है और आने वाले तीन वर्षों की प्रतियोगी योजनाओं को भी रेखांकित किया है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की यूरोपीय चैंपियनशिप तथा प्रमुख लक्ष्य के रूप में अंडर-19 यूरोपियन चैम्पियनशिप शामिल है।

जमीनी स्तर पर विकास पर जोर

कांग्रेस में जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने, स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने और खेल को शिक्षा, समावेशन और सामाजिक एकता के उपकरण के रूप में उपयोग करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

ईसीए अध्यक्ष मारिन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हमने चार साल के लिए अपनी शासन संरचना तैयार कर ली है और दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों को तय कर दिया है। उद्देश्य है कि क्रिकेट को यूरोपीय खेल परिदृश्य में एक सफल और स्थायी कहानी बनाया जाए।'

यात्री वाहन बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, मारुति सुजूकी अग्रणी, जीएसटी कटौती और मांग ने दिया बड़ा सहारा

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) । नवंबर 2025 में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 इकाई रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 3,52,000 वाहनों से 20.7 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा की गई जीएसटी कटौती और त्योहारी सीजन की मांग ने इस वृद्धि को मजबूती दी है। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम के अनुसार, अक्टूबर में भी घरेलू थोक बिक्री 17.2 फीसदी बढ़कर 460,739 वाहन रही। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार मजबूत मांग और जीएसटी कटौती के कारण भारत का वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। मारुति सुजूकी की की घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री, जो डीलरों को भेजी गई एक साल पहले के मुकाबले 21 फीसदी 1,70,971 इकाई हो गई।

मारुति सुजूकी इंडिया (एमएसआईएल) के एक वरिष्ठ कार्य अधिकारी ने कहा कि दिसंबर में थोक बिक्री भी अच्छी रहने की उम्मीद है क्योंकि उत्पादन टीम उच्च मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इस साल नवंबर में वाहन उद्योग की यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 गाड़ियों की रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में करीब 3,52,000 गाड़ियां बिकी थीं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में वाहन उद्योग की कुल यात्री वाहनों की बिक्री 5 से 6 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है।

भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम ने 14 नवंबर को कहा था कि त्योहारी सीजन और जीएसटी में कमी के बीच उच्च मांग के कारण इस साल अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 17.2 फीसदी बढ़ी हैं और 460,739 गाड़ियां बिकी हैं। नवंबर में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा की घरेलू यात्री वाहनों थोक बिक्री 56,336 इकाई रही, जिसमें कि एक साल पहले के मुकाबले 21.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। ह्युंडै मोटर इंडिया की घरेलू पीवी थोक बिक्री नवंबर में एक साल पहले के मुकाबले 4.3 फीसदी बढ़कर 50,340 इकाई हो गई।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा ने रखा हर महीने 7,000 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अगले कुछ वर्षों के लिए आक्रामक योजना बनाई है। महिंद्रा का लक्ष्य एफवाय 26 तक हर महीने कम से कम 7,000 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हासिल करना है और आने वाले वर्षों में ईवी को अपने कुल पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बनाना है। वर्तमान में महिंद्रा हर महीने 4,000–5,000 इलेक्ट्रिक एसयूवी बेच रही है, लेकिन एफवाय 26 तक इस संख्या को 7,000 यूनिट तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा रहा है, जिससे ऑपरेटिंग प्रोडक्शन कैपेसिटी जल्द ही 8,000 यूनिट प्रति माह तक पहुंच सके। कंपनी को उम्मीद है कि एफवाय 28 तक कुल बिक्री में ईवी का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। महिंद्रा की नई 7–सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस इस ग्रोथ को गति दे रही है। यह मॉडल ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और कंपनी इसी प्लेटफॉर्म पर कई नए प्रोडक्ट लाने की तैयारी में है। पिछले सात महीनों में महिंद्रा ने 30,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन डिलीवर किए हैं, जिससे लगभग 8,000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हुआ। कंपनी अपने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर भी काम कर रही है। 2027 तक 1,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है, खासतौर पर उन शहरों में जहां ईवी का इस्तेमाल ज्यादा है। इसके साथ ही महिंद्रा ग्लोबल मार्केट में भी धीरे–धीरे प्रवेश कर रही है, शुरुआत राइट–हैंड–ड्राइव देशों से और बाद में लेफ्ट–हैंड–ड्राइव मार्केट में। महिंद्रा बैटरी रीसाइक्लिंग और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर भी ध्यान दे रही है।

सोना 236 रुपए और चांदी में 2,619 रुपए की गिरावट, वैश्विक बाजारों में भी सोना-चांदी कमजोर

नई दिल्ली। सोमवार को रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद मंगलवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा कॉन्ट्रेक्ट्स दबाव में कारोबार कर रहे हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सेफ हेवन मेटल्स पर बिकवाली का रुख हावी है। घरेलू बाजार में सोने के फरवरी वायदा की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर सोना 542 रुपये की गिरावट के साथ 1,30,110 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,30,652 रुपए रहा था। इस समय सोना 1,30,416 रुपए पर कारोबार कर रहा था, यानी इसमें 236 रुपये की गिरावट बनी हुई थी। इस समय यह 1,30,433 रुपए के उच्च और 1,30,109 रुपए के निम्न स्तर को छू चुका है। इस साल सोना अब तक 1,31,699 रुपए के स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी के मार्च वायदा में भी कमजोरी देखने को मिली। एमसीएक्स पर यह 1,80,701 रुपए पर खुला, जो पिछले बंद 1,82,030 से 1,329 रुपए कम है। चांदी 1,79,411 रुपए पर ट्रेड कर रही थी, यानी इसमें 2,619 रुपये की गिरावट है।

ऑल-राउंड परफॉर्मेंस के लिए तैयार रियलमी पी4एक्स

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी रियलमी अपनी पी सीरीज के नए स्मार्टफोन पी4एक्स के साथ ऑल–राउंड अनुभव का नया मानक पेश कर रहा है। सीएमआर मोबाइल इंडस्ट्री स्टडी 2025 के अनुसार, 86 प्रतिशत युवा यूजर्स तेज और लैग–फ्री परफॉर्मेंस को प्राथमिकता देते हैं, जबकि 82 प्रतिशत उपभोक्ता बेहतर फीचर्स मिलने पर ब्रांड बदलने के लिए तैयार रहते हैं। रियलमी पी4एक्स में मीडियाटेक डाइमेंशन 7400 अल्ट्रा 5जी चिपसेट है, जिसका एंटूटू स्कोर 7.8 लाख से अधिक है। इसमें 7000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। यह फोन बीजीएमआई पर 90 एफपीएस और फ्री फायर पर 120एफपीएस का सपोर्ट देने वाला पहला स्मार्टफोन है। इसके अलावा 18जीबी तक डायनेमिक रैम, 256जीबी स्टोरेज और 5300एमएम वीसी कूलिंग सिस्टम इसे लंबे गेमिंग और हेवी यूज के दौरान भी स्थिर परफॉर्मेंस देता है। रियलमी का कहना है कि पी4एक्स का उद्देश्य यूजर्स को स्पीड, पावर और एंड्यूरेंस का बेहतरीन अनुभव देना है। यह डिवाइस 4 दिसंबर को दोपहर 12 बजे फ्लिपकार्ट और रियलमी की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉन्च किया जाएगा। पी4एक्स उन यूजर्स के लिए तैयार किया गया है जो बैलेंस्ड परफॉर्मेंस, शानदार डिजाइन और लंबी बैटरी लाइफ की मांग रखते हैं। पी सीरीज की विरासत पी1 से पी3 तक लगातार विकसित होती रही है, और पी4एक्स इसे अगले स्तर पर ले जाने का प्रयास है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में किया बदलाव

ओवरलिमिट के नाम पर नहीं चलेगा बैंक का खेल

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) । डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग तेजी से बढ़ा है। लेकिन कई बार ग्राहक अनजाने में अपनी निर्धारित कार्ड लिमिट से अधिक खर्च कर लेते हैं, जिसके कारण बैंकों द्वारा भारी ओवरलिमिट शुल्क लगाया जाता है। ऐसे बढ़ते मामलों को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अब क्रेडिट कार्ड से जुड़े अहम नियमों में बड़ा बदलाव किया है। ये नए नियम करोड़ों कार्ड उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं।

आरबीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अब कोई भी बैंक या कार्ड जारीकर्ता ग्राहक की स्पष्ट सहमति के बिना ओवरलिमिट फीचर सक्रिय नहीं कर सकेगा। पहले कई बैंक इस सुविधा को स्वत: सक्रिय कर देते थे, जिससे ग्राहक अनजाने में अपनी लिमिट से अधिक खर्च कर बैठते थे और बाद में उन्हें भारी ओवरलिमिट चार्ज चुकाना पड़ता था। आरबीआई ने इस प्रथा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी कार्ड जारीकर्ताओं को अपने मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर एक ट्रांजैक्शन कंट्रोल फीचर उपलब्ध कराना होगा।

इस फीचर के माध्यम से ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार ओवरलिमिट सुविधा को ऑन या ऑफ कर सकेंगे। यह विकल्प 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि ग्राहक ने ओवरलिमिट की अनुमति नहीं दी है, तो कार्ड किसी भी स्थिति में निर्धारित लिमिट से अधिक खर्च की अनुमति नहीं देगा। यहां तक कि किसी तकनीकी त्रुटि के कारण यदि लिमिट पार भी हो जाए, तब भी बैंक ग्राहक से कोई ओवरलिमिट शुल्क नहीं ले सकेगा।

आरबीआई का कहना है कि यह कदम ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने और अनियंत्रित खर्च तथा संभावित धोखाधड़ी को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। नया नियम ग्राहकों को जिम्मेदारी से खर्च करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा और अनावश्यक शुल्कों से बचाएगा।

मीशो का आईपीओ 3 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। ऑनलाइन ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लॉन्च करने के लिए तैयार है। यह आईपीओ बुधवार, 3 दिसंबर को खुलेगा और 5 दिसंबर को बंद होगा। लिस्टिंग से पहले ही ग्रे मार्केट में मीशो के शेयरों को लेकर जोरदार उत्साह देखने को मिल रहा है, जो निवेशकों की मजबूत मांग को दिखाता है। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 105 से 111 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू के माध्यम से मीशो कुल 4,250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। पब्लिक ऑफर में 10.55 करोड़ इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत शामिल होंगे, जिनके जरिए कुछ बड़े निवेशक और प्रमोटर अपने हिस्सेदारी बेचेंगे। इन निवेशकों में एलेवेशन कैपिटल वी, पीक एक्सवी पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स, हाईवे सीरीज़ 1 और वाई कॉम्बिनेटर कंटिन्यूटी होल्डिंग्स शामिल हैं। सोमवार को मीशो का ग्रे मार्केट प्रीमियम 46.5 रुपये रहा। ऊपरी प्राइस बैंड 111 रुपये जोड़ने पर अनुमानित लिस्टिंग प्राइस करीब 157.5 रुपये प्रति शेयर आंका जा रहा है। यदि यह रुझान लिस्टिंग पर कायम रहा, तो निवेशकों को एक लॉट पर लगभग 6,277 रुपये तक का लाभ मिल सकता है।

ऐपल इंक भारत में बढ़ा रही अपने विनिर्माण का दायरा

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) । **ऐपल इंक ने भारत में अपने विनिर्माण का दायरा लगातार बढ़ाया है। इसकी शुरुआत कर्नाटक और तमिलनाडु में दो आईफोन कारखानों से हुई थी। अब कंपनी का नेटवर्क आठ राज्यों और 40 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं तक फैल चुका है। इसमें कई सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम भी शामिल हैं। कंपनी ने आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार गुजरात, केरल, हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु तक किया है। ऐपल अब देशभर के आपूर्तिकर्ताओं को अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल कर रहा है।**

कर्नाटक और तमिलनाडु से शुरू हुआ सफर

आपूर्तिकर्ताओं की तीन प्रमुख श्रेणियां–

- 1. फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा संचालित आईफोन कारखानों को पुर्जे सप्लाई करने वाली कंपनियां।
- 2. भारत के बाहर ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए पुर्जे बनाने वाली कंपनियां।
- 3. भारत में नई आईफोन उत्पाद लाइनों के लिए उपकरण और पुर्जे बनाने वाली कंपनियां, जिनमें गियर जैसे उपकरण शामिल हैं जो पहले चीन से आयात होते थे।

पिछले 8–12 महीनों में आपूर्तिकर्ताओं की नई लहर आई है। गुजरात में हिंडाल्को, महाराष्ट्र में विप्रो पीएआरआई, जैबिल और भारत फोर्ज, केरल में एसएफओ टेक्नॉलजीज और हरियाणा में वीवीडीएन टेक्नॉलजीज शामिल हैं। कर्नाटक से जेएलके टेक्नॉलजीज और ऐक्वस भी नेटवर्क में शामिल हैं। तेलंगाना में एयरपॉड्स का कारखाना पहले से संचालन में है। कई कंपनियां सरकार की ईसीएमएस योजना में भी भाग ले रही हैं। उदाहरण के लिए, ऐक्वस मैकबुक और एप्पल वाचके पुर्जे बनाती है और 100 फीसदी निर्यात केंद्रित इकाई चलाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एसआईआर पर...

मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से उनका अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

प्रौद्योगिकी के उन्नत होने के बीच साइबर अपराध को गंभीर चुनौती बताते हुए मंगलवार को राज्यसभा में एक सदस्य ने मांग की कि सरकार साइबर सुरक्षा कानूनों को सख्त बनाए तथा गरीब वर्ग के लिए डिजिटल लेनदेन की प्रक्रिया सरल करे। उच्च सदन में विशेष उल्लेख के जरिये यह मुद्दा उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिनेश शर्मा ने कहा कि डिजिटल लेनदेन की प्रक्रिया ने कई मुश्किलों को आसान बनाया है लेकिन इसके दुष्प्रभाव साइबर अपराध के रूप में सामने आ रहे हैं।

संसद ने मंगलवार को मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी, जो इस संबंध में लाए गए अध्यादेश की जगह लेगा। राज्यसभा में आज मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर–शराबे के बीच इस विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। उच्च सदन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा ने एक दिन पहले ही इस विधेयक को मंजूरी दी थी। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में विपक्ष पर मणिपुर के लिए ङ्गमगरमच्छ के आंसूफ बहाने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य के हितों से जुड़े विधेयकों पर सदन में चर्चा में वह शामिल नहीं होता है। वित्त मंत्री ने मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

हरियाणा से राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा ने मंगलवार को शून्यकाल के दौरान देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। शर्मा ने उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि होमी भाभा और विक्रम साराभाई जैसे अग्रदूतों के संकल्प से शुरू हुई भारत की वैज्ञानिक यात्रा अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है।

भारत के साथ...

को मंज़ूरी देने जा रही।

इस समझौते के तहत दोनों देशों की सेनाएं आवश्यकता पड़ने पर एक–दूसरे की सैन्य सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगी चाहे वह ईंधन भराई, मरम्मत, या सैन्य ठिकानों का उपयोग हो।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह करार भारत0रूस रक्षा संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

आंध्र–तेलंगाना...

उन्होंने सुझाव दिया कि गोदावरी जिलों की समृद्धि राज्य के विभाजन के कारणों में से एक थी। उनकी यह टिप्पणी जल निकासी चैनलों में दरारों के कारण समुद्री जल के प्रवेश से प्रभावित बागानों का दौरा करते समय आई। विशेषज्ञों ने फसलों के नुकसान के लिए अंधविश्वास को नहीं, बल्कि पर्यावरण और बुनियादी ढाँचे की समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया था।

जनसेना ने बुरी नजर वाली टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दिया

हैदराबाद, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने चेतावनी दी थी कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की फिल्में तेलंगाना के सिनेमाघरों में तब तक रिलीज नहीं होंगी, जब तक वह अपने अपमानजनक बयान के लिए माफी नहीं मांगते। इस पर जनसेना ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि मंत्री के शब्दों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया है।

कल्याण की पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, शब्दों को तोड़–मरोड़कर पेश न करें। राजोलू निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दौरान किसानों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण द्वारा कहे गए शब्दों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। साथ ही, लोगों को दोनों राज्यों के बीच सद्भावना के माहौल को खराब नहीं करना चाहिए।

बगावत की तैयारी में...

गए आईएमईआई नंबर वाले डिवाइसेज के दुरुपयोग को रोकना है। ये सभी समस्याएं भारत के बड़े सेकंड–हैंड मोबाइल मार्केट में तेजी से बढ़ रही हैं।हालांकि, सभी डिवाइसेज में संचार साथी को अनिवार्य करने के आदेश के बाद से राजनीतिक बहस छिड़ गई है। विपक्षी दलों और प्राइवेसी समर्थकों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि यह ऐप एक ङ्गजासूसी टूलफ की तरह काम कर सकता है जो सरकार को भारत के लगभग 730 मिलियन (73 करोड़) स्मार्टफोन्स तक एक्सेस देने में सक्षम बना देगा।जहां ऐप्पल का आईओएस सॉफ्टवेयर बेहद कंट्रोल्ड सिस्टम पर काम करता है, वहीं सैमसंग और दळरोळ जैसे ऐंड्रॉयड–बेस्ड निर्माता, एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम के ओपन–सोर्स होने के कारण ज्यादा फ्लेक्सिबल हैं। हालांकि, इंडस्ट्री से जुड़े एक अन्य सोर्स के अनुसार, ये अन्य बड़े ब्रांड भी वर्तमान में सरकार के आदेश की समीक्षा कर रहे हैं।

वैकल्पिक है, हटा...

तो आप इसे हटा सकते हैं। यह वैकल्पिक है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस ऐप को सभी तक पहुंचाएं। इसे अपने डिवाइस में रखना या न रखना, उपयोगकर्ता पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, और वे कुछ खोजने की कोशिश कर रहे हैं, तो हम उनकी मदद नहीं कर सकते। हमारा कर्तव्य उपभोक्ताओं की मदद करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। संचार साथी ऐप हर उपभोक्ता को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संचार साथी पोर्टल के 20 करोड़ से अधिक डाउनलोड हैं, और ऐप के 1.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हैं। संचार साथी ने लगभग 1.75 करोड़ धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट करने में सक्षम बनाया है। लगभग 20 लाख चोरी हुए फोन का पता लगाया गया है, और लगभग 7.5 लाख चोरी हुए फोन उनके मालिकों को सौंप दिए गए हैं, यह सब संचार साथी की वजह से है... यह ऐप स्नूपिंग या कॉल मॉनिटरिंग को सक्षम नहीं करता है। आप इसे अपनी इच्छानुसार सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। यदि आप संचार साथी नहीं चाहते हैं, तो आप इसे हटा सकते हैं। यह वैकल्पिक है। यह ग्राहक सुरक्षा के बारे में है। मैं सभी गलतफहमियों को दूर करना चाहता हूं... इस ऐप को सभी के लिए पेश करना हमारा कर्तव्य है। इसे अपने डिवाइस पर रखना या न रखना उपयोगकर्ता पर निर्भर है... इसे किसी भी अन्य ऐप की तरह मोबाइल फोन से हटाया जा सकता है।

नेताओं के खिलाफ...

सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने नेशनल हेराल्ड के कर्मचारियों के परिवारों को वित्तीय सहायता देने के लिए कड़ी मेहनत की,और कहा कि कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे प्रमुख नेताओं को निदेशक मंडल में नियुक्त किया और अखबार को पुनर्जीवित किया।

उन्होंने कहा कि अखबार चलाने में सरकार का एक भी रुपया इस्तेमाल नहीं हुआ। अखबार नेहरू को विरासत में मिली संपत्तियों से चल रहा था।

राज्य कार्यकारिणी की बैठक में अपने शीर्ष नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की कड़ी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। रेड्डी ने कहा, हम नरेंद्र मोदी को एक कड़ा संदेश दे रहे हैं कि हम सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ खड़े रहेंगे और यदि आवश्यक हुआ तो किसी भी चीज़ के लिए लड़ेंगे। राहुल गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनाना भी सबकी जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री कार्यालय...

14 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन सेवा तीर्थ–2 में सेना प्रमुखों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर चुके हैं।

नरेंद्र मोदी का दफ्तर सेवा तीर्थ–1 से काम करेगा।

सेवा तीर्थ–2 में कैबिनेट सचिवालय होगें।

सेवा तीर्थ–3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का दफ्तर होगा।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रपति भवन से लेकर इंडिया गेट तक कई इमारतों का री डेवलपमेंट और कंस्ट्रक्शन शामिल है। इसमें नया संसद भवन, मंत्रालय के कार्यालयों के लिए केंद्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, उप–राष्ट्रपति आवास का निर्माण किया जाना है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की घोषणा सितंबर, 2019 में हुई थी। 10 दिसंबर, 2020 को झच् मोदी ने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। सरकार ने पूरे प्रोजेक्ट के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा है। कर्तव्य पथ के दोनों तरफ के इलाके को सेंट्रल विस्टा कहते हैं।

सितंबर में बताया गया था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय का पता रायसीना हिल्स, नॉर्थ ब्लॉक से जल्द ही बदलने वाला है। इसे जनपथ में बनी कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग में शिफ्ट किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत सभी मंत्रालयों के लिए कर्तव्य पथ पर 10 ऑफिस बिल्डिंग और एक कन्वेंशन सेंटर समेत सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बनना है। इनमें से तीन बिल्डिंग लगभग बन चुकी हैं। सभी ऑफिस शिफ्ट होने के बाद दोनों ब्लॉकों को मयुगे युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालयफ्में बदल दिया जाएगा।

इसमें करीब 25 से 30 हजार कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम्स में से एक होने की संभावना है। करीब 90 सालों से देश का गृह मंत्रालय नॉर्थ ब्लॉक से ही संचालित हो रहा था।

पौष मास 5 दिसंबर से 3 जनवरी तक रहेगा

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हिन्दी पंचांग का महीना पौष 5 दिसंबर से 3 जनवरी तक रहेगा। ये हिंदू पंचांग का दसवां महीना है। इस महीने सूर्य देव को पूजने की परंपरा है। पौष मास में सूर्य को दिया अर्घ्य पुण्यदायी माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दी पंचांग का दसवां महीना पौष 5 दिसंबर से 3 जनवरी तक रहेगा। पुराणों का कहना है कि पौष में सूर्य पूजा करने से उम्र बढ़ती है। हर महीने सूर्य अलग रूप की पूजा करने का विधान है, इसलिए पौष मास में भग नाम के सूर्य की उपासना की जाती है। इस महीने में सूर्य पूजा करने का विशेष महत्व है। पौष मास में गंगा, यमुना, अलकनंदा, शिप्रा, नर्मदा, सरस्वति जैसी नदियों में, प्रयागराज के संगम में स्नान करने की परंपरा है। इस महीने में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। इस हिंदी महीने में व्रत-उपवास, दान और पूजा-पाठ के साथ ही पवित्र नदियों में नहाने का भी महत्व बताया है। इस पवित्र महीने में किए गए धार्मिक कामों से कई गुना पुण्य फल मिलता है। व्रत और दान का विशेष फल मिलता है।

पुण्य देने वाले इस पवित्र महीने में भगवान विष्णु की पूजा नारायण रूप में करनी चाहिए। वहीं, उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का भी विधान है। पौष महीने में सूर्य नारायण नाम से पूजा करने से हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं। पौष मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए, स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए। इस में महीने में पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना करें। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और पवित्र नदियों का ध्यान करेंगे तो घर पर ही तीर्थ स्नान करने का पुण्य मिल सकता है।

ऐसे चढ़ाएं सूर्य को अर्घ्य

रोज सुबह स्नान के बाद घर के आंगन में ऐसी जगह चुनें, जहां से सूर्य देव के दर्शन होते हैं। इसके बाद तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम, चावल और फूल भी डालें। इसके बाद सूर्य को जल चढ़ाएं।

सूर्य मंत्र

ऊँ सूर्याय नमः, ऊँ खगाय नमः, ऊँ भास्कराय नमः आदि का जप करें। सूर्य को जल चढ़ाने के बाद जरूरतमंद लोगों खाना दान करें। आप चाहें तो अनाज और धन का दान भी कर सकते हैं। किसी गौशाला में भी दान-पुण्य करें।

सूर्य को जल चढ़ाने से मिलता हैं स्वास्थ्य लाभ

अभी शीत ऋतु का समय है। इन दिनों में रोज सुबह जल्दी उठने और सुबह-सुबह की धूप में रहने से स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ठंड के दिनों में सुबह-सुबह की धूप त्वचा की चमक बढ़ाती है। धूप से विटामिन डी मिलता है, जिससे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाव होता है।

ग्रहों के राजा हैं सूर्य

किसी भी काम की शुरुआत पंचदेवों की पूजा के साथ ही होती है। सूर्य पूजा से कुंडली के नौ ग्रहों से संबंधित दोष दूर होते हैं। कुंडली में सूर्य की स्थिति ठीक न हो तो घर-परिवार और समाज में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहे, मान-सम्मान मिले, सफलता मिले, इसके लिए सूर्य की पूजा करनी चाहिए।

भविष्य पुराण में जिक्र

भविष्य पुराण के ब्राह्म पर्व में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र सांब को सूर्यदेव पूजा का महत्व बताया है। भगवान श्रीकृष्ण ने सांब को बताया था कि सूर्यदेव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं यानी सूर्य हमें साक्षात दिखाई देते हैं। जो लोग श्रद्धा के साथ सूर्य पूजा करते हैं, उनकी सभी इच्छाएं सूर्य देव पूरी करते हैं।

वेद और उपनिषद में सूर्य

अथर्ववेद और सूर्योपनिषद के अनुसार सूर्य परब्रह्म है। ग्रंथों में बताया गया है कि पौष मास में भगवान भास्कर ग्यारह हजार किरणों के साथ तपकर सर्दी से राहत देते हैं। इनका रंग खून के जैसा लाल है। शास्त्रों में ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्री, ज्ञान और वैराग्य को ही भग कहा गया है और इन सबके कारण इन्हें भगवान माना जाता है। ये ही वजह है कि पौष मास का भग नाम के सूर्य को साक्षात परब्रह्म का ही रूप माना गया है। पौष महीने में सूर्य को अर्घ्य देने और उनके लिए व्रत करने का भी महत्व धर्म शास्त्रों में बताया है।

क्या करें

आदित्य पुराण के अनुसार, पौष माह के हर रविवार को तांबे के बर्तन में शुद्ध जल, लाल चंदन और लाल रंग के फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए तथा विष्णवे नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। इसके साथ ही दिनभर व्रत रखना चाहिए और खाने में नमक का उपयोग नहीं करना चाहिए। संभव हो तो सिर्फ फलाहार ही करें। रविवार को व्रत रखकर सूर्य को तिल-चावल की खिचड़ी का भोग लगाने से मनुष्य तेजस्वी बनता है। पुराणों के अनुसार पौष माह में किए गए तीर्थ स्नान और दान से उम्र लंबी होती है और बीमारियां दूर हो जाती हैं।

पौष माह व्रत-त्योहार

- ❊ 5 दिसंबर 2025 - पौष माह शुरू
- ❊ 7 दिसंबर 2025 - अखुरथ संकष्टी चतुर्थी
- ❊ 11 दिसंबर 2025- कालाष्टमी, मासिक कृष्णाष्टमी
- ❊ 15 दिसंबर 2025 - सफला एकादशी
- ❊ 16 दिसंबर 2025 - धनु संक्रांति, खरमास शुरू
- ❊ 17 दिसंबर 2025 - प्रदोष व्रत
- ❊ 19 दिसंबर 2025 - पौष अमावस्या
- ❊ 24 दिसंबर 2025 - विनायक चतुर्थी
- ❊ 25 दिसंबर 2025- क्रिसमस
- ❊ 27 दिसंबर 2025 - गुरु गोविंद सिंह जयंती
- ❊ 30 दिसंबर 2025 - पौष पुत्रदा एकादशी
- ❊ 31 दिसंबर 2025 - बैकुंठ एकादशी

घर की उत्तर पूर्व दिशा में लगाएं ये पांच पौधे गृह क्लेश होगा दूर, बढ़ेगी बरकत

वास्तुशास्त्र में उत्तर पूर्व दिशा का खास महत्व होता है। इस स्थान को सुख, समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यही कारण है कि इस दिशा में शुभ तस्वीरें, हल्का सामान, पूजा घर और कुछ पौधों को लगाना बहुत लाभदायक माना जाता है। ऐसा करने से जातक के घर से नकारात्मकता दूर रहती है और बरकत बढ़ने लगती है। ऐसे में वास्तु के अनुसार, उत्तर और पूर्व दिशा में कुछ पौधों को अवश्य लगाना चाहिए। इससे आपको आर्थिक समस्याओं से भी निजात मिल सकती है और जीवन में तरक्की के नए द्वार खुलते हैं।

धन-धान्य में वृद्धि के लिए क्रासुला प्लांट

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में क्रासुला का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप उत्तर या पूर्व दिशा में भी क्रासुला प्लांट को रख सकते हैं। सही दिशा में इस पौधे को रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। साथ ही, घर में चल रही आर्थिक तंगी से मुक्ति मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होने लगती है। क्रासुला प्लांट को उत्तर या पूर्व दिशा में रखने से वास्तु दोष से भी राहत मिल सकती है।

जीवन में तरक्की के लिए अपराजिता का पौधा

हिंदू धर्म में अपराजिता के फूल को बहुत पवित्र माना गया है। इसे देवी लक्ष्मी, विष्णुजी और शनिदेव की पूजा में शामिल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, वास्तुशास्त्र में भी अपराजिता का फूल घर में लगाना लाभदायक माना जाता है। इससे त्रिदेव और देवियों की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है। इसके लिए वास्तु के अनुसार अपराजिता का पौधा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

गृह क्लेश से मुक्ति के लिए मोगरे का पौधा

मोगरे का फूल दिखने में बहुत आकर्षक होता है और इसकी सुगंध भी मनमोहक होती है जो आसपास के वातावरण को सुखद और शांत बनाए रखती है। यही कारण है कि इसे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार सही दिशा में मोगरे का पौधा लगाने से जातक को घर में चल रही समस्याओं और गृह क्लेश से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, इससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, मोगरे का पौधा घर में उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में लगाया जा सकता है।

जीवन से दुर्भाग्य दूर करेगा शमी का पौधा

ज्योतिषशास्त्र में शमी के पौधे का खास महत्व है। मान्यता है कि यह पौधा शनि के बुरे प्रभावों को कम कर सकता है और इससे शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है। क्योंकि शमी का पौधा न्याय के देवता शनिदेव को बेहद प्रिय है। लेकिन वास्तु के अनुसार, शमी के पौधे को सही दिशा में रखना बेहद जरूरी होता है। इससे जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और अच्छे वक्त की शुरुआत हो सकती है। इस पौधे को घर में ईशान कोण में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता बनी रहती है।

घर में सुख-समृद्धि लाएगा गेंदे के पौधा

पूजा-पाठ में पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूल प्रयोग किए जाते हैं। साथ ही, इन्हें घर में लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इससे आसपास का वातावरण शुद्ध बना रहता है और घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु की मानें तो गेंदे का पौधा उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना बहुत शुभ होता है। इससे घर का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है और माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त हो सकती है।

भौम प्रदोष व्रत कथा के पाठ से भगवान हनुमान और महादेव की कृपा होगी प्राप्त

भौम प्रदोष व्रत कथा

सूतजी ने कहा- मैं मंगल त्रयोदशी प्रदोष व्रत का विधि विधान बताता हूं। मंगलवार का दिन व्याधियों का नाशक होता है। इस व्रत के दौरान व्रती को एक वक्त गेहूं और गुड़ का भोजन करना चाहिए। इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं है कि इस व्रत को करने से मनुष्य सभी पापों और रोगों से मुक्त हो जाता है। अब मैं आपको उस बुढ़िया की सुनाता हूं, जिसने इस व्रत को किया था और वह मोक्ष को प्राप्त हुई। अत्यन्त प्राचीन काल की बात है जब एक नगर में एक बुढ़िया रहा करती थी। उसका मंगलिया नाम का एक पुत्र था। हनुमानजी पर वृद्धा को बड़ी श्रद्धा थी। वह हर मंगलवार के दिन हनुमानजी का व्रत रखकर यथाविधि उनका भोग लगाया करती थी। इसके अलावा, वह मंगलवार को न तो घर लीपती थी और न ही मिट्टी खोदती थी।

इस प्रकार व्रत रखते हुए जब उसे काफी समय हो गया तब हनुमानजी ने सोचा कि चलो आज इस वृद्धा की श्रद्धा की परीक्षा लेते हैं। वे साधु का वेष बनाकर उसके द्वार पहुंच गए। वहां पुकारते हुए कहा 'है कोई हनुमान का भक्त जो हमारी इच्छा पूरी करे।' वृद्धा इस पुकार को सुनकर बाहर निकल आई और कहा महाराज क्या आज्ञा है? साधु वेषधारी हनुमान जी ने कहा कि 'मैं बहुत भूखा हूं भोजन करूंगा। तू थोड़ी सी जमीन लीप दे।' तब वृद्धा बड़ी दुविधा में पड़ गई और अंत में हाथ जोड़कर प्रार्थना की- हे महाराज! लीपने और मिट्टी खोदने के अतिरिक्त जो भी कार्य आप कहेंगे वह मैं करने को तैयार हूं।

साधु तीन बार परीक्षा करने के बाद बोले- 'तू अपने बेटे को बुला ला मैं उसको औंधा लिटाकर, उसकी पीठ पर आग जलाकर भोजन बनाऊंगा।' वृद्धा ने यह बात सुनी तो उसके पैरों तले की धरती खिसक गई, लेकिन वह वचन हार चुकी थी। तब उसने मंगलिया को पुकार कर साधु महाराज के हवाले किया। मगर साधु ऐसे ही नहीं मानने वाले थे। उन्होंने मंगलिया को ओंधा लिटाकर वृद्धा के हाथों से ही उसकी पीठ पर आग जलवाई। आग जलाने के बाद दुखी मन से वृद्धा अपने घर के अंदर चली गई। भोजन के बाद साधु ने जब उन्हें बुलाकर कहा कि वह मंगलिया को पुकारे ताकि वह भी आकर भोग लगाए। तब वृद्धा ने आंखों आंसू भरकर कहा कि अब उसका नाम लेकर मेरे हृदय को और न दुखाओ, लेकिन साधु महाराज नहीं माने और वृद्धा को भोजन के लिए मंगलिया को पुकारना पड़ा। पुकारने की ही देर थी कि मंगलिया तुरंत बाहर से हंसता हुआ घर में दौड़ा चला आया। मंगलिया को जब जीता जागता देखा तो वृद्धा को सुखद आश्चर्य हुआ। तभी वह साधु महाराज के चरणों में गिर गई। इसके पश्चात साधु महाराज ने उसे वृद्धा को अपने असली रूप में दर्शन दिए। ऐसे में जब हनुमानजी को अपने आंगन में देखा तो वृद्धा को लगा कि उसका जीवन सफल हो गया।

ऊं सिर्फ एक मंत्र नहीं, मन की शांति और ऊर्जा का सबसे सरल उपाय

ऊं एक बहुत ही विशेष मंत्र है, जिसे ब्रह्मांड की पहली ध्वनि माना जाता है। इसे तीन भागों (अ, उ और म) में बांटा गया है। 'अ' सृजन और व्यापकता का प्रतीक है, 'उ' बुद्धि और संचालन का और 'म' अनंतता और स्थिरता का। इन तीनों का मतलब मिलाकर यही होता है कि 'ऊं' में परम सत्ता का पूरा स्वरूप समाया हुआ है। यही कारण है कि इसे सभी मंत्रों का बीज मंत्र कहा जाता है। पुराणों में भी बताया गया है कि सृष्टि के आरंभ में जब पहली ध्वनि गूंजी, वह ऊं थी। यह ध्वनि किसी टकराव से नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की अपनी ऊर्जा से उत्पन्न हुई थी। ध्यान की गहन अवस्था में साधक आज भी इसे सुनते हैं और इसे परम शांति का स्रोत मानते हैं। ऊं का जप मन और शरीर दोनों को शांत करता है। इससे साधक को आत्मा और परमात्मा के करीब जाने का अनुभव होता है। साधना में स्थिरता आती है, मौन और अंतरात्मा की जागृति बढ़ती है। यही कारण है कि हर मंत्र की शुरुआत ऊं से होती है, जैसे 'ऊं नमः शिवाय' या 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय।' वैज्ञानिक दृष्टि से भी ऊं का उच्चारण शरीर में कंपन पैदा करता है। जीभ, तालू, कंठ, फेफड़े और नाभि में यह कंपन ग्रंथियों और चक्रों को सक्रिय करते हैं। इसके नियमित जप से तनाव और घबराहट दूर होती है, पाचन और रक्त संचार सुधरता है, शरीर में ऊर्जा लौटती है और नींद भी अच्छी आती है। कुछ प्राणायाम के साथ करने पर फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और थकान कम होती है। वास्तु के हिसाब से भी ऊं का जप घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है। वातावरण शांत होता है और मानसिक तनाव कम होता है। सकारात्मक शब्दों से हार्मोन बनते हैं और नकारात्मक शब्दों से विषैले रसायन। इसलिए ऊं की लय मन और हृदय पर अमृत की तरह असर करती है। अधिकतर लोग 108 बार ऊं का जप करते हैं। ऐसा करने से शरीर तनावमुक्त होता है, ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है, मनोबल मजबूत होता है और व्यवहार में धैर्य आता है।

बच्चों की पढ़ाई और स्मरण शक्ति पर भी इसका अच्छा असर होता है। जप की सही विधि यह है कि प्रातः स्नान के बाद शांत जगह पर पद्मासन, अर्धपद्मासन, सुखासन या वज्रासन में बैठें। 'ओ' को लंबा खींचें और अंत में 'म' हल्की गूंज की तरह करें। जप माला का उपयोग भी किया जा सकता है।

चंद्रमा-शनि बना रहे अनफा योग, मेष, मिथुन सहित अन्य राशियों बनेंगी धनवान

आज यानी 3 दिसंबर 2025, बुधवार को मेष राशि में चंद्रमा और मीन राशि में शनि के द्वादश भाव में होने से अनफा योग बन रहा है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को जीवन में सुख-सुविधा, मान-सम्मान और धन-समृद्धि प्राप्त होती है। ज्योतिष के अनुसार, चंद्रमा से बनने वाला यह योग मेष, मिथुन सहित कुछ राशियों को यह योग जीवन में सफलता, आर्थिक स्थिरता और मानसिक संतुलन प्रदान करेगा।

मेष -मेष राशि के जातकों के लिए धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आज के दिन आपकी आमदनी संतो-षजनक रहेगी। सायंकाल में मंगल कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। राशि स्वामी ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण पर चल रहा है। ऐसे में नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति की संभावना बन रही है। बृहस्पति कर्क राशि पर मार्गी होंगे, इससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है।

वृष -आज वृष राशि के संपत्ति सुख में विस्तार होगा। परिवार में भी सुख शांति का वातावरण बना रहेगा। किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति होती दिख रही है। नौकरी में स्थान परिवर्तन और उन्नति के आसार नजर आ रहे हैं। पारिवारिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण रखें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक कला संगीत का आनंद भी मिल सकता है।

मिथुन - नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति का योग बना हुआ है। आज मिथुन राशि के लोगों को संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। रहन-सहन खान पान का स्तर बढ़ेगा। इस दौरान सुन्दर वस्त्रों के प्रति आपका रुझान घटता हुआ दिख रहा है। नौकरी तथा व्यवसाय में भी भागीदारी होगी। आपको साथियों का सहयोग पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। आलस्य का त्याग कर सक्रिय रहें।

कर्क -आज कर्क राशि के लोगों के लिए पश्चिम दिशा की राजकीय यात्रा का योग बन रहा है। संतान सुख में वृद्धि होगी और कहीं से उपहार मिल सकता है। उत्तम मित्रों के सहयोग से मन में निराशा का भाव समाप्त होगा। सायंकाल से रात्रि तक अध्ययन, पठन-पाठन में मन लगेगा। रात्रि में शयन सुख की विशेषता रहेगी।

सिंह -आज घर में मांगलिक कार्यों के आयोजन से मन में प्रसन्नता रहेगी। अभिन्न मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के नए स्रोत बनेंगे। आमदनी बढ़ने और अचानक बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से मनोबल बढ़ा रहेगा। आज राशि से अष्टम घर में मीन राशि का शनि मार्गी हो रहा है। इससे पाचन क्रिया मंद और वायु विकार से शरीर कष्ट हो सकता है। ऐसे में खान-पान पर नियंत्रण रखें।

कन्या -आज के दिन कन्या राशि वालों को कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आय में उचित वृद्धि देखने को मलेगी। बौद्धिक कार्यों व लेखन आदि से भी आय होगी। आज के दिन क्रोध से बचें। संतान पक्ष से भी उच्च शिक्षा, शोधादि में सार्थक परिणाम मिलेंगे। आज सायंकाल के समय संपत्ति से भी कुछ आय हो सकती है। रात्रि में भाइयों का सहयोग से पुरानी रंजिश समाप्त हो जाएगी।

तुला -आज आपकी इच्छा के विरूद्ध कोई कार्य मिल सकता है। इससे आप असहज हो सकते हैं। परिवार में सर्वत्र सुख शांति रहेगी। अचानक अनियोजित खर्च बढ़ सकते हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। सायंकाल के समय धार्मिक साहित्य पढ़ने में रुचि बढ़ेगी। रात्रि का समय सामाजिक आयोजन में बीतेगा।

वृश्चिक -राशि का स्वामी मंगल जन्म के घर में वृश्चिक राशि का होकर चंद्र से दशम योग बन रहा है। माता का सानिध्य व आशीर्वाद विशेष रूप से फलीभूत होगा। बहुत समय से रुका हुआ धन किसी महापुरुष के सहयोग से प्राप्त हो जाएगा। संतान पक्ष से और बौद्धिक क्षेत्र में सुखद परिणाम मिलने से प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु -राशि स्वामी बृहस्पति आज राशि से अष्टम भाव में मार्गी हो रहा है। चतुर्थ भाव में शनि भी कार्यक्षेत्र में कठिनाई व परिश्रम की अधिकता रखेगा। ऐसे में बातचीत में संयम रखें, किसी संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है। भाइयों में वैचारिक मतभेद उत्पन्न होंगे। सायंकाल से लेकर आधी रात तक निकट की यात्रा का योग है। आगे आने वाले कुछ दिन स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मकर - वृश्चिक राशि पर बुध तथा कुंभ, राहू राज्य, मान, प्रतिष्ठा की वृद्धि कर रहा है। षष्ठम भाव में गुरु उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। आज आपके भाग्य का उदय होता दिख रहा है। इससे धन, कर्म, कीर्ति में वृद्धि होगी और प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में आपकी ही जीत होगी। इस दौरान आपके सभी मनोरथ सिद्धि होंगे।

कुंभ -आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी और धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। संपत्ति का विस्तार और संपत्ति से आय में वृद्धि होगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, कहीं जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद उत्पन्न न हो जाए। सायंकाल के समय धार्मिक आयोजन में भागीदारी या धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मीन -आज आपका दिन मिश्रित फल कारक है। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। संपत्ति के सुधार व रख-रखाव में खर्च बढ़ेगा। आज दिन में कुछ निकट के मित्रों व रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है। संपत्ति से भी आय के नए स्रोत विकसित होंगे। आज के दिन कोई शुभ समाचार मिल सकता है। राजनीति में बढ़ते जनसंपर्क का लाभ उठाएं। आज यदि संपत्ति या व्यवसाय में इनवैस्ट करना पड़े तो निश्चिंत होकर करें, आगे बहुत फायदा होगा।

शादी के बाद सामंथा रुथ ने बहनों के लिए लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में सीरीज 'द फैमिली मैन' के को-डायरेक्टर राज निदिमोरु से शादी कर ली है। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी बहनों की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, मेरी प्यारी बहनों ने मुझे हमेशा बहुत कुछ सिखाया है और आज भी मुझे बेहतर इंसान बनाने के लिए रास्ता दिखाती रहती हैं। मेरी प्यारी बहनों, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी। 'फैमिली मैन 2' से वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखने वाली अभिनेत्री सामंथा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। इसके बाद उन्होंने 2010 में तमिल फिल्म 'विन्नैथांडी वरुवाया' से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने साउथ सिनेमा की कई फिल्मों में काम किया। सामंथा ने अपनी मेहनत के दम पर 'थेरी', '10 एंड्राथुकुल्ला', तेलुगू फिल्म 'डुकुडू', 'जनता गैराज', 'अ आ', 'अनजान', और 'सन ऑफ सत्यमूर्ति' में दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसके बाद अभिनेत्री ने वेब सीरीज 'फैमिली मैन 2' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। वे वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में वरुण धवन के साथ भी काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री सामंथा ने हाल ही में निर्देशक राज निदिमोरु से शादी की है। उन्होंने सोमवार को एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी थी। हालांकि दोनों के डेटिंग की खबरें 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन के बाद से सुर्खियों में थीं, लेकिन दोनों ने इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी। सामंथा और राज की ये दूसरी शादी है। 2021 में सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक ले लिया था, तो वहीं राज ने श्यामाली डे से 2022 में तलाक ले लिया था।

कॉमिक क्वीन प्रीति गांगुली का कुछ इस तरह था सफर

बॉलीवुड में बहुत कम ऐसे कलाकार होते हैं, जिन्हें लोग सिर्फ उनके नाम से नहीं, बल्कि उनके काम से याद करते हैं। प्रीति गांगुली भी उन्हीं अदाकाराओं में से एक थीं। उनके चेहरे पर हमेशा हंसी रहती थी। वहीं, उनकी कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों का दिल जीता, लेकिन उनका जीवन सिर्फ फिल्मों और हंसी-खुशी तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में कई बड़े बदलाव देखे और एक ऐसा कदम उठाया जिसने उनकी जिंदगी का रुख ही बदल दिया। प्रीति गांगुली का जन्म 17 मई 1953 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार बॉलीवुड की दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके पिता अशोक कुमार अपने जमाने के बेहतरीन अभिनेता थे, उनके चाचा किशोर कुमार प्रसिद्ध गायक और अभिनेता थे और दूसरे चाचा अनूप कुमार भी फिल्मों से जुड़े थे। ऐसे फिल्मी माहौल में पली-बढ़ी प्रीति ने बचपन से ही अभिनय में रुचि दिखाई, लेकिन उन्होंने हीरोइन बनने की बजाय कॉमिक रोल्स को चुनकर अपने करियर की शुरुआत की। 1970 के दशक में प्रीति ने फिल्मों में कदम रखा। उन्होंने शुरुआत में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा पहचान उन्हें साल 1978 में आई फिल्म 'खट्टा मीठा' के फ्रेनी सेठना के किरदार से मिली। इस फिल्म में उनका रोल अमिताभ बच्चन की बड़ी फैन का था और उनकी कॉमिक टाइमिंग दर्शकों के लिए खास आकर्षण बन गई। इस फिल्म में उनके साथ देवेन वर्मा भी थे। प्रीति की फिल्मों में कॉमिक टाइमिंग और भोला चेहरा उन्हें अलग बनाता था।

70 और 80 के दशक में उन्होंने 'रानी और लालपरी', 'बालिका वधु', 'खेल खेल में', 'अन-रोध', 'आशिक हूं बहारों का', 'साहेब बहादुर', 'दिल्लगी', 'दामाद', 'झूठा कहीं का', 'क्रांति', और 'उत्तर दक्षिण' जैसी कई फिल्मों में काम किया। उनके रोल्स मनोरंजक होते थे, जिससे दर्शक उन्हें हमेशा याद रखते थे। जब उन्होंने जीवन में एक अहम बदलाव किया तो हर कोई चौंक गया। दरअसल, प्रीति ने करीब 50 किलो वजन कम किया था। यह उनके स्वास्थ्य और व्यक्तिगत जीवन के लिए बड़ा कदम था। वजन कम करने के बाद फिल्मी ऑफर्स धीरे-धीरे कम होने लगे। ऐसे में उन्होंने अपने पिता के नाम पर 1993 में अशोक कुमार एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स की स्थापना की। यहां वह छात्रों को अभिनय सिखाती थीं।फिल्मों से ब्रेक के बाद प्रीति ने फिल्म 'आशिक बनाया आपने' (2005) में इमरान हाशमी के साथ अभिनय किया। यह उनके करियर की आखिरी बड़ी फिल्म साबित हुई। 2 दिसंबर 2012 को मुंबई में हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हो गया। उनके अभिनय ने उन्हें बॉलीवुड की दुनिया में अमर बना दिया।

राशि खन्ना ने जताया प्रशंसकों का आभार, बोलीं

बेहद खास रहा यह जन्मदिन

अपनी हालिया रिलीज फिल्म '120 बहादुर' की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने रविवार को अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया।

राशि खन्ना ने लिखा, कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था।

राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश हैं और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया।

उन्होंने लिखा, बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार।

तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट की।

अभिनय की दुनिया एक अलग जिंदगी जीने की आजादी देती है : निमरत कौर

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई 'द फैमिली मैन सीजन 3' ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार 'मीरा' दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, ''मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तीकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो।''

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म-विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म-विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं।''

निमरत ने कहा, ''अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है। जब मैं किसी किरदार को निभाती हूं, तो उसे अपने असली जीवन के अनुभवों और सोच से अलग रखकर पूरी तरह से जी सकती हूं। यही अभिनय की खूबसूरती है कि वह हमें अपनी सीमाओं से परे जाकर किसी और के अनुभव को महसूस करने की आजादी देता है।'' 'द फैमिली मैन 3' में निमरत कौर का किरदार खलनायिका मीरा के रूप में सामने आया है। इस शो का निर्देशन राज और डीके ने किया है और इसमें मनोज बाजपेयी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

चार महीने के बच्चे ने मनोज पाहवा की उम्मीदों पर फेरा पानी

अभिनेता ने सुनाया सिंगल पापा के सेट का मजेदार किस्सा

फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग सेट पर ऐसे कई पल छिपे रहते हैं जो कलाकारों के लिए यादगार बन जाते हैं। कुछ पल मजेदार होते हैं, तो कुछ थोड़े चुनौतीपूर्ण और कुछ बिल्कुल उम्मीदों से परे होते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा दिग्गज अभिनेता मनोज पाहवा ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू के दौरान साझा किया, जो उनकी आने वाली सीरीज 'सिंगल पापा' की शूटिंग से जुड़ा है। मनोज पाहवा ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि 'सिंगल पापा' के सेट पर चार महीने के बच्चे के साथ शूटिंग करते हुए उन्हें एक अनोखा अनुभव हासिल हुआ।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''इस बार बच्चे ने मुझे निराश कर दिया। मैंने अपने करियर की शुरुआत में 'जस्ट मोहब्बत' और 'बोल बेबी बोल' जैसे शो में बच्चों के साथ काफी काम किया है। उस समय बच्चों के साथ शूटिंग करना मेरे लिए एक अलग तरह का फायदा होता था। बच्चे अक्सर शूटिंग से अचानक गायब हो जाते थे, कभी घुड़सवारी करने चले जाते, कभी खेलने निकल पड़ते। ऐसे में शूटिंग रुक जाती थी और कलाकारों को बीच-बीच में आराम भी मिल जाया करता था।''

उन्होंने कहा, ''इसी पुराने अनुभव के आधार पर मैंने मान लिया था कि इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। मैंने सोचा था कि चार महीने का बच्चा है, बीच-बीच में रोएगा, शूट रुक जाएगा और मुझे भी थोड़ा ब्रेक मिल जाएगा। लेकिन मेरी उम्मीदें पूरी तरह गलत साबित हुईं। इस बार का छोटा कलाकार बेहद अलग निकला।''

मनोज ने हंसते हुए कहा, ''बच्चा इतना प्रोफेशनल था कि मैं खुद चौंक गया। वह बिलकुल शांत रहता था, कैमरे की तरफ आसानी से देख लेता था और किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आने देता था।''

उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि लगता है जैसे वह मां के पेट से ही अभिनय सीखकर आया हो।

सीरीज 'सिंगल पापा' में मनोज पाहवा के साथ कुणाल खेमू, आयशा रजा और प्राजक्ता कोली भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी कुणाल खेमू का किरदार गौरव गहलोत उर्फ 'जीजी' के इर्द-गिर्द घूमती है। जीजी का स्वभाव थोड़ा बचकाना है। तलाक के तुरंत बाद वह एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार हक्का-बक्का रह जाता है। उन्हें यकीन ही नहीं होता कि जो आदमी अपनी जुराबें कहीं रखकर भूल जाता है, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे उठा पाएगा। इसी उलझन और हलचल के बीच परिवार के भीतर कई मजेदार और भावुक स्थितियां पैदा होती हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाती हैं।

इस सीरीज को इशिता मोइत्रा और नीरज उधवानी ने मिलकर बनाया और लिखा है। शशांक खेतान इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। निर्देशन नीरज उधवानी और हितेश केवल्या ने किया है। वहीं, इसका निर्माण जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

कॉमेडी, पारिवारिक ड्रामा और भावनाओं का मिश्रण लेकर आने वाली सीरीज 'सिंगल पापा' 12 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

यहां लोग बस आपको छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं : ऋचा चड्ढा

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री ऋचा चड्ढा अक्सर बेबाक और बिंदास अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि वे हमेशा से ही ऐसी नहीं थीं। उन्होंने मुंबई में आयोजित 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताया कि पहले वह बहुत डरपोक और समझौतावादी थीं। अभिनेत्री का कहना है कि आज भले ही लोग उन्हें आत्मविश्वासी और निडर कहते हैं, लेकिन पहले हालात बिल्कुल अलग थे। उन्होंने बताया, मैं हमेशा से इतनी निडर और बोल्ड नहीं थी। अपने शुरुआती दिनों में मैं बहुत सहनशील हुआ करती थी। एक दिन सेट पर खड़ी होकर मैंने खुद से पूछा, मैंने ये फिल्म कब साइन की? मैं यहां क्या कर रही हूं? ये आइटम नंबर क्यों कर रही हूं?

उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, एक डायरेक्टर ने मुझसे कहा कि मेल कोरियोग्राफर चाहिए और तुम्हें ऐसे-वैसे करने हैं। मैं अंदर से घबरा जाती थी कि ये लोग कौन हैं? मैं क्या कर रही हूं? मुझे समझ आया कि किसी लोकल मैनेजर ने थोड़े पैसे ले लिए होंगे और मुझे लगा होगा कि शायद यही करना चाहिए। यही इंडस्ट्री का तरीका है।

अभिनेत्री ने बताया कि इस बीच इंडस्ट्री में लोग मुझे मेरे लुक्स को ठीक करने की सलाह देते थे। उन्होंने कहा, लोग कहते, होंठ ठीक करवा लो, चेहरा ठीक करवाओ, गाना शूट करने से पहले पानी मत पीना। मैं सब मान लेती थी। मैंने अपने शरीर और दिमाग को बहुत तकलीफ दी। मैं खुद से कहती थी, मैं बेकार हूं, मैं अच्छी नहीं हूं। अभिनेत्री ने आखिर में कहा कि ये दुनिया है, यहां लोग बस आपको छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं।हाल ही में अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस पुशिंग बटन्स स्टूडियोज में बनी फिल्म 'सीक्रेट्स ऑफ अ माउंटेन सर्पेंट' का 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिले–गा। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बाहर का और खुला खाना खाते वक़्त ख़ास तौर पर बचाव पर ध्यान देने की ज़रूरत है। हालाँकि बिना वजह तनाव न लें, क्योंकि यह आपको मानसिक कष्ट दे सकता है। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक़ न हो, तो आप नाराज़गी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है – इसलिए भली–भांति सोचकर ही बोलें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस–पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना–देना नहीं है। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आप दोस्तों के साथ शाम को बाहर घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिव–ारिक सहयोग मदद देगा। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। साफ़गोई से अपने मन की बात कहने में घबराएँ नहीं। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। जीवन हमेशा कुछ नया और चौंकाने वाली चीज़ आपके सामने लाता है। लेकिन आज आप अपने जीवनसाथी का एक अनोखा पहलू देखकर ख़ुशी से चौंक जाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन–पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा–दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। कुछ दिनों से आपका व्यक्तिगत जीवन ही आपके ध्यान का केंद्र रहा है। लेकिन आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये–पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 दिसंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 10:57 तक
नक्षत्र : भरणी सायं 04:30 तक
योग : परिघ सायं 03:27 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:57 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 10:44 तक
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पिशाचमोचन श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की पीएम मोदी से मुलाकात

जयपुर, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में मंगलवार को देश के सबसे लोकप्रिय नेता और राष्ट्रप्रथम की भावना के प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं रही बल्कि यह मार्गदर्शन, विश्वास और राजनीतिक ऊर्जा का नया अध्याय साबित हुई। प्रधानमंत्री की कार्यशैली की राष्ट्रहित की प्राथमिकता हर संवाद में साफ झलकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद यह संदेश अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार के दो वर्ष पूरे होना केवल सरकार की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि सुशासन और जनकल्याण की निरंतरता का सबूत है। केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर नीतियों की समान दिशा ने प्रदेश में विकास की रफ्तार को मजबूत किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को राजस्थान पधारने का आमंत्रण दिया गया–जो यह दर्शाता है कि प्रदेश विकास की बड़ी परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर केंद्र के साथ पूरी तालमेल में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति हमेशा प्रशासनिक तत्परता और राजनीतिक संदेश दोनों को मजबूत करती है।

राजस्थान आगे भी प्रधानमंत्री के नक्शे–कदम पर चलते हुए 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।राज्य की दिशा साफ है–विकास की राष्ट्रीय धारा में न सिर्फ शामिल रहना, बल्कि अपनी भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाना।

न्यायाधीश ने बाल वाहिनियों का किया औचक निरीक्षण

टोंक, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने मंगलवार को शहर में संचालित स्कूल बाल–वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण उच्चतम न्यायालय, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड तथा राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय–समय पर निर्धारित सुरक्षा मानकों के आधार पर किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश जलुथरिया ने विभिन्न स्कूल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा, जहां कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

मुख्य खामियां जो निरीक्षण में उजागर हुईं। कई वाहनों में प्राथमिक चिकित्सा पेटी उपलब्ध ही नहीं थी। कुछ वाहनों में फर्स्ट–एड बॉक्स तो मिला, लेकिन दवाइयों की एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी। कई बाल–वाहिनियों में लगा फायर एक्सटिंग्विशर निष्क्रिय अवस्था में मिला, जिनमें गैस भरी नहीं थी। वाहनों में स्थापित होना अनिवार्य ऋझड सिस्टम या तो लगा नहीं था या सक्रिय हीं मिला। कई वाहनों में पीने के पानी की व्यवस्था नदारद मिली। सबसे गंभीर लापरवाही–निर्धारित सीट क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा था, जो स्पष्ट रूप से सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है।

कई विद्यालयों में बच्चों को घर तक पहुँचाने वाले ऑटो–रिक्शों का भी निरीक्षण किया गया। यहाँ भी सुरक्षा ग्रिल का अभाव पाया गया, जो बच्चों की सड़क सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर कमी मानी जाती है। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने ड्राइवरों और परिचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए। वाहन चलाते समय निर्धारित गति–सीमा का पालन किया जाए। मोबाइल, ईयरफोन अथवा किसी भी प्रकार के ध्यान भटकाने वाले उपकरण का उपयोग न किया जाए। सभी वाहन संचालक नियमों के अनुसार ही वाहन चलाएँ और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें। निरीक्षण कार्रवाई में यातायात विभाग से निरीक्षक भैरूलाल तथा जांच दल के सदस्य मौजूद रहे।

जलमहल की पाल के सौन्दर्यकरण में तेज़ी, निगम टीम मिशन मोड में सक्रिय

जयपुर, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। पर्यटक सीजन और प्रवासी राजस्थानी दिवस को ध्यान में रखते हुए नगर निगम जयपुर ग्रेटर पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की सफाई और सौन्दर्यकरण पर विशेष फोकस कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को इंजीनियरिंग विंग ने जलमहल की पाल पर चल रहे मरम्मत कार्यों का साइट निरीक्षण किया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार्य प्रगति की समीक्षा की। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि शहर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए निगम की टीमें मिशन मोड में काम कर रही हैं। हाल ही में शहर के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर 100 से अधिक नए डस्टबिन लगाए गए हैं। वहीं 270 से अधिक कचरा डिपो हटाकर संबंधित स्थानों को आकर्षक स्वरूप दिया गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियंता किशनलाल मीणा, अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

जलमहल की पाल पर रंग–रोगन, जालियों की मरम्मत और रिपेयरिंग का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त जालियां बदली गई हैं, जबकि किनारों और दीवारों पर पेंटिंग कार्य प्रगति पर है। पैदल पथ और सड़क के छोटे–मोटे रिपेयर भी साथ ही पूरे किए जा रहे हैं।

सफाई व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, जिसके मद्देनजर निगम ने विशेष सफाई टीम तैनात की है। तालाब किनारे और पाल क्षेत्र में नियमित सफाई अभियान, कचरा निस्तारण और पाथवे धुलाई का कार्य जारी है। निरीक्षण के दौरान एसीई श्रवण वर्मा ने बताया कि हवा महल जोन के अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह और उनकी इंजीनियरिंग टीम तेज गति से कार्य कर रही है। साथ ही गार्डन शाखा भी पाल क्षेत्र में पौधों की ट्रिमिंग, हरियाली बढ़ाने और सौन्दर्यकरण से जुड़े कार्यों को नियमित रूप से अंजाम दे रही है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा कार्रवाई

54 हजार का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 25 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेएलएन मार्ग, एयरपोर्ट, बम्बाला पुलिया टोंक रोड़, सीतापुरा, इण्डिया गेट, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, महल रोड़, एनआरआई चौराहा, वार्ड नं. 101 प्रताप नगर, विजयपथ मध्यम मार्ग, मानसरोवर, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, खासा कोठी, पुष्पा बाग, पानीपेच, सिन्धी कॉलोनी, ड्रेनेज ब्लॉक के पास, रेलवे कॉलोनी, डी.आर.एम. ऑफिस, जलमहल रोड, ईदगाह, दिल्ली बाईपास, सिंधी कैंप, मानसरोवर थाना क्षेत्र, धावास रोड, बाबा मीराँ साहब की गुफा, मोहनपुरा मोड, त्रिमूर्ति सर्किल, अशोक सर्किल, सी–स्कीम, स्वीटी सर्किल आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 54 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 25 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेएलएन मार्ग, एयरपोर्ट, बम्बाला पुलिया टोंक रोड़, सीतापुरा, इण्डिया गेट, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, महल रोड़, एनआरआई चौराहा, वार्ड नं. 101 प्रताप नगर, विजयपथ मध्यम मार्ग, मानसरोवर, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, खासा कोठी, पुष्पा बाग, पानीपेच, सिन्धी कॉलोनी, ड्रेनेज ब्लॉक के पास, रेलवे कॉलोनी, डी.आर.एम. ऑफिस, जलमहल रोड, ईदगाह, दिल्ली बाईपास, सिंधी कैंप, मानसरोवर थाना क्षेत्र, धावास रोड, बाबा मीराँ साहब की गुफा, मोहनपुरा मोड, त्रिमूर्ति सर्किल, अशोक सर्किल, सी–स्कीम, स्वीटी सर्किल आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

जल जीवन मिशन में लापरवाही उजागर

वैर (सलेमपुर खुर्द), 02 दिसंबर (एजेंसियां)। भुसावर पंचायत समिति क्षेत्र में जल जीवन मिशन के निर्माण कार्यों में लापरवाही और गुणवत्ताहीन सामग्री के उपयोग का मामला एक बार फिर सामने आया है। विकास अधिकारी एवं जलदाय विभाग की शिथिलता के कारण इलाके के कई गांवों में इन दिनों कड़ाके की सर्दी में भी पेयजल किल्लत गहराती जा रही है। निर्धारित अवधि में पूरा नहीं हुआ काम, अधूरी टंकियाँ बनी शो–पीस ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत जलदाय विभाग के ठेकेदारों द्वारा कई जगहों पर निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बावजूद काम अधूरा छोड़ दिया गया है। कहीं पाइपलाइन नहीं डाली गई, तो कहीं आधा–अधूरा काम पूरा दिखाकर भुगतान उठा लिया गया। अधूरी बनी पानी की टंकियाँ सिर्फ शो–पीस बनकर रह गई हैं।सलेमपुर खुर्द में बनी आकाशीय पानी की टंकी में टेस्टिंग के समय पानी इस कदर रिसा कि मानो टंकी नहीं, बरसात हो रही हो। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने घटिया स्तर की सामग्री का उपयोग किया।

दो खिलाड़ियों की मौत का मामला, खेल विभाग ने खुद को क्लीन चीट दी

चंडीगढ़, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अलग–अलग जिलों में हुई घटनाओं में दो खिलाड़ियों की मौत के मामले में खेल विभाग ने खुद को क्लीन चीट दे दी है। रोहतक के लाखनमाजरा में बास्केटबॉल पोल गिरने से खिलाड़ी हार्दिक (17) की जान चली गई थी। वहीं झज्जर के बहादुरगढ़ में शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम में जर्जर बास्केटबॉल पोल गिरने से घायल 15 वर्षीय खिलाड़ी अमन की मौत हो गई थी। दोनों खिलाड़ियों की मौत से खेल विभाग ने अपना पल्ला झाड़ लिया है।

रोहतक और झज्जर के जिला खेल अधिकारियों ने बास्केटबॉल के पोल टूटने से दो खिलाड़ियों की मौत के मामले में रिपोर्ट डिप्टी डायरेक्टर को सौंपी। रोहतक के जिला खेल अधिकारी ने महानिदेशक, खेल विभाग, हरियाणा (पंचकूला) को लिखा, बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक सुपुत्र सन्दीप, निवासी गांव लाखनमाजरा, जिला रोहतक का अभ्यास के दौरान खिलाड़ी के ऊपर बास्केटबॉल पोल के गिरने से आकस्मिक निधन के सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट विभाग की सेवा में भेजी गई है।खिलाड़ी जिस बास्केटबॉल कोर्ट में अभ्यास कर रहा था वह जगह जमीन ब्लॉक समिति, लाखनमाजरा के अधीन है। यह जगह / बास्केटबॉल कोर्ट खेल विभाग के अधीन नहीं है तथा न ही लाखनमाजरा में खेल विभाग, हरियाणा द्वारा वर्तमान में बास्केटबाल खेल की कोई खेल नर्सरी अलॉट की हुई है। वर्तमान में गांव लाखनमाजरा में विभाग द्वारा केवल कबड्डी खेल की खेल नर्सरी अलॉट की हुई है। गांव लाखनमाजरा में बास्केटबॉल खेल का कोई भी विभागीय प्रशिक्षक नियुक्त नहीं है।

जिला खेल अधिकारी, रोहतक द्वारा भेजी गई रिपोर्ट सही है। वहीं झज्जर के खेल अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम, बहादुरगढ़ में बास्केटबॉल पोल गिरने से अमन (15 वर्ष), पुत्र सुरेश कुमार घायल हो गए थे और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। यह खेल स्टेडियम खेल विभाग के अधीन नहीं है।

वोट चोरी करके ही भूपेंद्र हुड्डा ने चौ. देवीलाल को हराया था : दिग्विजय

चंडीगढ़, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि आज जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर ही भाजपा से लड़ाई लड़ने की जरूरत है, न कि वोट चोरी का शोर मचाया जाए। उन्होंने कहा कि जब जननायक चौधरी देवीलाल को करीब 300 वोट से हराया गया, तब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने वोट चोरी ही की थी। दिग्विजय ने कहा कि आज कांग्रेसियों के किए हुए कर्म सामने आ रहे है, क्योंकि ईवीएम मशीन को लेकर आने वाली कांग्रेस ही थी और अब कांग्रेस ही इसका विरोध कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल जांच का विषय है। वे मंगलवार को सोनीपत में जनसंपर्क अभियान के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाकर जेजेपी भाजपा सरकार की नाकामियों को उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार की खराब नीतियों के कारण सबसे ज्यादा किसान और युवा वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा सरकार की अनदेखी के कारण दो होनहार खिलाड़ियों को अपनी जान गंवानी पड़ी, तो वहीं आज लाखों युवा रोजगार के लिए धक्के खाने को मजबूर है।

हरियाणा सरकार कुरुक्षेत्र को दुनिया का सबसे गौरवपूर्ण स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध : बड़ौली

चंडीगढ़, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली उत्तर प्रदेश के सम्भल स्थित श्री कल्कि धाम में आचार्य प्रमोद कृष्णम के आमंत्रण पर कल्कि पुराण–आधारित श्रीकल्कि कथा में सह–परिवार शामिल हुए। इस मौके पर बड़ौली ने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी का सान्निध्य में प्राप्त कर आशीर्वाद लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि श्रीकल्कि कथा का आयोजन अद्वितीय और ऐतिहासिक है। कथा में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी द्वारा संदेश दिया गया कि जब अधर्म बढ़ता है, तब धर्म स्वयं रक्षा हेतु अवतार रूप में प्रकट होता है। बड़ौली ने कहा कि कल्कि अवतार का आशय केवल भविष्यवाणी नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य, शुचिता और साहस की शाश्वत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि श्रीकल्कि धाम के निर्माण की प्रगति भी उत्साहजनक है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कल्कि कथा भारतीय संस्कृति के महत्व और उसकी गहराइयों को समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि यह कथा धर्म, आध्यात्म और संस्कृति के प्रति और अधिक ज्ञान और समझ पैदा करती है। उन्होंने कहा कि श्री कल्कि कथा सुनने से सनातन धर्म, संस्कृति और संस्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त होता है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश में सांस्कृतिक और धार्मिक पुनर्जागरण चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और मार्गदर्शक नेतृत्व में भारत अपनी प्राचीन आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ा है। पिछले 11 वर्षों में भारत में उल्लेखनीय सांस्कृतिक परिवर्तन हुए हैं।

नायब सिंह सैनी से कनाडा के राजदूत ने की मुलाकात

चंडीगढ़, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार हरियाणा को शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक हब बनाने के लगातार प्रयास कर रही है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में मंगलवार को भारत में कनाडा के राजदूत क्रिस्टोफर कूटर ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके निवास स्थान संत कबीर कुटीर पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कनाडा ने हरियाणा राज्य के साथ शिक्षा, निवेश और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने की पेशकश करने के साथ–साथ कनाडा द्वारा हरियाणा में एक विश्वविद्यालय खोलने पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान चर्चा की गई कि फास्ट ट्रैक सिस्टम के माध्यम से हरियाणा और कनाडा के निवेश प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाया जाएगा। फास्ट ट्रैक सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्रक्रियाओं के सरलीकरण, विभागों के बीच समन्वय सहित सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसके अलावा, हरियाणा

की तीव्र आर्थिक वृद्धि, मजबूत औद्योगिक आधार और निवेश–अनुकूल नीतियों को देखते हुए कनाडा ने राज्य के साथ अपने आर्थिक व रणनीतिक जुड़ाव को और सुदृढ़ करने में रुचि व्यक्त की है।

हरियाणा और कनाडा के बीच यह पहल राज्य में निवेश के नए द्वार खोलेगी, रोजगार सृजन को गति देगी और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत बनाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा को उत्तरी भारत का सबसे विश्वसनीय वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाए।इस दौरान क्रिस्टोफर कूटर ने मुख्यमंत्री के साथ वेस्ट टू एनर्जी, विद्युत उत्पादन और कनाडा के खनन क्षेत्र में हरियाणा के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की।

इसके अलावा, उन्होंने कनाडा के निवेशकों को हरियाणा में निवेश के लिए आकर्षित करने संबंधी विस्तृत रोडमैप पर भी विचार–विमर्श किया, ताकि दोनों पक्षों के व्यावसायिक संबंध और अधिक मजबूत तथा परिणाम मुखी बन सकें।

प्रेम कुमार को अध्यक्ष बना विधानसभा स्थगित

पटना/एजेंसियां।

बिहार विधानसभा सत्र का मंगलवार दूसरा दिन रहा। प्रेम कुमार ने अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली। सोमवार को उन्होंने नामांकन किया था। उनके अलावा किसी अन्य ने नामांकन नहीं दिया। इसलिए प्रेम कुमार का निर्विरोध स्पीकर चुने गए। उनके निर्वाचन में सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, संजय सरावगी और श्रवण कुमार प्रस्तावक बने। सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत सभी विधायकों ने स्पीकर बनने पर प्रेम कुमार को बधाई दी। अब बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए सदन स्थगित करने की घोषणा कर दी गई। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने स्पीकर प्रेम कुमार को बधाई दी। सत्ता की संख्या अधिक है इसलिए ऐसा न हो कि अधिक संख्या की वजह से न्याय न हो। उन्होंने प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर की कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि पंच परमेश्वर की तरह होता है। इधर, आज जनता दल यूनाईटेड के विधायक अनंत सिंह पर सबकी निगाहें टिकी हैं। वह जेल में हैं। आज अब तक वह शपथ लेने नहीं पहुंचे हैं। इधर, पहले दिन अनुपस्थित रहे मदन सहनी, जीवेश मिश्रा, विनय बिहारी और केदार सिंह ने आज शपथ ली। विनय बिहारी ने शपथ लेने से पहले भोजपुरी में कविता पढ़ने लगे। प्रोटेम स्पीकर ने टोका तो कहा कि मैं भोजपुरी गीतों को गाकर ही यहां तक पहुंचा हूं। इसके बाद जीवेश मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ली। पहले दिन 237 नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली थी। बाकी एनडीए से अनंत सिंह, अमरेंद्र पांडेय, मदन सहनी, जीवेश कुमार, केदार सिंह और विनय बिहारी सदन नहीं आए थे। मदन सहनी, जीवेश कुमार, विनय बिहारी और केदार सिंह स्वास्थ्य कारणों से सदन नहीं आ पाए थे। वहीं जदयू विधायक अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय अपने भतीजे मुकेश पांडेय का दिल्ली में इलाज करवा रहे हैं। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव खुद विधायकों को शपथ दिला रहे थे इसलिए शपथ नहीं ले पाए। प्रेम कुमार के कुर्सी संभालने के बाद उन्होंने शपथ लिया। विधानसभा अध्यक्ष पद पर नामांकन करने के बाद गया टाउन के भारतीय जनता पार्टी विधायक डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि एनडीए नेतृत्व और पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है। उनके आदेश के बाद मैंने अपना नामांकन कर दिया है। मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। नवीं बार विधायक चुनकर यहां पहुंचा हूं, इसलिए जनता जनार्दन का भी मैं धन्यवाद करता हूं। जिन विधायकों ने आज शपथ लिया और जो बच गए, उन्हें भी मैं शुभकामना देता हूं। इस बार विधायक अरुण शंकर प्रसाद, सुजीत पासवान, विनोद नारायण झा, आसिफ़ अहमद, माधव आनंद, मीणा कुमारी, नीतीश मिश्रा और सबसे कम उम्र की विधायक मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली। मैथिली ठाकुर ने मिथिला पेंटिंग वाली साड़ी और पाग पहन कर आईं। भाजपा के मिथिलेश तिवारी ने संस्कृत में शपथ ली। वहीं विधायक आबिदुर रहमान, कमरूल होदा, सरबर आलम, विधायक व अखचखच् के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान और विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली।

अगले पांच दिनों में तीन डिग्री तक गिरेगा पारा, राहगीरों को परेशान करेगा कोहरा

पटना/एजेंसियां।

दिसंबर आते ही बिहार में ठंड बढ़ने लगी है। आज सुबह में पटना, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, बेगूसराय समेत कई जिलों के कुछ इलाकों में कोहरा देखने को मिला। इससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण तापमान में गिरावट हो रही है। आने वाले चार से पांच दिनों में ठंड और बढ़ेगी न्यूनतम पर 3 डिग्री तक नीचे जा सकता है। उत्तर बिहार के जिलों में कोहरे का असर ज्यादा दिख सकता है। मौसम विभाग की माने तो दिसंबर महीने में पिछले साल की तुलना में अधिक ठंड पड़ने वाली है। सर्द हवाओं के कारण इस बार कड़ाके की ठंड पड़ेगी। कोल्ड वेव का भी सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहने वाला है। बिहार के उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में ठंडी हवाओं के कारण सुबह-शाम ठंड थोड़ी बढ़ी हुई रहेगी। विभाग का कहना है कि आने वाले दो दिनों में राज्य के एक दो इलाकों में सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना बनी रहेगी। वहीं अगले चार से पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। वहीं, न्यूनतम तापमान अगले 48 घंटों में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके बाद पारा सामान्य बना रहेगा। बदलते मौसम को देखते हुए विभाग ने लोगों से सुबह शाम विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। राज्य के किसी भी हिस्से में वर्षा दर्ज नहीं की गई। अधिकतम तापमान 25 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिसमें सबसे अधिक तापमान 28 डिग्री सेल्सियस मोतिहारी में रिकॉर्ड किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस (किशनगंज) से 17.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई जिलों में तापमान में किसी तरह का खास उतार चढ़ाव नहीं देखा गया। धुंध की स्थिति के तहत पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई।

बोधगया में 20वें इंटरनेशनल त्रिपिटक चैटिंग की शुरुआत

पटना/एजेंसियां।

20वें इंटरनेशनल त्रिपिटक चैटिंग पूजन समारोह को लेकर सोमवार को बोधगया में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में 22 बौद्ध देशों से आए भिक्षु और श्रद्धालु शामिल हुए। 'बुद्धं शरणं गच्छामि' के मंत्रोच्चार से पूरा बोधगया गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा की शुरुआत भगवान बुद्ध की ज्ञान स्थली 80 फीट बुद्ध प्रतिमा परिसर से हुई, जो पैदल यात्रा करते हुए कालचक्र मैदान तक पहुंची। अलग अलग देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने अपनी पारंपरिक झांकियों के माध्यम से समृद्ध बौद्ध संस्कृति की प्रस्तुति दी। पूरा मार्ग भिक्षुओं के गीतों, बौद्ध मंत्रों और शांतिमय स्वर लहरियों से महक उठा। इस वर्ष 20वें इंटरनेशनल त्रिपिटक चैटिंग पूजा की मेजबानी भारत कर रहा है। यह आयोजन 2 दिसंबर से 12 दिसंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू मुख्य अतिथि होंगे, जबकि केंद्रीय कला एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे। विधि विधान के साथ बृहद स्तर पर समारोह का शुभारंभ किया जाएगा।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंदा, 2 की मौत

पूर्णिया/एजेंसियां।

पूर्णिया में भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। भीषण हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मृतकों के गाँव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई हैं।घटना सोमवार को देर शाम केनगर थाना क्षेत्र के एनएच 107 (एनएच107) स्थित गोकुलपुर गोदाम के पास की है। जहां एक बाइक पर सवार तीन व्यक्तियों को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटनास्थल से वाहन लेकर चालक फरार हो गया। मृतक बिठनौली पश्चिम पंचायत के वार्ड 6, बनियापट्टी गाँव निवासी, जगरनाथ राम के पुत्र नीतीश कुमार (उम्र 23 वर्ष) और रमौली थाना क्षेत्र के बीरौली निवासी विनोद साह के पुत्र संजीव कुमार है। वहीं, सरसी थाना क्षेत्र के कचहरी बलुआ वार्ड 10 निवासी शम्भू राम (अनिल राम के पुत्र) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केनगर में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया रेफर कर दिया गया। मृतक नीतीश राम की पत्नी खुशबू कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बिलखते हुए बताया कि उनके पति दोपहर में अपनी बहन के घर निपनिया गए थे। खुशबू कुमारी ने कहा कि वह तो बस दोपहर दो बजे अपनी बहन के घर गए थे। किसे पता था कि वापस आते समय रास्ते में काल उनका इंतजार कर रहा होगा। उस अज्ञात वाहन ने सिर्फ मेरे पति को नहीं, हमारा पूरा घर उजाड़ दिया। बताया कि दोपहर दो बजे नीतीश बाइक से अपनी बहन के घर निपनिया गए थे। वापस आने के क्रम में गोकुलपुर चौक के समीप गोदाम के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। ठोकर लगने के बाद अज्ञात वाहन छोड़कर फरार हो गया। ठोकर भयानक होने के कारण घटनास्थल दो युवक की मौत हो गई। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए सरसी थाना क्षेत्र के कचहरी बलुआ निवासी शम्भू राम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केनगर ले जाया गया। वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए तुरंत जीएमसीएच पूर्णिया रेफर कर दिया गया। वहीं केनगर थानाध्यक्ष मुन्ना पटेल ने बताया कि अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से घटनास्थल पर ही दो युवक की मौत हो गई। वहीं इस घटना में एक घायल है। जिसे इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया गया है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गंडक नदी में बड़ा हादसा, 20 सवारियों वाली नाव डूबी

चंपारण/एजेंसियां।

पश्चिम चंपारण के बैरिया थाना क्षेत्र स्थित कोइरपट्टी घाट के पास सोमवार की शाम एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना सामने आई, जहां ग्रामीणों से भरी एक छोटी नाव गंडक नदी में अचानक पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दैनिक खेत खलिहान का काम निपटाकर, चारा काटकर और भोजन देकर लौट रहे ग्रामीण बड़ी संख्या में इस नाव पर सवार हो गए थे। 5 से 6 लोगों की क्षमता वाली नाव पर करीब 15 से 20 लोग बैठे थे, जिससे नाव असंतुलित हो गई और सामने से आ रही एक बड़ी नाव से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद गंडक की तेज़ धारा में कई लोग बह गए। स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल बचाए गए अधिकांश लोगों की पहचान हो चुकी है, लेकिन दो बच्चियां पुनीता कुमारी (17 वर्ष), पिता धर्म यादव, और रौनक उर्फ सुगी (8 वर्ष), पिता रमेश कुमार अभी भी लापता हैं। दोनों आपस में फुआ-भतीजी बताई जाती हैं, जिनके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बिना देरी किए नदी में कूदकर बचाव कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस बल और गोताखोर भी घटनास्थल पर पहुँच गए और सर्च ऑपरेशन युद्धस्तर पर जारी है। थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने फिलहाल मीडिया को आधिकारिक बयान देने से परहेज़ किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार पुलिस हर संभव संसाधन जुटाकर दोनों बच्चियों की खोज में लगी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि घाट पर नावों की नियमित जाँच और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता, जिससे इस तरह की दुर्घटनाएँ बार-बार होती हैं। लोग प्रशासन से तत्काल राहत, लापता बच्चियों की तेजी से तलाश, नाव परिचालन पर निगरानी, और घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग घाट पर जमा हो गए। लापता दोनों बच्चियों के परिवार अब भी नदी किनारे उम्मीद और दहशत के बीच खड़े हैं। पुनीता की मां बेहोशी की हालत में है, जबकि छोटी सुगी का परिवार लगातार नदी में देखने-ढूंढने की कोशिश कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों बच्चियां परिवार और गांव की सबसे चंचल और होनहार बेटियों में थीं।

घर से निकली बरात, उधर मौका पाकर घर में घुस गए चोर

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों की सूझबूझ से वारदात टल गई। साहेबगंज थाना क्षेत्र के हिम्मत पट्टी गांव निवासी रंजीत साह की बेटी की शादी शहर के एक मैरिज हॉल में हो रही थी। इस जानकारी के बाद चोरों ने उनके बंद घर को निशाना बनाया। चोर घर के पीछे की खिड़की की ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे ही थे कि गांव की एक महिला की उन पर नजर पड़ गई। महिला ने शोर मचाया तो कुछ ही ही मिनटों में पूरे गांव में खबर फैल गई और ग्रामीणों ने घर को चारों तरफ से घेर लिया। स्थिति भांपते ही चोर मौके से चकमा देकर फरार हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर की तलाशी ली, लेकिन भीतर कोई नहीं मिला। सभी सामान सुरक्षित पाया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि चोर चोरी की नीयत से घुसे थे, लेकिन ग्रामीणों की सतर्कता के कारण वारदात को अंजाम नहीं दे सके। साहेबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की कोशिश की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में किसी तरह की चोरी की घटना नहीं पाई गई है। ग्रामीणों की सतर्कता से बड़ी घटना टल गई। मामले की जांच जारी है।

सड़क हादसे में तमिलनाडु की महिला की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मदनपल्ले से 28 किमी दूर कर्नाटक के कोलार के पास मंचिनिला कोटे गांव के पास मंगलवार को एक निजी ट्रैवल्स बस के पलट जाने से एक महिला की मौत हो गई और ग्यारह यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बस, जो कडप्पा से बेंगलूरु जा रही थी, सुबह करीब 4 बजे मध्य से टकराई और पलट गई। सिर में चोट लगने से तमिलनाडु के कृष्णागिरी शहर की अनीता (50) की मौके पर ही मौत हो गई। घायल यात्रियों में से चार को गंभीर हालत में मदनपल्ले सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों को मदनपल्ले लाने वाले कर्नाटक के पुलिस कर्मियों ने कहा कि ड्राइवर को नींद आने के बाद उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया होगा।

पटना पुलिस ने साइको किलर को पकड़ा

पटना/एजेंसियां।

पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी और कथित साइको किलर अविनाश श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नालापर मोहल्ले में किसी व्यापारी को निशाना बनाने की फिराक में घूम रहा था। गुप्त सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। मौके से अविनाश के दो साथी फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। चौक थाना प्रभारी ने बताया कि 37 वर्षीय अविनाश श्रीवास्तव पटना सिटी के सीढ़ी घाट का रहने वाला है। दो दिन पहले ही वह भागलपुर जेल से निकला था। रिहाई के बाद उसने अपने गिरोह को सक्रिय किया और पटना सिटी के एक व्यापारी को टारगेट पर ले रखा था। पुलिस को इसकी भनक लगते ही टीम गठित कर ऑपरेशन शुरू किया गया। अविनाश के आपराधिक इतिहास की कहानी भी कम चौंकाने वाली नहीं है। बताया जाता है कि उसके पिता ललन श्रीवास्तव आरजेडी से एमएलसी थे। वर्ष 2002 में हाजीपुर में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसी घटना के बाद अविनाश अपराध की दुनिया में उतर गया। बदला लेने की आग में पहली ही वारदात में उसने हाजीपुर के मोइन खान और पप्पू खान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। कहा जाता है कि उसने अपने लक्ष्य पर 32 गोलियां दागी थीं। इसके बाद वह लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा। पटना नगर निगम की डिप्टी मेयर अमरावती देवी के पति दिन गोप की हत्या में भी उस पर एके-47 से हमला करने का आरोप लगा था।

रक्सौल क्षेत्र से दो साइबर ठग पकड़े गए

मोतिहारी/एजेंसियां।

फर्जी पुलिस बनकर साइबर ठगी करने वाले दो साइबर ठगों को मोतिहारी पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार दोनों आरोपी रक्सौल एवं भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मामला तब सामने आया जब मोतिहारी साइबर थाना को गुप्त सूचना के आधार पर मोबाइल नंबर 8507167492 की जानकारी मिली। इसी नंबर से साइबर अपराधियों ने उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी आशुतोष कुमार तिवारी को फोन कर यह बताया कि उनका भाई पुलिस कस्टडी में है और उसे छुड़ाने के लिए एक लाख रुपये की मांग की गई। डर के माहौल और पुलिस के नाम पर दबाव बनाकर अपराधियों ने पीड़ित से सेंट्रल बैंक के खाते में रकम भी जमा करा ली। बाद में आशुतोष कुमार तिवारी को ठगी का एहसास होने पर उन्होंने साइबर पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने हरैया थाना क्षेत्र के खाता धारक शिवपूजन प्रसाद कुशवाहा से पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो साइबर ठग महेंद्र कुमार और राजा कुमार सोनी को गिरफ्तार कर लिया। मोतिहारी के साइबर डीएसपी ने कहा कि दोनों आरोपी फर्जी पुलिस बनकर लोगों को डरा धमकाकर ठगी करते थे, जिन्हें अब गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूजा की हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार, मुख्य साजिशकर्ता निकला टकला उर्फ शैलेश

सीवान/एजेंसियां।

सीवान पचरुखी थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव में 18 वर्षीय युवती पूजा कुमारी की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सोमवार को प्रभारी एसपी विक्रम सिहाग ने प्रेसवार्ता कर बताया कि मामले में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उनके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। प्रभारी एसपी के अनुसार, बीते गुरुवार को बरियारपुर गांव स्थित अरहर के खेत से पूजा कुमारी का अर्धनग्न शव बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। परिजनों के बयान और दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की और वैज्ञानिक तरीके से संदिग्धों को चिह्नित किया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी टकला उर्फ शैलेश ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया है। उसने बताया कि घटना वाले दिन उसने खेत में पूजा को अकेले देखा और उसी समय घिनौनी योजना बनाई। इसके बाद उसने अपने दोस्त गुड्डू को बुलाया। दोनों ने मिलकर युवती के साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर उसकी निर्ममता से हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए, लेकिन कुछ देर बाद उन्हें लगा कि शव घर के नजदीक होने से उन पर शक हो सकता है। इसके बाद वे अपने एक और साथी सुमित के साथ दोबारा घटनास्थल पर लौटे, शव को उठाया और कुछ दूरी पर झाड़ीदार खेत में फेंक दिया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। प्रभारी एसपी ने बताया कि तीनों आरोपी बरियारपुर गांव के ही निवासी हैं और मनचली तथा आपराधिक प्रवृत्ति के कारण इस घटना को अंजाम दिया गया। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है और कहा है कि मजबूत चार्जशीट तैयार कर आरोपियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com